शुक्रवार
23 अगस्त 2024

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स
आपकी आवाज

पंचायत सरकार भवन में जमीन, किसानी व योजनाओं की समस्या का होगा निदान 2

रेप की घटनाओं से डगमगा रहा राष्ट्र का विश्वासः ममता

- प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखी चिट्ठी
- देश में बढ़ती रेप की घटनाओं को रोकने के लिए केंद्रीय कानून लाने की जरूरत पर दिया जोर

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लेडी डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना पर घिरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में देश में महिलाओं के प्रति बढ़ती घटनाओं की तरफ ध्यान खींचते हुए लिखा है कि इन अपराधों को रोकने के लिए केंद्रीय कानून लाने की जरूरत है। ममता बनर्जी ने केंद्रीय कानून बनने से ऐसा अपराधों में शामिल व्यक्तियों को कठोर सजा दिलाई जा सकेगी।

पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी, मैं आपका ध्यान पूरे देश में बलात्कार की बढ़ती घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। इनमें कई मामलों में बलात्कार के साथ हत्या भी की जाती है। ममता बनर्जी ने पत्र में लिखा है कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह देखना भयावह है कि पूरे देश में प्रतिदिन लगभग 90-90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। इससे समाज और राष्ट्र का विश्वास और विवेक डगमगाता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस पर रोक लगाएं, ताकि महिलाएं सुरक्षित महसूस करें। इस तरह के गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर व्यापक कदम उठाने की जरूरत है। जिसमें ऐसे जघन्य अपराधों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कठोर सजा दी जा सके। इसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान करते हुए कठोर केंद्रीय कानून बनाया जाए। प्रस्तावित कानून में ऐसे मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों की स्थापना पर भी विचार किया जाना चाहिए। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए, ऐसे मामलों में सुनवाई अधिमानतः 15 दिनों के भीतर पूरी की जानी चाहिए।

अयोध्या गैंगरेप के आरोपी के मल्टी कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

- नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता के खिलाफ उप्र की योगी सरकार सख्त

केटी न्यूज/अयोध्या

भदरसा कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर योगी सरकार पूरे एक्शन में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े फरमान के बाद जिला प्रशासन ने घटना के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि व तालाब पर बनाए गए मल्टी कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। इससे पहले तहसील प्रशासन की जांच मे आरोपी की बेकरी तालाब की भूमि पर पाए जाने के बाद तहसील प्रशासन ने बेकरी निर्माण इकाई पर बुलडोजर चलवाकर उसे ध्वस्त करा दिया था।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस बिल्डिंग का निर्माण अवैध ढंग से तालाब की जमीन पर और चकरोड की जमीन पर कब्जा करके किया गया था। विकास प्राधिकरण के द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस दी जा चुकी थी। उसके बाद उनके द्वारा मानचित्र नहीं दाखिल किया गया। न तो किसी प्रकार की रुचि ही दिखाई गई। इसके ध्वस्तीकरण का आदेश जून में ही पारित कर दिया गया था। इस आदेश का तामीला कराते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को एक्टिवेट कराया गया है। एसडीएम के द्वारा आगे जांच की जा रही है, आगे भी जो अवैध संपत्ति पाई जाएगी उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। अयोध्या सीओ आशुतोष मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। आवश्यकता अनुसार ट्रैफिक को भी डायवर्ट किया गया।

लेह में 200 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, छह लोगों की मौत, 22 घायल

लद्दाख। लद्दाख की राजधानी लेह में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां एक प्राइवेट बस 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में अब तक 6 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि से 22 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला अस्पताल एसएनएम लेह में भर्ती कराया गया है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। लेह के डिप्टी कमिश्नर संतोष सुकदेवा ने बताया कि यात्रियों से भरी बस लेह से पूर्वी लद्दाख जा रही थी। उसी दौरान हादसा हो गया। पुलिस प्रशासन की टीम राहत बचाव के कार्य में जुट गई है। घायलों का उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बस में 28 लोग सवार थे। जिनमें 2 बच्चे और 23 स्कूल के कर्मचारी शामिल थे। बस लेह से डुरबुक जा रही थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोग किसी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग बचाने के लिए दौड़ पड़े। यह पूरा इलाका पहाड़ी और घाटी वाला है। बारिश के मौसम में इन इलाकों में सफर करना काफी मुश्किल होता है। बरसात की वजह से सड़कें टूट जाती हैं, जिससे हादसा होने के खतरा बढ़ जाता है।

विंध्याचल से पूजा कर लौटने के दौरान तेज रफ्तार टीयूवी रेलिंग से टकराई

आरा-बक्सर फोर लेन पर भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के पांच की मौत

- गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के पास फोर लेन पर चढ़ने के दौरान कार के ड्राइवर ने खो दिया नियंत्रण
- पटना के डीपीएस मोड़ के पास अर्पणा कॉलोनी में रहते थे सभी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में गुरुवार की सुबह गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के समीप आरा-बक्सर फोर लेन पर भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें एक तेज रफ्तार कार नेशनल हाईवे की डिवाइडर से टकरा गई। घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जिनमें से हादसे के बाद मौके पर तीन लोगों की जान चली गई। वहीं, दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। साथ ही, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं, जिन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बिहार के गुरुवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पति, पत्नी, बेटा, बहू और पोते की मौत हुई है। हादसे में 25 साल की बहू और 4 साल की पोती की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के पास आरा-बक्सर फोर लेन पर चढ़ने समय कार (टीयूवी 300) पुल की रेलिंग से टकरा गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। पूरा परिवार विंध्याचल से पूजा कर के लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरी प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। इसके बाद परिवार को सूचना दी गई।

सुबह करीब पांच बजे तेज आवाज सुन दौड़े आए लोग

परिजनों का कहना है कि अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरिया गांव निवासी भूपनारायण पाठक अपने पूरे परिवार के साथ उत्तरप्रदेश के विंध्यांचल मंदिर में पूजा करने गए थे। दर्शन कर सभी लोग वापस लौट रहे थे कि तब ही बीबीगंज के समीप गाड़ी चला रहे भूपनारायण पाठक के पुत्र विपुल पाठक की आंख लग गई और तेज रफ्तार गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। इसमे मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई। दो सदर अस्पताल लाने के दौरान दम तोड़ दिए और तीन लोग जख्मी हो गए। मृतक विपुल पाठक के साला अंकित ओझा ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि आपके बहनोई का दुर्घटना हुआ है। हमलोग भागे-भागे सदर अस्पताल पहुंचे कि यहां देखे की पांच लोगों की मौत हो गई है और बहन समेत तीन लोग जख्मी हैं। स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि अहले सुबह पांच बजे बहुत जोर का आवाज हुआ। हमलोग जब मौके पर पहुंचे तो देखे कि गाड़ी के अंदर से सड़क पर खून बह रहा है और गाड़ी का शीशा लॉक है। उसके अंदर कुछ लोग छटपटा रहे हैं। जैसे-तैसे गाड़ी के दरवाजे को तोड़ा गया और अंदर से सभी को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 14 संदिग्ध आतंकियों को दबोचा

अलकायदा के बड़े आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश

- उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान में छापेमारी के बाद मिली सफलता
- अलकायदा के इस आतंकी मॉड्यूल का नेतृत्व रांची के डॉ. इश्तियाक कर रहा था

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम ने अलकायदा के बड़े आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। देश में बड़ी आतंकी साजिश को अंजाम देने की फिराक में बैठे अलकायदा के 14 संदिग्ध आतंकियों को पुलिस ने दबोचा है। इसको लेकर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी, झारखंड और राजस्थान में छापेमारी की थी। इसके बाद पुलिस ने भिवाड़ी, रांची और अलीगढ़ से इन 14 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने इनके पास से हथियार भी बरामद किए हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को इन सभी संदिग्ध आतंकियों के खिलाफ इनपुट मिला था। इसके बाद पुलिस ने अन्य यूपी, राजस्थान और झारखंड में एटीएस के साथ मिलकर कई शहरों में छापेमारी की, जिसमें कुल 14 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने यूपी, झारखंड और राजस्थान में कुल 15 जगहों पर छापेमारी की, जिसमें भिवाड़ी, रांची और अलीगढ़ से 14 संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया गया। अलकायदा के इस आतंकी मॉड्यूल का नेतृत्व रांची के डॉ. इश्तियाक कर रहे थे। वह देश में बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में जुटा था। मॉड्यूल के सदस्यों को अलग-अलग स्थानों पर हथियार चलाने की ट्रेनिंग भी दी गई थी।

पुलिस और खुफिया एजेंसियां पकड़े गए इन सभी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास भी किया जा रहा है। इसके अलावा कई स्थानों पर सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने इनके पास से हथियार, गोला-बारूद समेत कई अन्य दस्तावेज बरामद की गए हैं।

श्याम रजक ने राजद से तोड़ा नाता पार्टी पर धोखा देने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/पटना

राजद के वरिष्ठ नेता और पार्टी के महासचिव श्याम रजक ने गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफा पत्र में श्याम रजक ने अपना दर्द भी बयां किया है। इस्तीफे के पत्र में श्याम रजक ने पार्टी पर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने शायराना अंदाज में अपना दर्द लिखा कि मैं शतरंज का शौकीन नहीं था, इसलिए धोखा खा गया। आप मोहरे चल रहे थे, मैं रिश्तेदारी निभा रहा था। खबरें हैं कि जल्द ही श्याम रजक एक बार फिर से जेडीयू में शामिल होंगे।

पूर्व विधायक ने इस्तीफा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के नाम सौंपा है। हाल ही में आरजेडी ने मनोज झा को दोबारा राज्यसभा सदस्य के रूप में चुना और संसद भेज दिया। वहीं, धोबी समाज से मुन्नी रजक को विधानपरिषद भेज दिया। बस यहीं श्याम रजक और आरजेडी की बीच दूरी पैदा हो गई। चर्चा है कि श्याम रजक को आरजेडी ने आश्वासन दिया था कि उन्हें विधान परिषद भेजेगी, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए जल्द समिति बनाएगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

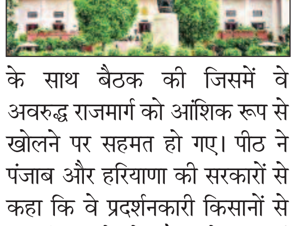

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह किसानों की शिकायतों का ह्यहमेशा के लिएह्न सौहार्दपूर्ण समाधान करने के लिए जल्द ही एक बहु सदस्यीय समिति का गठन करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए दो सितंबर की तारीख मुकर्रर की। पंजाब सरकार ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि 12 अगस्त के आदेश का पालन करते हुए उसने प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक की जिसमें वे अवरुद्ध राजमार्ग को आंशिक रूप से खोलने पर सहमत हो गए। पीठ ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों से कहा कि वे प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत करते रहें और उन्हें राजमार्ग से अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियां हटाने के लिए राजी करें।

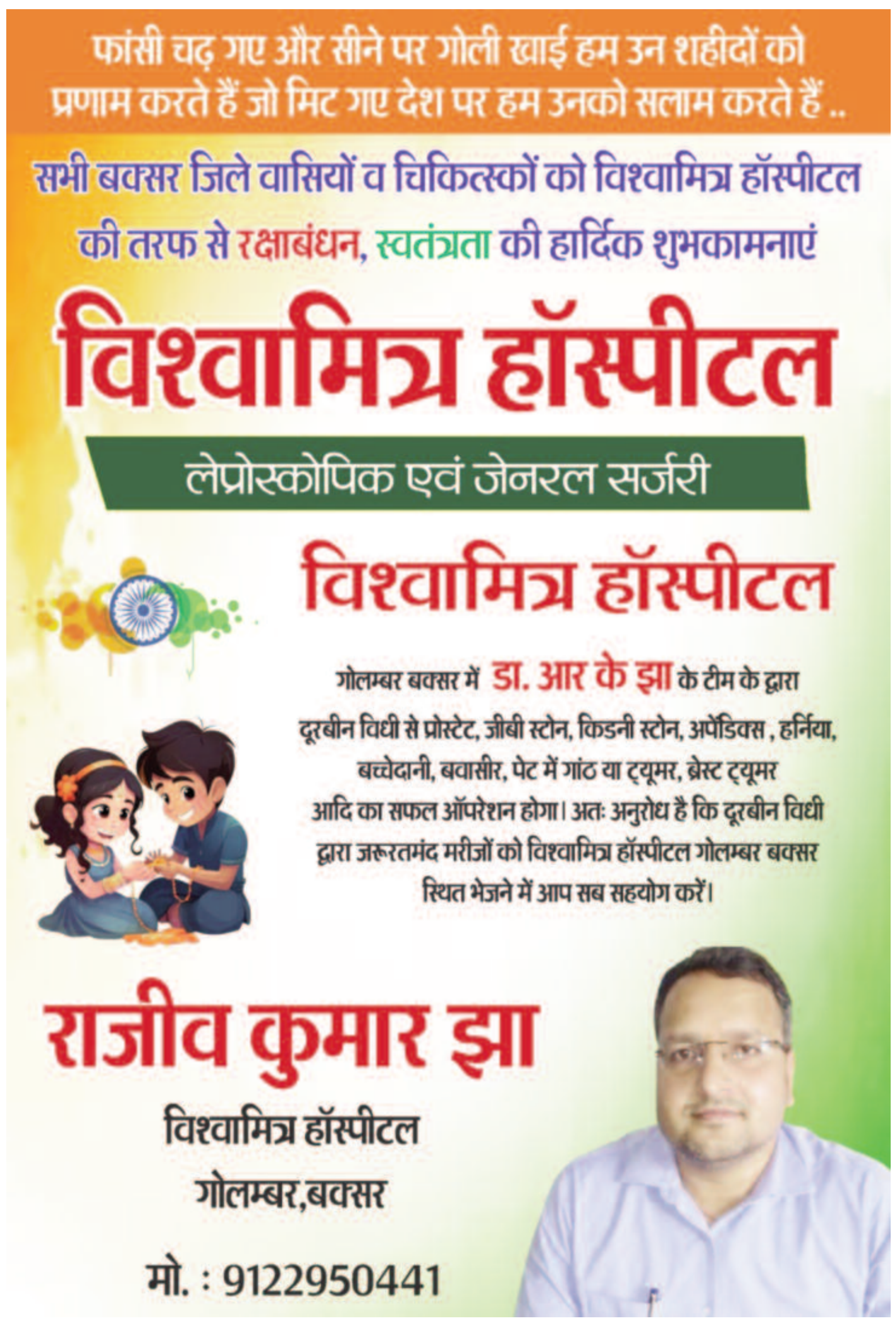

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण
बिहार
बक्सर, 23 अगस्त 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

टीआरई-1 के रिजल्ट को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई, सरकार से मांगा जवाब

- हाईकोर्ट ने बिहार सरकार और बीपीएससी से मांगा जवाब
- प्रथम चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के परिणाम और पूरक परिणाम रद्द करने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई

केटी न्यूज/पटना

पटना हाई कोर्ट में गुरुवार को राज्य के 8 हजार से अधिक कंप्यूटर साइंस उच्च माध्यमिक शिक्षकों की बहाली के लिए बीपीएससी द्वारा ली गई प्रथम चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के परिणाम और पूरक परिणाम को रद्द करने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पटना कोर्ट ने बिहार सरकार और बीपीएससी से जवाब तलब किया है। पटना हाई कोर्ट के जस्टिस अंजनी कुमार शरण की पीठ ने रीट याचिका पर सुनवाई करते हुए बिहार सरकार और बीपीएससी को जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का वक्त दिया है। इस चार सप्ताह के अंदर सरकार व बीपीएससी को इसका जवाब कोर्ट को उपलब्ध करा देना है। जवाब आने के बाद पटना हाई कोर्ट इस संबंध में आगे का निर्णय लेगा। याचिकाकर्ता विजय शंकर

तिवारी के वकील ने कोर्ट को बताया कि टीआरई वन के लिए 30 मई 2023 को विज्ञापन निकाला गया था, जिसमें 900 से अधिक अभ्यर्थियों का चयन किया गया। याचिकाकर्ता का आरोप है कि परिणाम में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी है। किसी भी हाल में बड़ी संख्या में EWS सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सीरियल अनरिजर्व सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सीरियल से कम नहीं हो सकती है। इस कारण कई अभ्यर्थी परीक्षा पास करने में असफल हो गये थे। विज्ञापन की अंतिम तिथि के बाद कई अभ्यर्थियों ने योग्यता हासिल की। बीपीएससी ने अभ्यर्थियों को 18 से 30 अक्टूबर 2023 तक कागजात अपलोड करने का समय दिया ताकि दस्तावेजों की सही एवं सुपाठ्य कॉपियों को आगे अपलोड किया जा सके, जो सत्यापन के दौरान उपयुक्त नहीं मिले। जिसका लाभ उठाते हुए अयोग्य सफल उम्मीदवारों ने गलत तरीके से शिक्षक बहाली परीक्षा के अभ्यर्थियों की कट ऑफ तिथि के बाद घोषित एसटीईटी 2023 का परिणाम अपलोड कर दिया। जिसके कारण योग्य अभ्यर्थी, जिनकी योग्यता 22 जुलाई 2023 के पहले पूर्ण थी, उनका चयन नहीं हो सका। इस मामले पर अगली सुनवाई चार हफ्ते के बाद होगी। विदित हो कि वर्तमान में टीआरई-03 की परीक्षा चल रही है। इसके लेकर अभ्यर्थी अपनी तैयारी में लगे हुए है। ऐसे में यह फैसला आने से उनकी समस्या का समाधान होने की संभावना है।

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहे चार शिक्षकों पर दर्ज हुई प्राथमिकी

केटी न्यूज/ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में निगरानी की लगातार हो रही कार्रवाई से फर्जी शिक्षकों में फिर से हड़कंप मच गया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर निगरानी के द्वारा फर्जी शिक्षकों की जांच के दौरान बंजरिया में चार और नए शिक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। निगरानी के जांच में इसके पहले भी कई शिक्षकों पर बंजरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। आज निगरानी के आवेदन पर बंजरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा में पदस्थापित शिक्षिका इकरा फातिमा, मध्य विद्यालय जटवा उर्दू में पदस्थापित नईमा परवीन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिसवानिया उर्दू की शिक्षिका साबरा खातून और उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा में पदस्थापित शिक्षक मो ज्याऊदीन के ऊपर प्राथमिकी हेतु आवेदन दिया है। इस संदर्भ में पूछने पर थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि निगरानी के द्वारा दिए गए आवेदन पर इन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्राथमिकी के आधार पर जांच की जा रही है। बता दें कि हाईकोर्ट के आदेश पर निगरानी के द्वारा फर्जी शिक्षकों की जांच की जा रही है।

जनता विभिन्न कार्यालय का नहीं लगाए चक्कर, इसे देख नीतीश सरकार लायी योजना

पंचायत सरकार भवन में जमीन, किसानी व योजनाओं की समस्या का होगा निदान

केटी न्यूज/पटना

ग्रामीण स्तर पर आम जनता को हर तरह की सहुलियत मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंचायत सरकार भवन की योजना बनाई है। बिहार में पहले ग्रामीणों और किसानों को हर छोटे-बड़े काम के लिए प्रखंड कार्यालय और जिला मुख्यालय में दौड़-भाग करनी पड़ती थी, लेकिन अब नीतीश सरकार गांव के आम लोगों को इस चक्कर काटने की समस्या से मुक्ति दिला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंचायत सरकार भवन के जरिए लोगों को ग्राम पंचायत में ही सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। सरकार का मकसद है कि पंचायत सरकार भवन आपका अधिकार, आपके द्वार। हर पंचायत में जब ये भवन बन कर तैयार हो जाएगा तो खासकर खेती-किसानी और जमीन से जुड़े मामलों और योजनाओं को लेकर किसानों को प्रखंड या जिला

मुख्यालय में किसी कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। इससे गांव के लोगों को लालफीताशाही से तो मुक्ति मिलेगी और इससे उनके समय एवं पैसों की भी बचत होगी।बिहार सरकार के मुताबिक राज्य में अब तक 1465 पंचायत सरकार भवन बनाए जा चुके हैं। यहां अलग-अलग कृषि योजनाओं से जुड़े काम, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और कई प्रकार की पेंशन से जुड़े काम होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांवों के विकास के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अगर पंचायत स्तर पर ही सारे सरकारी काम करवाने की सुविधा दे दी जाए तो गांव के लोगों को लालफीताशाही से मुक्ति मिल जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार की तर्ज पर पंचायत सरकार योजना की शुरूआत की है।बिहार में हर पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जाएगा। इसमें लोगों को जो सुविधाएं दी जाएंगी, इससे उनका जीवन आसान होगा।

नीतीश ने मुजफ्फरपुर-हाजीपुर फोरलेन निमार्णाधीन बाईपास का किया निरीक्षण, अधिकारियों के दिये निर्देश

पटना। सूबे के मुखिया नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर-हाजीपुर फोरलेन के निमार्णाधीन बाईपास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात सीएम ने परियोजना कार्य की समीक्षा की। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सीएम को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फोरलेन के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में ही मुजफ्फरपुर-हाजीपुर बाईपास के निर्माण का फैसला लिया गया था, लेकिन जमीन अधिग्रहण सहित अन्य समस्याओं के कारण वर्ष 2012 से इस पर काम शुरू हुआ। इस फोरलेन के बचे हुए निर्माण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करा लिया जाएगा।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में लगभग 17 किलोमीटर बाईपास के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने में काफी कम समय लगेगा। साथ ही पटना-मुजफ्फरपुर को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के फोरलेन की भी कनेक्टिविटी मिलेगी।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सकरी-सरैया में निमार्णाधीन तुर्की थाना भवन का निरीक्षण किया। तुर्की थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 15.03 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फरपुर के मॉडल थाना भवन जजुआर, मॉडल थाना भवन हत्था एवं एससी एसटी विशेष थाना भवन का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही 32.76 करोड़ रुपये की लागत से 6 थाना भवन सहित 7 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया। तुर्की थाना, कथैया थाना, रामपुर हरि थाना, पानापुर थाना, मुजफ्फरपुर महिला थाना, बेनीबाद थाना तथा बेला थाना में ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर पॉवर प्लांट का भी शिलान्यास किया।

चार पुलिसकर्मियों को पीट-पीट कर किया जख्मी, शराब के लिए छापेमारी करने पहुंची थी टीम

केटी न्यूज/ बेतिया

बेतिया में गुरुवार को उत्पाद विभाग की टीम गुप्त सूचना के आधार पर शिवराजपुर गांव में शराब माफियाओं के घर पर छापेमारी करने गई। जैसे ही शराब माफियाओं के घर पर पुलिस की टीम पहुंची, वैसे ही शराब माफिया और उसके समर्थकों ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। दोनों तरफ से घंटों मारपीट होती रही। इस हमले में एक दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते हैं मौके पर पहुंची नौतन पुलिस ने आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया ले गई। जहां सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। आरोपी के साथ साथ सभी गांव वाले घर छोड़कर फरार है। गांव मे सन्नाटा पसरा हुआ है।उत्पाद विभाग अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम शिवराजपुर गांव में छापेमारी करने गई थी। उसी दौरान शराब तस्कर और उसके समर्थकों ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया, जिसमें चार पुलिसकर्मी कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों का इलाज जीएमसीएच बेतिया में चल रहा है। उन्होंने बताया की किसी भी सूरत में आरोपियों को नहीं बक्शा जायेगा। बहुत ही जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। विदित हो कि पिछले कुछ दिनों से पुलिस पर हमले हो रहे है।

दो बच्चों के साथ महिला ने आहर में कूदकर दे दी जान, पारिवारिक विवाद के कारण उजड़ गया परिवार

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आ रही है। एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ आहर में कूद कर खुदकुशी कर ली है। घटना रोहतास जिले के नौहट्टा थाना अंतर्गत निमिया टीकर गांव की है। मृतकों की पहचान संजय चौहान की 26 वर्षीय पत्नी आशा देवी, उसके 6 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार और 4 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई। परिजनों का कहना है कि बुधवार की रात्रि आशा देवी पति संजय चौहान खाना-पीना खाकर घर में सो गए उसके बाद संजय चौहान की पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ आहर में कूद कर अपने और बच्चों सहित खुदकुशी कर ली है। सुबह होने पर तीनों की डेडबॉडी को ग्रामीणों ने आहर में देखा इसके बाद तीनों के

शवों को आहर से बाहर निकाला और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची नौहट्टा थाने की पुलिस ने मृतकों की डेडबॉडी का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। और मामले की तफ्तीश कर रही है। वहीं मृत महिला के पति संजय चौहान पत्नी और दोनों बच्चों के शव को देखकर बेसुध हो गए।

ग्रामीणों द्वारा पारिवारिक विवाद के कारण महिला ने अपने बच्चों के साथ खुदकुशी करने की बात कही जा रही है। वहीं मृतका के पति संजय चौहान फिलहाल कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। जल्द ही पुलिस नतीजें पर पहुंचेगी। इसमें जो भी दोषी होंगे। उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

चोरी के बड़े मामले का खुलासा, चार चोर गिरफ्तार

दाउदनगर। दाउदनगर के एसडीपीओ कुमार ऋषिराज ने बताया कि 20 अगस्त की रात हसपुरा के चौराही रोड में एक बर्तन दुकान और दुकानदार के दुकान के उपर घर में पीछे के रास्ते से घुसकर अज्ञात चोरों ने गोदरेज और आलमीरा तोड़कर 22 लाख की नगदी और सोने-चांदी के जेवरात की चोरी की थी। मामले में पीड़ित दुकानदार के बयान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा-331(4) एवं 305 के तहत प्राथमिकी संख्या-234/24दर्ज कर हसपुरा पुलिस त्वरित अनुसंधान में लगी थी। इस बीच चोरों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए सामानों की बरामदगी को लेकर उनके निर्देश पर हसपुरा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों की एक टीम गठित की गई। खुफिया इनपुट के आधार पर चार चोरों को गिरफ्तार कर लिया।

जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति पर चर्चा

बिहार में पिछले 50 सालों में 0.8 डिग्री बढ़ा तापमान

केटी न्यूज/पटना

छपरा समाहरणालय में गुरुवार को कार्बन न्यूट्रल राज्य बनाने की दिशा में बिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति' के क्रियान्वयन संबंधित क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत प्रमंडलीय स्तर प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रियंका रानी, उप-विकास आयुक्त, सारण द्वारा की गई।

कयूम अंसारी, डायरेक्टर, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, सारण ने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव वार्षिक बाढ़, सूखा और अत्यधिक तापमान में वृद्धि, इत्यादि के रूप में देखे जा रहें हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए बिहार 2070 तक कार्बन न्यूट्रल राज्य बनने के लिए प्रयासरत है। राम सुंदर एम, सारण वन प्रमंडल पदाधिकारी ने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य जिला स्तरीय अधिकारियों

और विषय विशेषज्ञों के बीच संवाद स्थापित करना है, ताकि विकास को जलवायु-अनुकूल बनाने के लिए नवीन विचार प्राप्त किए जा सके और चुनौतियों की पहचान की जा सके। मणि भूषण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के लिए बिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति के तहत ऊर्जा, परिवहन, अपशिष्ट, भवन, उद्योग, कृषि, वन सहित आपदा प्रबंधन, जल और मानव स्वास्थ्य क्षेत्रों में शमन और अनुकूलन गतिविधियां निर्धारित की हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 04 मार्च 2024 को इस रिपोर्ट का विमोचन किया था। डॉ शशिधर ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में पिछले 50 सालों में तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है और 2030 तक तापमान में 0.8- 1.3 डिग्री सेल्सियस, 2050 तक 1.4- 1.7 डिग्री सेल्सियस और 2070 तक 1.8-2.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन अनुकूलन उपायों के बारे में बताते हुए उन्होंने फसल एवं कृषि प्रणाली में विविधता, सतही और भूजल का एकीकृत प्रबंधन, वन पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्जनन, निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की रणनीति पर चर्चा की।

डब्लू.आर.आई. इंडिया के रौशन मिश्रा ने प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में दीर्घकालिक मौसम संबंधी जानकारी को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार की वार्षिक आकाशीय बिजली से संबंधित रिपोर्ट के अनुसार, बिहार आकाशीय बिजली से होने वाली मौतों के मामले में तीसरे स्थान पर है, जबकि आकाशीय बिजली की आवृत्ति के मामले में यह दसवें स्थान पर है। उत्तर-पश्चिम बिहार (शिवहर, बांका, कैमूर और किशनगंज जिले) विशेष रूप से संवेदनशील हैं। राजेंद्र कॉलेज, छपरा के भूगोल के सहायक प्रोफेसर अनुपम कुमार सिंह ने विशेषज्ञ के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के पीछे मानवीय गतिविधियां सबसे बड़े कारण हैं। उन्होंने कहा कि सिवान, गोपालगंज और सारण उत्तर बिहार के सबसे संवेदनशील जिलों में शामिल हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सभी करें दवाओं का सेवन, बक्सर को बनाएं फाइलेरिया मुक्तः जिला जज

♦ जिला जज समेत अन्य जजों और एसोसिएशन के सदस्यों ने खाई फाइलेरिया रोधी दवाएं

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए), 2024 का संचालन पूरे जिले में किया जा रहा है। इस अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह की अध्यक्षता में अन्य न्यायाधीशों के साथ एसोसिएशन के सदस्यों ने गुरुवार को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन किया। इस दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देव राज, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार, बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बबन ओझा व बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी पप्पू पाण्डेय ने भी दवाओं का सेवन किया। इस दौरान माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने सभी न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं से फाइलेरिया रोधी दवाओं का अनिवार्य रूप से सेवन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया जैसी भयावह बीमारी से बचने के लिए हम सभी को स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करना होगा। ताकि, हर कोई इस अभियान के दौरान दवाओं का सेवन कर बक्सर जिला समेत पूरे राज्य को फाइलेरिया से मुक्त बना सके।

फाइलेरिया की दवा का सेवन सभी लोगों के लिए लाभप्रद : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया एक दीर्घकालिक बीमारी है। कभी-कभी फाइलेरिया के परजीवी शरीर में होने के बाद भी इसके लक्षण सामने आने में वर्षों लग जाता है। इसलिए फाइलेरिया की दवा का सेवन सभी लोगों के लिए लाभप्रद है। फाइलेरिया से मुक्ति के लिए दो तरह की दवा यथा डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह दवाएं दो साल से कम उम्र के बच्चे, गंभीर रोग से ग्रसित एवं गर्भवती महिला को नहीं खिलाई जा रही है। उम्र और लंबाई के हिसाब से लाभुकों को दवाओं का सेवन कराया जा रहा है। इसमें एक बात का ध्यान रखना है कि खाली पेट इन दवाओं का सेवन नहीं करना है। मौके पर न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं के साथ सदर बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह, पीसीआई के जिला प्रतिनिधि रामजन्म सिंह, पीरामल के जिला प्रतिनिधि अविकल्प मिश्र व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

इस बीमारी को कोई इलाज नहीं है

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि फाइलेरिया क्यूलेक्स नामक मच्छर के काटने से फैलता है। आमतौर पर बचपन में होने वाला यह संक्रमण प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। फाइलेरिया से जुड़ी विकलांगता जैसे पैरों में सूजन एवं की थैली में सूजन के कारण मरीज को इसके कारण आजीविका एवं काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। यह पैरों के साथ हाथ, पुरुषों में हाइड्रोसील और महिलाओं के स्तन को भी प्रभावित करता है। इस बीमारी को कोई इलाज नहीं है। हम केवल फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर ही इस बीमारी से बच सकते हैं।

एक नजर

सामाजिक कार्यकर्ता रामजी सिंह ने बक्सर नगर परिषद पर लूट खसोट का लगाया आरोप

बक्सर। बक्सर के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह ने बक्सर नगर परिषद प्रशासन पर लूट खसोट का गंभी आरोप लगाया है। उन्होंने डीएम अंशुल अग्रवाल को पत्र लिख इसकी जांच कराने की मांग की है और बताया है कि बक्सर नगर परिषद द्वारा घर का नक्शा पास कराने, होल्डिंग टैक्स जमा तथा योजनाओं में भारी कमीशन का खुला खेल चल रहा है।

योजनाओं में पड़े पैमाने पर कमीशन का असर गुणवत्ता पर पड़ रहा है। डीएम को दिए पत्र में रामजी ने बताया है कि योजनाओं में 35 से 40 प्रतिशत तक कमीशन लिया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि तीन महीना पहले बनी सड़क पर गिट्टी दिखाई पड़ने लगी है। उन्होंने पत्र में बताया है कि नगर परिषद के कमीशनखोरों ने लोक आस्था के महापर्व छठ को भी नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि कमीशन के इस खेल में नगर परिषद के कर्मी से लेकर ईओ तक शामिल है तथा मेरे पास इसका पुख्ता प्रमाण मौजूद है। उन्होंने डीएम से इसकी निष्पक्ष जांच करा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है और बताया है कि यदि निष्पक्ष जांच हुई तो कई लोगों की कलई खुल सकती है।

सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर आधारित त्रैमासिक ई-पत्रिका का विमोचन

बक्सर। विद्या भारती दक्षिण बिहार की त्रैमासिक ई -पत्रिका भारती का गुरूवार को ऑनलाइन विमोचन किया गया। विमोचन को लेकर विद्या भारती के अधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें मुख्य अतिथि विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम एवं भारती शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने संयुक्त रूप त्रैमासिक ई पत्रिका भारती का ऑनलाइन विमोचन किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि यह पत्रिका मूल रूप से दक्षिण बिहार में विद्या भारती के तहत संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों में होने वाली विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों पर आधारित है, इसके लिए उन्होंने दक्षिण बिहार में चलने वाले सभी शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों के प्रधानाचार्यो, आचार्यों एवं प्रचार विभाग से जुड़े कार्यकताओं से विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को संकलन करने को लेकर अपील की। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका समाजोपयोगी एवं छात्रोपयोगी होगी। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए प्रदेश सचिव ने कहा कि साहित्य और संस्कृति हमारी पहचान है और इसका सम्मान करना चाहिए। यह पत्रिका साहित्य और संस्कृति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में संपन्न विभिन्न कार्यक्रमों को संग्रहित कर संकलन किया गया है। उन्होंने इस पत्रिका को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। बैठक का संचालन प्रधानाचार्य सुमंत कुमार ने जबकि आभार ज्ञापन पत्रिका के संपादक उमाशंकर पोद्दार ने की। इस बैठक में संपादक मंडल की टीम, दक्षिण बिहार के पूर्णकालिक कार्यकर्ता, विभिन्न शिशु मंदिरों व विद्या मंदिरों के प्रधानाचार्य एवं प्रचार विभाग से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सदर प्रखंड के नये शिक्षा पदाधिकारी बने राजेश राम, ग्रहण किया पदभार

बक्सर। बक्सर सदर प्रखंड के नये बीईओ राजेश राम बने है। गुरूवार को उन्होंने पूर्व बीईओ से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी मो. शारिक अशरफ मौजूद थे। डीईओ ने नये बीईओ को माला पहना स्वागत किया तथा उम्मीद जताया कि वे अपने दायित्वों तथा विभागीय कार्यों का बखूबी निर्वहन करेंगे। बता दें कि वे इसके पहले केसठ प्रखंड के बीईओ थे। अपने संबोधन में नये बीईओ ने कहा

कि शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन करने तथा विभागीय निदेर्शों का पालन कराने का हर संभव प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने निर्धारित समय पर विद्यालय में उपस्थित रहने को लेकर शिक्षकों से अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को भी दूर किया जाएगा। मौके पर मेराज अहमद, सुनील केसरी, अवनीश पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

खबरें फटाफट

बिजली चोरी करते दो धराये, केस दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के स्थानीय शहर में बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिजली चोरी रोकने को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व विद्युत आपूर्ति प्रशाखा डुमरांव के कनीय विद्युत अभियंता मनीष कुमार ठाकुर ने किया। इस दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने दो उपभोक्ताओं को अलग-अलग मोहल्ले से अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा तथा उन पर जुर्माना लगाते हुए स्थानीय थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराया है। इस दौरान दोनों उपभोक्ताओं पर कुल 16050 रुपये का जुर्माना लगाया गया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि इन उपभोक्ताओं पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामले को दर्ज किया गया हैं।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने मारपीट के एक आरोपी को नेनुआ गांव से गिरफ्तार किया हैं। आरोपी साफाखाना रोड स्थित नहर के पास का रहने वाला रामबदन कुम्हार के पुत्र सुनील कुम्हार बताया जाता हैं। डुमरांव पुलिस ने बताया कि आरोपी मारपीट के मामले में नामजद अभियुक्त हैं। जिसकी गिरफ्तारी के बाद कागजी कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया।

मुखिया व उप मुखिया के बीच विवाद गहराया

सिमरी। स्थानीय प्रखंड के पड़री पंचायत के मुखिया दीप नारायण सिंह व उप मुखिया दिनेश तिवारी के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक दूसरे पर योजनाओं में धांधली तथा अन्य गंभीर आरोप के बाद अब मामला मारपीटर तक पहुंच गया है। उप मुखिया दिनेश ने स्थानीय थाने में आवेदन दे जहां मुखिया पर गाली गलौज करने का आरोप लगाया है वही उनके पुत्रों तथा अन्य आधा दर्जन अज्ञात पर मारपीट की नियत से पीछा करने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गई है। बता दें कि मुखिया और उप मुखिया के बीच जारी विवाद का असर पंचायत की विकास योजनाओं पर पड़ रहा है। जिससे पंचायत की आम जनता में गहरी नाराजगी है।

डीएम ने सदर अस्पताल में किया जीविका द्वारा वस्त्र धुलाई व सफाई अभियान की शुरूआत

अब मरीजों को मिलेगा स्वच्छ वस्त्र जीविका के जिम्मे अस्पताल की सफाई

♦ सदर व डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में मरीजों के वस्त्र के अलावे जीविका दीदियां करेंगी अस्पताल परिसर की साफ-सफाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सदर अस्पताल में जीविका दीदी के द्वारा साफ-सफाई एवं वस्त्र धुलाई का कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि 13 फरवरी 2023 को राज्य स्वास्थ्य समिति एवं जीविका के बीच अनुबंध के तहत बिहार राज्य के 38 जिलों में सदर, जिला अस्पताल एवं अनुमंडल अस्पताल में अंतवासी मरीजों के लिए वस्त्र की धुलाई एवं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई का कार्य जीविका दीदियों द्वारा कराने का निर्णय लिया गया है। जिसमें सभी जीविका दीदियों को देखभाल एवं पदस्थापन संकुल स्तरीय संघ के द्वारा किया जाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि जीविका एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से अपस्ताल में आने वाले मरीजों के लिए साफ-सफाई एवं धुलाई की बेहतर सेवा प्रदान करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वस्त्र धुलाई के लिए दो जीविका दीदियों एवं एक पुरूष को पदस्थापित किया गया है। इनके कार्यों के पर्यवेक्षण के लिए संकुल संघ को नामित किया गया है। माह अगस्त में अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में भी इसकी शुरूआत कर दी जायेगी। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पाल, सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा, डीपीएम मनीष कुमार एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

दीदी की रसोई का बखूबी संचालन कर रहा है जीविका समूह : बता दें कि सदर व अनुमंडल अस्पताल में जीविका दीदियों द्वारा पहले से दीदी की रसोई का बखूबी संचालन किया जा रहा है। इन अस्पतालों में मरीजों के अलावे स्वास्थ्य कर्मियों तथा अन्य लोगों ने इस रसोई की सराहना की है। जीविका द्वारा संचालित दीदी की रसोई के सफल संचालन के बाद ही राज्य स्वास्थ्य समिति ने उनकी जिम्मेवारी को बढ़ाते हुए अब संपूर्ण सफाई का जिम्मा भी सौंपा है। उम्मीद है कि जीविका द्वारा इस काम को भी सफलतापूर्वक पूरा किया जाएगा।

सदर अस्पताल में 42 जीविका दीदियां होंगी प्रतिनियुक्त

इस कार्य के सफल संचालन के लिए संकुल संघ ने 42 जीविका दीदियों को अस्पताल की साफ-सफाई के लिए प्रतिनियुक्त करने करने का निर्णय लिया है। जिसमें जीविका दीदियों को रोस्टर के अनुसार तीन शिफ्ट में काम करना है। शिफ्ट का बंटवारा सुबह छह बजे से दिन के दो बजे तक, फिर दो बजे से रात्रि नौ बजे तक एवं रात्रि नौ बजे से सुबह छह बजे तक किया गया है। सभी शिफ्टों में वस्त्र धुलाई व सफाई के लिए जीविका दीदियों की संख्या में निर्धारित की गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राउंड फ्लोर पर 11 दीदी, प्रथम तल के लिए नौ दीदी, द्वितीय तल पर 10 दीदी, तृतीय तल पर 10 दीदी, लेवर रूम के लिए रिर्जव दीदी, एसएनसीयू के लिए तीन दीदी एवं आपातकालीन सेवा के लिए एक जीविका दीदी अपने निर्धारित समय सारणी के अनुसार कार्य करेंगी।

परिसर एवं कार्यालय की साफ सफाई भी करेंगी जीविका दीदियां

जीविका दीदियों द्वारा मरीजों के वस्त्र के अलावे पूरे अस्पताल परिसर एवं कार्यालय की साफ-सफाई किया जायेगा। इसकी निगरानी संकुल संघ के अलावे अस्पताल प्रबंधन द्वारा की जाएगी। डीएम ने इस मौके पर कहा कि अस्पताल में स्वच्छता का विशेष महत्व है। इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जीविका दीदियों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सिविल सर्जन एवं डीपीएम कार्यालय के लिए एक-एक जीविका दीदियों को पदस्थापित किया गया है। गॉर्डेन एवं ड्रेनिंग के लिए दो-दो जीविका दीदियों को पदस्थापित किया गया है। साथ में अस्पताल के परिसर के साफ-सफाई की भी जिम्मेदारी दिया गया है। सभी जीविका दीदियां अपने रोस्टर के अनुसार अपने जिम्मेवारी का निर्वहन अच्छे से करेंगी।

आउटसोर्सिंग से सफाई में मिली थी खामियां

बता दें कि इसके पहले अस्पतालों में आउटसोर्सिंग के तहत सफाई करवाया जाता था। जिसमें कई खामियां देखने को मिली थी। अक्सर कार्य एजेंसी सफाई के प्रति लापरवाह रवैया अपनाती थी। जिससे अस्पतालों में गंदगी पसरी रहती थी। वही, डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कार्य एजेंसी द्वारा मानक से कम मजदूरों को रख उनके नाम पर पैसे की निकासी, महिला सफाईकर्मियों से दुर्व्यवहार का मामला भी सामने आया था। वही, अब जीविका समूह द्वारा मरीजों के कपड़े धोने से लेकर सफाई व्यवस्था की कमान संभाले जाने से यह उम्मीद जताया जा रहा है कि अस्पतालों की सफाई अब पहले से दुरूस्त होगी तथा मरीजों को भी साफ कपड़ा पहनने को मिलेगा।

दहेज के लालच में पहली पत्नी के रहते फर्जी दारोगा बन दूसरी शादी रचाने वाला गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

पत्नी व बच्चा के रहते दहेज में मोटी रकम के लालच में एक युवक ने फर्जी दारोगा बन दूसरी शादी रचा ली। उसने शादी के लिए लड़की वालों से 40 लाख रूपए बतौर दहेज भी लिया। लड़की वालों को झांसा में लेने के लिए उसने शादी से पूर्व बिहार पुलिस का दरोगा की वर्दी पहने फोटो व शाहाबाद रेंज के डीआईजी का एक फर्जी पत्र के अलावा अवर सेवा चयन पर्षद द्वारा जारी सफल उम्मीदवारों की फर्जी लिस्ट भी दिखाया। इसकी जानकारी

होने के बाद शाहाबाद रेंज के डीआईजी के निर्देश पर उसके खिलाफ मुफस्सिल थाने में एफआईआर दर्ज हुआ। इसके बाद मुफस्सिल पुलिस ने पटना के दानापुर से उसे गिरफ्तार जेल भेज दिया।

मामला इसी वर्ष के जनवरी माह का है। जहा मुफस्सिल थाना के कमरपुर गांव निवासी इंद्रदेव राय का पुत्र अमित कुमार राय पहली पत्नी के रहते रुपयों के लालच में फर्जी दरोगा बन बेगूसराय के तेघड़ा की रहने वाली मौसमी राज से बकायदा हिंदू रीति-रिवाज के साथ शादी कर ली। इस शादी में 40 लाख रुपये दहेज के रूप में ली थी। शादी से पूर्व वह अपने को बिहार पुलिस का दारोगा बताया था। लेकिन, शादी कुछ दिनों बाद ही उसके हरकतों पर मौसमी को शक हुआ। इसके बाद उसने अपने परिजनों के सहयोग से शादी के पहले अमित द्वारा दी गई फोटो व अन्य कागजातों को सत्यापन के लिए शाहाबाद रेंज के डीआईजी को भेजा गया। जहा उक्त पत्र का सत्यापन डीआईजी कार्यालय से कराते ही फजीर्वाड़ा सामने आ गया। मामला संज्ञान में आते ही डीआईजी ने फर्जी दरोगा अमित के खिलाफ मुफस्सिल बक्सर को प्रतिवेदन भेज पुलिस को केस दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस केस दर्ज कर तब से उसकी तलाश कर रही थी। आठ माह बाद पुलिस को सूचना मिली कि उक्त फर्जी दरोगा दानापुर में रह रहा है। सूचना पर पुलिस पहुंच उसको गिरफ्तार कर मुफस्सिल थाने लायी।

विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव ने बैंक, श्रम व बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

लोक अदालत में 2000 वादों के निपटारे का लक्ष्यः सचिव

♦ 14 सितंबर को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत, तैयारी शुरू

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निदेर्शानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 सितंबर 2024 को विधिक सेवा सदन एवं व्यवहार न्यायालय, बक्सर में किया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नेहा दयाल प्रतिदिन सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक कर रही है। इसी के

तहत गुरूवार को जिले के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों, श्रम विभाग, बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने अपने प्रकोष्ठ में एक बैठक आहूत की। जिसमें लगभग दो हजार मामलों के निपटारे सुलह-समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करवाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को सक्रिय भूमिका निभानी है।

बैठक में उन्होंने कहा कि सभी न्यायालय से आए हुए सुलहनिए वादों की सूची के आधार पर बनाए गए दोनों पक्षकारों के नोटिस को सभी थानाध्यक्षों को दिया जाएगा। इस नोटिस के माध्यम से वें निजी तौर पर इन सभी नोटिस को पक्षकारों तक पहुंचाने का काम करें। साथ ही पक्षकारों तक पहुंचने वाले व्यक्ति को न्यायालय में आकर अपने वाद को सुलह करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें यह बताएं कि आपके जिले में एक ऐसी अदालत भी है, जिसमें बिना किसी फीस के, वकील के आपके अपने मुकदमों का निपटारा आपसी सुलह के आधार पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत का मुख्य उदेश्य ही है सुलहनिय वादों का आपसी सहमति से निपटारा। इसमें किसी पक्ष की हार नहीं होती है।

बैठक के दौरान सचिव ने लोक अदालत की कार्य प्रणाली के बारे में भी विशेष रूप से चर्चा की तथा बताई कि लोक अदालत सुलहनिय वादों के निपटारे का सबसे सस्ता व सुलभ माध्यम है। उन्होंने इसकी सफलता के लिए व्यापक प्रचार प्रसार की बातें कही। उन्होंने बताया कि बैंकों में लंबित सर्टिफिकेट केस, बिजली विभाग के बहुत से मामले जो सुलह-समझौते के आधार पर निष्पादन हो सकते हैं, वो न्यायालय में लंबित है इनके पछकारों को नोटिस के माध्यम से सूचित कर उन्होंने उन्हें विशेष रूप से आने के लिए कहा। मौके पर कार्यालय कर्मी दीपेश कुमार, सुमित कुमार एवं मनोज कुमार रवानी मौजूद थे।

बड़ी कार्रवाई: फर्जी प्रमाण पत्र पर नियुक्त दो शिक्षकों को किया गया चयनमुक्त

♦ जिला लोक शिकायत निवारण में दायर परिवादों की सुनवाई के बाद नियोजन इकाई ने किया दोनों को बर्खास्त

केटी न्यूज/बक्सर

जिला लोक शिकायत निवारण बक्सर में दायर परिवादों की सुनवाई के पश्चात अवैध प्रमाण पत्र पर नियुक्त दो शिक्षकों पर कार्रवाई करते हुये, नियोजन इकाई द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है। परिवादी यूपी के गाजीपुर जिले के टोडरपुर गांव की भगमनिया देवी द्वारा दायर परिवाद में बताया गया कि बालिक मध्य विद्यालय इटाढ़ी में पदस्थापित प्रखण्ड शिक्षक अमित कुमार द्वारा बिहार राज्य के आरक्षण के नियमों की अवहेलना कर नौकरी का लाभ लिया गया है। उनके द्वारा बक्सर जिले का अवैध रूप से आधार प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं अनुसुचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र बनवाकर एससी/एसटी का लाभ लेकर प्रखंड नियोजन इकाई इटाढ़ी में अपना नियोजन करा लिया गया है।

जबकि अमित कुमार मूलरूप से यूपी के गाजीपुर जिला अंतर्गत टोडरपुर गांव के निवासी है। प्रमाण में भगमनिया ने इस बात का जिक्र किया है कि अमित द्वारा वर्ष 2021 में उतर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अनुसुचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र का प्रयोग कर उतर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त देय लाभ राशि प्राप्त किया है। उन्होंने अपने परिवाद में इसके प्रमाण भी दिए। वर्ष 2012 में अनुचित तरीके से बिहार राज्य के बक्सर जिले से एससी/एसटी का जाति प्रमाण पत्र/निवास प्रमाण पत्र बनवाकर एससी/एसटी कोटे का लाभ प्राप्त करते हुए प्रखण्ड शिक्षक के तौर पर अपना नियोजन करा लिये।

उक्त मामले की सुनवाई के दौरान परिवादी द्वारा समर्पित साक्ष्य अभिलेख एवं अंचल अधिकारी, बक्सर से प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकनोपरांत प्रथम दृष्टया आरोप सही पाये जाने के बाद प्रखण्ड शिक्षक नियोजन इकाई इटाढ़ी द्वारा 19 अगस्त, 2024 को उन्हे सेवामुक्त करते हुये वेतनादि मद में भुगतान की गई राशि की वसूली करने एवं सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया।

वहीं, दूसरा मामला ब्रह्मपुर प्रखण्ड मध्य विद्यालय भरखर का हैं। जिसमें रोहतास की राबिया परवीन के प्रमाण पत्र पर डुमरांव की जमीला खातुन शिक्षिका बन बैठी थी। पूर्व में प्रमंडलीय आयुक्त पटना सह प्रथम अपीलीय प्राधिकार पटना द्वारा प्रखण्ड नियोजन इकाई ब्रह्मपुर को सेवामुक्त करते हुए सेवामुक्त की तिथि तक वेतन की गणना कर वसूली करने एवं प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। जिसके अनुपालन में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ब्रह्मपुर द्वारा ब्रह्मपुर थाना में आरोपी शिक्षिका जमीला खातुन के विरूद्ध प्राथिमिकी दर्ज करायी गयी है।

एक नजर

डुमरांव के ओमप्रकाश भुवन बने बिहार भाजपा के सदस्यता प्रभारी

डुमरांव। डुमरांव निवासी व बिहार भाजपा के कद्दावर नेता ओमप्रकाश भुवन को बिहार भाजपा का सदस्यता प्रभारी बनाया गया है। उनके बिहार भाजपा का सदस्यता प्रभारी बनाए जाने पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। भाजपा कार्यकताओं ने इस पुनीत कार्य के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल तथा प्रदेश संगठन मंत्री भीखू भाई दलसानिया के प्रति आभार जताया है। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि भुवन के कुशल व्यवहार व संगठन के प्रति समपर्ण की भावना से इस बार सदस्यता अभियान में नया रिकार्ड बनेगा। बता दें कि श्री भुवन छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति से जुड़े है तथा वर्तमान में वे भाजपा पंचायती राज मंच क प्रदेश संयोजक भी है। उनके पास संगठन का अपार अनुभव है। भुवन ने बताया कि इस बार बिहार में लाखों लोगों को सदस्य बनाया जाएगा। उनका फोकस अधिक से अधिक युवाओं, दलितों तथा महिलाओं को संगठन से जोड़ने का है। इसके लिए पूरे बिहार में प्रवास कर स्थानीय कार्यकताओं के साथ रणनीति बनाई जाएगी। वही, बधाई देने वालों में भाजपा लीगल सेल के प्रदेश संयोजक विंध्याचल राय, भाजयुमो के प्रांतीय नेता दीपक यादव, शक्ति राय, नीरज सिंह, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा, संटू मित्रा समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

पत्नी के हत्यारोपी पति ने किया सरेंडर, जेल

बक्सर। बक्सर कोर्ट में पत्नी के हत्या के आरोपित एक युवक ने गुरूवार को सरेंडर किया। जहां न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया। मामला नगर थाना कांड संख्या 293/ 2024 का है। जिसके नामजद अभियुक्त हिमांशु कुमार उर्फ अंकुर ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में गुरुवार को सरेंडर कर दिया। बता दें कि सिमरी थाना के केशोपुर की रहने वाली निक्की उर्फ मीनू की शादी 29 फरवरी 2024 को बक्सर प्रोफेसर कॉलोनी निवासी हिमांशु कुमार उर्फ अंकुर के साथ की हुई थी। शादी के 3 महीने बाद उसकी संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई थी। उसे फांसी पर लटका हुआ पाया गया था। इस संबंध में मृतका के पिता रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया था कि शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे तथा उसका मोबाईल भी छिन लिए थे। घटना के दिन फोन कर ससुराल पक्ष के लोगों ने सूचक को बताया था कि उनकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है, जबकि मृतिका के परिजनों ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर यह दावा किया कि उसकी हत्या की गई है।

खबरें फटाफट

छात्रा से युवक ने किया दुष्कर्म का प्रयास, प्राथमिकी दर्ज

राजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र में एक विद्यालय में पढ़ने गई छात्रा से एक युवक ने दुष्कर्म का प्रयास किया है। इस मामले में गुरुवार को युवक पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर थाने ला पूछताछ कर रही है। मामले में जानकारी देते हुए राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना दी गई कि तियरा प्लस टू उच्च विद्यालय के मुख्य द्वार पर विद्यालय में पढ़ने जा रही किशोरी के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का प्रयास और मारपीट की गई है। पूरे घटना क्रम का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि युवाओं द्वारा विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ लगातार अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगते हैं। जिसको लेकर कई बार थाना अध्यक्ष और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से गुहार लगाई जा चुकी है।

जर्जर सड़क से पानी की गहराई का नहीं चलता पता और फंस रहे हैं वाहन

हल्की बारिश के बाद स्टेशन रोड की जर्जर सड़क बनी तालाब, मरम्मत की खुली पोल

♦ पानी जमा होने से पैदल चलना भी मुश्किल, सड़क के नहीं बनाए जाने से लोगों में बढ़ रहा आक्रोश

केटी न्यूज/डुमरांव

हल्की बारिश में भी शहर की सड़क झील में तब्दील हो जा रही है। फुटपाथ पर भी पानी जमा होने के कारण बगैर पानी में प्रवेश किए लोग पैदल नहीं चल सकते हैं। बारिश होने से किसानों के चेहरे जहां खुशी से खिल उठते हैं, वहीं नगरवासियों के मुरझाने लगते हैं। इसका मुख्य कारण शहर के रोड पर जलजमाव का होना है। यह जलजमाव रेलवे स्टेशन के मिल रोड और भोजपुर जाने वाले बाइपास रोड से शुरू होकर टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल तक पूरी तरह से जर्जर और गड्ढों में तब्दिल हो चुकी है। गुरूवार को भी हल्की बारिश के बाद इस पथ पर कुछ दिन पहले हुए मरम्मत की पोल खुल गई तथा सड़क पूरी तरह से झील में तब्दील हो गया। जिससे आवागमन की मुश्किलें बढ़ गई। सड़क की इस स्थिति से वाहनों के आने-जाने में परेशानी तो होती ही है, लोगों का पैदल भी चलना मुश्किल है। यह स्थिति लगभग तीन-चार सालों से है, बावजूद नहीं इस पर कोई जनप्रतिनिधि कुछ बोलता है और नहीं कोई अधिकारी ही। इसकी खामियां को नगरवासी झेलने पर मजबूर हैं।

जबकि यह डुमरांव से बिक्रमगज, डिहरी होते हुए झारखंड, बंगाल, मध्यप्रदेश व उड़ीसा के लिए यात्री वाहन से लेकर मालवाहक वाहन तक गुजरते हैं। एन एच का रोड होने के कारण नप इसे बनाने से कतराता तो जरूर है लेकिन उभर आए गड्ढे को भरता भी नहीं की आना-जाना असान हो जाए। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता का कहना है कि नप का रोड रहता तो बन गया रहता। गड्ढा को कईबार भरा गया, लेकिन बारिश होने और बड़े वाहनों के गुजरने से मिट्टी जहां बह जाता है वहीं ईंट का टूकड़र भारी वाहनों के टायर के नीचे दबकर टूटकर बिखर जाता है। वहीं एसडीओ राकेश कुमार कहते हैं कि एनएच के अधिकारी से बात की गई तो उसका कहना है की टेंडर निकलेगा तभी रोड बनना शुरू होगा। उसके द्वारा उभर आए गड्ढे को भरने की बात कही गई है। लेकिन एक सप्ताह गुजरने के बाद भी उसके द्वारा एक टोकरी मिट्टी भी नहीं डाली गई। लिहाजा सड़क के जर्जर होने का दायरा बढ़कर जानलेवा बन गया है। कईबार ऐसा हुआ है कि उभरे गड्ढों में वाहन पलट चुके हैं, उमें बैठे सवारी अपने घर जाने के बजाय अस्पताल भेजे गए हैं। बावजूद इस पर किसी की नजर नहीं पड़ रही है। नप इन गड्ढों में राबिस, गिट्टी डालने के बजाए मिट्टी से भरता है, जिससे पानी के बहाव से मिट्टी बह जाता है और स्थिति ज्यों की त्यों बनी रह जाती है। नगर परिषद के अध्यक्ष, सदस्य व ईओ के द्वारा भी कोई पहल नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का यह आक्रोश आने वाले समय में नप के लिए सरदर्द नहीं बन जाए।

होते होते बची दुर्घटना

गुरूवार को बारिश के बाद जहां इसके मरम्मत की पोल खुल गई वही एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। जानकारी के अनुसार बारिश के बाद शाम करीब चार बजे ईदगाह से थोड़ा सड़क पर उभरे गड्ढें में यात्रियों से भरी एक ई-रिक्शा पलट गई। उसी समय उसके पीछे एक यात्री बस भी आ रही थी। यात्री बस के चालक ने ई-रिक्शा पलटते देखा तो आनन फानन में ब्रेक मार बस को रोक लिया। यदि बस सड़क पर पलटे ई-रिक्शा से टकराई होती तो यात्रियों को गंभीर चोटें आ सकती थी। कई यात्रियों की जान भी जा सकती थी। लेकिन, गनीमत रही कि बस के चालक ने अपनी सूझबूझ व तत्परता से इस हादसें को टाल दिया। इसके अलावे दोपहर बाद इस पथ पर कई ऐसी अन्य घटनाएं भी हुई। बता दें कि कुछ दिन पहले ही एसडीओ राकेश कुमार के निर्देश पर नगर परिषद ने सड़क से मोटर पंप के सहारे जलनिकासी कराया था, जबकि एनएचएआई द्वारा गड्ढों में मिट्टी, गिट्टी व रेत डाला गया था। लेकिन, उसके बाद हुई पहली बारिश ने ही इस मरम्मत की गुणवत्ता पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

कुव्यवस्था : चौगाईं गांव के मुख्य पथ पर छह माह से जमा है नाली का पानी

केटी न्यूज/चौगाईं

♦ सड़ांध से संक्रामक बीमारियों के फैलने का बना है खतरा, बाधित हो रहा है परिचालन

चौगाईं डुमरांव मार्ग पर दुर्गा स्थान होते हुए गेट नंबर-2 के पास बगेन पथ में मिलने वाली मुख्य सड़क पर पिछले छह महीने से जलजमाव हो गया है। नालियों का पानी ओवर फ्लो कर सड़क पर जाम होने से परिचालन बाधित हो रहा है। वही ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जबकि, लंबे समय से जलजमाव के कारण आस पास के इलाके में संक्रामग बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। वही, इस गंभीर समस्या से निजात दिलाने के प्रति पंचायत सरकार व प्रखंड प्रशासन उदासीन बना हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार इस पथ पर बनी नालियों के पानी का निकास अवरूद्ध हो गया है, जिस कारण जल जमाव की समस्या बनी हुई है। लंबे समय से नाली का गंदा पानी जमा होने के कारण अब दुर्गंध भी उठने लगा है। जिससे लोगों को अपने घरों की खिड़की दरवाजे बंद करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पथ चौगाईं को डुमरांव के साथ ही कोरानसराय बगेन पथ को भी जोड़ता हैं। जिस कारण पूरे दिन गाड़ियों की आवाजाही होती है। लेकिन, सड़क पर नाली का गंदा पानी जमा होने से राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही, ग्रामीणों ने बताया कि पहले नाली का का पानी एक ग्रामीण के ही निजी जमीन में होता था। उसने निकास बंद कर दिया। जिसके बाद चौगाईं शिवमंदिर के पास स्थित छोटे तालाब में इसका पानी गिराया जाने लगा। लेकिन, वह तालाब भी इस नाली के पानी से भर गया है। निकास नहीं होने के कारण ही नाली ओवर फ्लो कर रही है।

कहते है मुखिया प्रतिनिधि

नाली के पानी का निकास बाधित होने के कारण ही जलजमाव की समस्या बनी है। जल्दी ही नाली की उड़ाही भी कराई जाएगी। पानी निकास का रास्ता मिलने के बाद जलजमाव से मुक्ति दिलाया जाएगा। - **बड़कू सिंह, मुखिया प्रतिनिधि, चौगाईं पंचायत**

26 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का महापर्व

राजघराने ने रखी थी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की नींव, बांके बिहारी मंदिर में उमड़ता है सैलाब

♦ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर द्वापरकालीन का बन रहा है शुभ संयोग

सौरभ कुमार/डुमरांव

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का महापर्व 26 अगस्त सोमवार को मनाया जायेगा। सनातन धर्म में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का विशेष महत्व हैं। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती हैं। जन्मोत्सव को लेकर स्थानीय राजगढ़ स्थित बांके बिहारी मंदिर गुलजार होगा। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गयी हैं। सबसे शुभ तो यह हैं कि दशकों बाद श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर द्वापरकालीन का शुभ संयोग बन रहा हैं। इस व्रत को करने से साधकों को सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती हैं। बुजुर्गों का कहना है कि बांके बिहारी मंदिर में राज परिवार के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाने की नींव रखी गयी।

इनकी प्रेरणा से धीरे-धीरे सौहार्दपूर्ण वातावरण में जन्माष्टमी उत्सव मनाये जाने लगा। यह उत्सव यहां के लिए परंपरा बन गयी। स्थानीय लोगों के घर-रिश्तेदार, राजपरिवार, अनुमंडल प्रशासन के अलावे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं की टोली मंदिर में पहुंच कर उत्सवी माहौल में भगवान श्रीकृष्ण के अद्भुत लीलाओं का दर्शन करते हैं और जन्मोत्सव मनाकर यहां के प्रसाद से ही अपने व्रत का पारण करते है। शहर के सैकड़ों भक्तों के घरों से आये प्रसादों का भोग लगाया जाता हैं और भगवान के भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाता हैं।

शुभ संयोग में मनाया जायेगा जन्मोत्सव : भाद्रपद माह के श्रीकृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर दशकों बाद शुभ संयोग बन रहा हैं। आचार्यों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण के समय रोहिणी नक्षत्र का संयोग रहेगा। कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरूआत 25 अगस्त रविवार को रात 3 बजकर 39 मिनट पर होगी। वहीं इसका समापन 26 अगस्त सोमवार को रात्रि 2 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के लिहाज से जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनायी जायेगी। मान्यता हैं कि शुभ मुहूर्त में पूजन विशेष फलदायी रहता हैं।

राजपरिवार व प्रशासन रहता है शामिल

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान राजगढ़ के बांके बिहारी मंदिर में राजपरिवार सहित अनुमंडल प्रशासन और पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहता हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज पुलिस के अलावे स्थानीय पुलिस भी जगह-जगह तैनात रहती हैं। इस दौरान राजगढ़ और मंदिर परिसर रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। काशी से आये विद्वान पंडितों द्वारा श्रीकृष्ण के अवतरण के बाद भव्य महाआरती की जाती हैं। इस दौरान भगवान पर पुष्प वर्षा के साथ जयकारे से शहर गुंजयमान हो जाता हैं।

खबरें फटाफट

120 लीटर शराब के साथ सामग्री बरामद

छपरा। जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मांझी थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम ताजपुर, पासी टोला में डब्लु चौधरी एवं सन्नी चौधरी अपने घर में बड़े पैमाने पर देसी शराब का निर्माण कर रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए मांझी पुलिस दल द्वारा ग्राम ताजपुर स्थित उनके घर से कुल 120 ली. देशी शराब, चार सिलिंडर, दो चूल्हा, तेरह प्लास्टिक ड्रम, आठ टीन का डब्बा को जब्त कर उक्त दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

वाहन की चपेट में आने से ढाई वर्ष बच्चे की मौत

संझौली। थाना क्षेत्र के ग्राम बगैया में काली मंदिर की समीप गुरुवार की वाहन की चपटे में आने से ढ़ाई वर्ष बच्चे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना करीब तीन बजे की बताई जाती है। वाहन चालक फरार बताया जाता है। मृतक बगैया निवास रंजन पासवान का पुत्र प्रिंस कुमार उम्र ढ़ाई वर्ष बताया जाता है। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पहुचीं पुलिस ने शब को कब्जे ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम हेतू भेज दिया है। घटना संबंध में बताया जाता है कि सड़क के आस पास बच्चा खेल रहा था, इस क्रम में तेज रफ्तार से आ रही एक मैक्सिमो वाहन के चपेट आ गए। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बच्चे के माँ का रो-रो कर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस घटना स्थल पर पहुचकर शब को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता बगैया निवासी रंजन पासवान के आवेदन के आधर पर प्राथमिकी कर ली गयी है। पुलिस इस घटना की विस्तृत जांच कर रही है।

जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर ओवर ब्रिज के पश्चिमी बुधवार की शाम घटी घटना

अनियंत्रित ट्रक ने ससुराल से वापस लौट रहे बाइक सवार राजमिस्त्री को रौंदा, मौत

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर ओवर ब्रिज के पश्चिम बुधवार के शाम अनियंत्रित ट्रक ने ससुराल से वापस लौट रहे बाइक सवार राजमिस्त्री को रौंद दिया। हादसे उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उधर घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। वही सूचना पाकर स्थानीय थाना फौरन घटनास्थल पर पहुंची और उक्त ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के उजियार टोला वार्ड नंबर 4 निवासी चंदेश्वर बिन का 32 वर्षीय पुत्र तूफानी कुमार है एवं वह पेशे से राजमिस्त्री था। इधर मृतक का साला त्रिलोकी प्रसाद ने बताया कि बुधवार की शाम वह बाइक से अपने दोस्त साहब बिंद को उसके घर छोड़ने के लिए दौलतपुर गए थे। वहां बाद वह फोर लाइन होते हुए ज्ञानपुर नदी किनारे पहुंचा और अपने साला को फोन किया और मुलाकात करना है। जिसके बाद वह साला से मिलने अपने ससुराल ज्ञानपुर गांव गया। वहां से खाना खाने के बाद वह अपने साल के साथ कायमनगर बाजार पर आया और एक किलोमीटर पहले ही उसका साला बाइक से उतर गया। इसके बाद जब वह वापस आर लौट रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रही अनियंत्रित ट्रक में उसे रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसके दोस्त द्वारा फोन कर इसकी सूचना उसके साला दी गई। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना गीधा थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां बेबी देवी,पत्नी चिंता देवी, दो पुत्री संजना,रौशनी व दो पुत्र नीरज एवं धीरज है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां बेबी देवी,पत्नी चिंता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेलगाम ट्रक ने सड़क पार कर रहे बालक को रौंदा, मौके पर गई जान

आरा। सकड्डी-नासरीगंज मार्ग पर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के कोसीहान गांव में गुरुवार की दोपहर बेलगाम ट्रक ने सड़क पार कर रहे बालक को रौंद दिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। वहीं घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने उक्त ट्रक व चालक को धर दबोचा। जानकारी के अनुसार मृत बालक चांदी थाना क्षेत्र के कोसीहान गांव निवासी महेश साव का 7 वर्षीय पुत्र पवन कुमार है। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सकड्डी-नासरीगंज मार्ग पर कोसीहान गांव के पास शव को सड़क पर रख सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा करीब तीन घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी लाइन लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठीक हो रहा। वही सड़क जान की सूचना पाकर चांदी थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और उक्त चालक गिरफ्तार कर ट्रक को भी जब्त कर लिया। इसके बाद पुलिस ने समझा-बूझाकर जाम को हटाया।

पायलट बाबा के निधन पर कॉलेज में शोकसभा आयोजित

बिक्रमगंज। स्थानीय शहर के इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय में गुरुवार को महामंडलेश्वर पायलट बाबा के निधन पर कर्मियों ने शोकसभा मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विनोद सिंह व संचालन

उप प्राचार्य उमेश्वर प्रसाद सिंह किया। उक्त अवसर समस्त महाविद्यालय कर्मियों ने उनके तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर उनके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। मौके पर महाविद्यालय सचिव सह पूर्व सदस्य बिहार विधान परिषद डॉ. अजय सिंह ने दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि पायलट बाबा के मृत्यु होते ही पूरे विश्व में शोक की लहर दौड़ गई है। जिनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन को लेकर हरिद्वार स्थित उनके आश्रम पर संत महात्मा और देश विदेश के श्रद्वालु का तांता लगा हैं। जिनका गुरुवार को उत्तराधिकारी का पट्टाभिषेक कर पायलट बाबा को समाधि दी जाएगी। ज्ञात हो कि पायलट बाबा का मंगलवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था। पायलट बाबा का जन्म बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में एक राजपूत परिवार में हुआ था। जिनका पुराना नाम कपिल सिंह था। उन्होंने काशी हिन्दू विवि से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। इसके बाद उनका भारतीय वायु सेना में चयन हुआ। बाबा विंग कमांडर के पद पर थे। बाबा 1962, 1965 और 1971 की लड़ाईयों में सेवा दे चुके थें। इसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया था।

अनियंत्रित हाईवा के कुचले जाने से किशोर की मौत

- आक्रोशित ग्रामीणों ने फूंक डाला हाइवा

केटी न्यूज/जहानाबाद

घोसी थाना क्षेत्र के अहियासा गांव के समीप मुख्य ग्रामीण सड़क पर गुरुवार की शाम एक अनियंत्रित हाईवा ने 11 वर्षीय किशोर को कुचल दिया। जिससे उस किशोर की मौत मौके पर ही हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवा को आग के हवाले कर दिया एवं ट्रक चालक को बंधक बना लिया। घटना के संदर्भ में ग्रामीणों का बताना है कि अहियासा गांव निवासी सुदर्शन राम का 11 वर्षीय पुत्र पुरुषोत्तम कुमार प्रतिदिन की भांति नौसहारा चक गांव से ट्यूशन पढ़कर वापस अपने गांव लौट रहा था इसी बीच मुख्य सड़क मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही एक अनियंत्रित हाईवा ने 11 वर्षीय पुरुषोत्तम कुमार पर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौत मौके परी हो गई। मृतक किशोर के पिता सुदर्शन राम ने बताया कि ट्यूशन पढ़कर वापस लौटने में देर होने पर उनका मन चिंतित हो गया था इसी बीच उन्हें इस बात की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा मिली कि हाईवा की चपेट में आने से उनके पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवा को अपने कब्जे में ले लिया और उसमें आग लगा दिया। ग्रामीणों ने हाईवा चालक को बंधक बना लिया।

इस संदर्भ में ग्रामीणों का बताना है कि एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य में लगे हाईवा चालक के द्वारा अक्सर बेतरतीब ढंग से वाहन चलाया जाता है जिससे हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। घटना के बाद पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी पाकर थानाध्यक्ष ददन प्रसाद दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ को समझा बुझा रहे हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की लोगों से अपील कर रहे हैं। ग्रामीणों के द्वारा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की जा रही है।

एक नजर

जेपी यूनिवर्सिटी छपरा का खेल कैलेंडर जारी

छपरा। सत्र 2024-25 के लिए जयप्रकाश विश्वविद्यालय का खेल कैलेंडर जारी कर दिया गया है। माननीय कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर क्रीड़ा निदेशक डॉ राजेश नायक द्वारा जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार विभिन्न स्पद्धाओं में अन्तरमहाविद्यालय खेल प्रतियोगिता अलग-अलग महाविद्यालयों का चयन किया गया है।महिला एवं पुरुष वर्ग की अन्तरमहाविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता 03 से 05 सितंबर तक राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। वहीं, महिला एवं पुरूष वर्ग में अन्तरमहाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 06 एवं 07 सितंबर को गंगा सिंह महाविद्यालय में आयोजित होगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष खो-खो प्रतियोगिता 12 एवं 13 सितंबर को जगलाल चौधरी कॉलेज, छपरा तथा अन्तरमहाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता 13 एवं 14 सितंबर को जयप्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा में आयोजित की जाएगी। अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, तक जगदम कॉलेज, छपरा, अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष वॉलीबॉल प्रतियोगिता 19 से 21 सितंबर तक रामजयपाल कॉलेज, छपरा तथा अंतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला एथलेटिक्स ट्रैक की स्पद्धाएं 23 एवं 24 सितंबर को डीएवी कॉलेज, सीवान में आयोजित की जाएंगी। एथलेटिक्स की फील्ड स्पद्धाएं 25 एवं 26 सितंबर को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में होंगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष व महिला योग प्रतियोगिता 10 अक्टूबर, को पीसी विज्ञान कॉलेज, छपरा तथा महिला व पुरूष वर्ग की अंतरमहाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता 30 सितंबर को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। अंतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग की बॉक्सिंग एवं किक बॉक्सिंग की प्रतियोगिताएं 27 एवं 28 सितंबर को यदुनंदन महाविद्यालय, दिघवारा में आयोजित की जाएंगी।अंतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता 04 से 07 अक्टूबर तक कमला राय कॉलेज, गोपालगंज में तथा अंतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता 03 अक्टूबर को नंदलाल सिंह कॉलेज, दाउदपुर, सारण में आयोजित की जाएंगी।

कैमूर में 4.16 लाख पशुओं को लगाया गया गलाघोंटु एवं लंगड़ी टीका

भभुआ। कैमूर जिला के वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4 लाख 16 हजार पशुओं को गलाघोंटु एवं लंगड़ी रोग के रोकथाम के लिए टीकाकरण किया गया है। उक्त जानकारी जिला पशुपालन पदाधिकारी ने दी है। टीकाकरण का मुख्य उद्देश्य पशुओं को गलाघोंटु और लंगड़ी रोग से बचाना है। पशुपालन विभाग के अनुसार कैमूर जिले में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत बैंक में कुल 7340 आवेदन भेजा गया है, जिसमें 891 आवेदन बैंक द्वारा स्वीकृत तथा 1802 आवेदन अस्वीकृत कर दिया गया है। जबकि 4647 आवेदनों पर विचार किया जा रहा है। जिले में पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में समेकित मुर्गी विकास योजना के तहत पांच ब्रायलर एवं लेयर 02 का चयन किया गया है। समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के तहत 12 लाभुकों का चयन किया गया है। साथ ही समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के तहत 03 तथा बकरी वितरण योजना के तहत 105 लाभुकों का चयन किया गया है। लोगों को रोजगार मुहैया कराने एवं स्वरोजगार के प्रति लोगों को जागरूक करने में पशुपालन विभाग लगातार प्रयास कर रहा है, जिसका लाभ कैमूर जिले के किसानों को भी मिल रहा है।

बलिया में जीआईसी पर लगा ग्रहण, नहीं बनेगा मेडिकल कॉलेज

- पांच अगस्त को मुख्य सचिव उप्र शासन की अध्यक्षता में लिया गया निर्णय
- जेल की भूमि पर मेडिकल कॉलेज बनाने व चिकित्सा विभाग को नि:शुल्क देने का किया गया प्रस्ताव

केटी न्यूज/बलिया

राजकीय इंटर कॉलेज बलिया के मैदान में मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना सुनिश्चित किया गया था। लेकिन अब वह मेडिकल कॉलेज वहां पर नहीं बनेगा, बल्कि राजकीय इंटर कॉलेज अपने यथावत भूमि स्थान पर चलेगा। यह निर्णय मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में 5 अगस्त 2024 की हुई बैठक में लिया गया है। जिसके बाद एक बार फिर मेडिकल कॉलेज के निर्माण पर ग्रहण लग गया है। आपको बता दे कि जिले में मेडिकल कॉलेज प्रारम्भ कराये जाने के संबंध में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में 05 अगस्त 2024 को संपन्न हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजकीय इंटर कॉलेज अपनी भूमि पर यथावत चलता रहेगा। वर्तमान जिला कारागार को स्थानान्तरित करके नई जगह पर बनाया जाना प्रस्तावित है। इस कारण जिला कारागार की भूमि पर मेडिकल कॉलेज बनाया जाना उचित होगा। उक्त भूमि कैबिनेट के अनुमोदनोपरांत चिकित्सा शिक्षा विभाग को निःशुल्क हस्तान्तरित की जाएगी। पुराना पुरुष अस्पताल, महिला अस्पताल वर्तमान स्थान पर यथावत चलता रहेगा। शहर के मुख्य मार्ग पर मेडिकल कॉलेज स्थापित होने के लिए उक्त स्थल को प्राथमिकता प्रदान की गयी है। जिससे आवागमन व आमजन को बेहतर सुविधा मिल पाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि वर्तमान कारागार को चिन्हित स्थान पर स्थानान्तरित किया जाय और तदोपरान्त वर्तमान कारागार के भवन का ध्वस्तीकरण एवं उसके मलबे का निस्तारण सक्षम स्तर से अनुमोनदनोपरान्त नियमानुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग अथवा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराया जाय। वहीं स्थानीय लोगों को इस बार उम्मीद थी कि यहां पर मेडिकल कॉलेज बन जाएगा। जिससे यहां के लोगों को राहत मिलेगी। परंतु विभाग की उदासीनता के कारण यह संभव नहीं हो पाया। अब देखना है कब बनता है।

एक नजर

फांसी लगाकर अधेड़ ने की आत्महत्या

बलिया। बुधवार को बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के कैथवली गांव में अधेड़ ने घर में फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधेड़ ने आत्महत्या क्यों किया ? यह जांच के बाद स्पष्ट होगा। बताया जा रहा है कि समूह के लोन की वसूली व प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या किया है।बता दे कि बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के कैथवली गांव निवासी हरेराम मल्लाह (50) के परिवार के सदस्य मंगलवार की रात छत पर सोने चले गये। जबकि हरेराम अपने कमरे में नीचे ही सो गया। सुबह जब घर के लोग नीचे आये तो देखा की हरेराम घर के कमरे में फंदे पर झूल रहा हैं। मौके पर पहुंचे कोतवाल संजय सिंह ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के छह पुत्र है। पत्नी गीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक मजदूरी का कार्य करता था, लेकिन आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

गैंगस्टर एक्ट में आरोपी को मिली 2 वर्ष की सजा

बलिया। गैंगस्टर एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए गुरुवार की दोपहर सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को 2 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। दोषी का नाम गुड्डू निवासी पुदरिया है। दोषी के खिलाफ जीआरपी थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन के उपरांत दोषी को 2 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

मनियर। पुलिस अधीक्षक बलिया विक्रांत वीर के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध तथा वांछित अभियुक्त गण के धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत अपर पुलिस से अधीक्षक बलिया के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकार बांसडीह के कुशल नेतृत्व में मनियर पुलिस ने अभिषेक सिंह पुत्र हीरालाल सिंह 34 वर्ष व मनु यादव पुत्र गजाधर यादव 28 वर्ष निवासीगत गंगापुर थाना मनियर जनपद बलिया को गिरफ्तार कर एक चाकू व पांच सौ रुपए बरामद कर जेल भेज दिया। इस संबंध में अमित बिंद पुत्र स्वर्गीय राम जन्म बिंद निवासी सोनपुरवा थाना खेजूरी जनपद बलिया ने मनियर थाने में विगत बुधवार को तहरीर दिया था कि मैं अपने ससुराल रिगवान आया हुआ था।

खबरें फटाफट

भूमि विवाद में कारोबारी की जमकर पिटायी

गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र के बस स्टैंड स्थित एक कारोबारी को मनबढ़ दबंगों ने पुरानी रंजिश को लेकर लाठी-डंडे व लोहे के राड तथा हाकी से मारकर लहूलूहान कर दिया। दुकानदार को अधमरा स्थिति में छोड़कर मौके से फरार हो गए। मालूम हो कि कन्हैया मद्धेशिया व दीपक चौरसिया दोनों पड़ोसियों में कई दिनों से भूमि विवाद चल रहा था, यह न्यायालय में विचाराधीन भी है। इस दौरान बुधवार को कन्हैया मद्धेशिया का दूसरे नंबर का पुत्र सुजीत मद्धेशिया जो कपड़े का दुकानदार है वह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी सुनियोजित तरीके से चार की संख्या में लोगों ने उसे पकड़ कर जमकर मारपीट कर लहूलुहान कर मरणासन्न स्थिति में छोड़कर फरार हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस संबंध थानाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने पीड़ित की तहरीर पर कस्बे के दीपक चौरसिया, वैभव चौरसिया, अमन चौरसिया, लल्लन यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मऊ। जनपद मधुबन में एक विवाहिता ने गले में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। घटना मधुबन तहसील क्षेत्र के कटघरा महलू मटूरीलाल ग्रामसभा की है। बुधवार को विवाहिता अपने घर के कमरे में फंदा लगा कर झूल गयी। घटना के समय घर के अन्य सदस्य घर से बाहर थे। कमरा अंदर से बंद था। खिड़की से विवाहिता को लटकता देख परिजनों के होश उड़ गए। पुरे घर में चीख पुकार मच गयी। मृतका की 10 साल पूर्व शादी हुई थी। उसके दो लड़के हैं जिसमें एक की उम्र 8 साल तथा दूसरे की उम्र 6 साल है। महिला द्वारा उठाये गए इस कदम से दोनो मासूमों के भी सर से माँ का साया उठ गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि स्नेहा पत्नी पंकज कुमार उम्र 32 वर्ष की करीब 10 साल पूर्व शादी हुई थी। पति घर पर ही रह कर मजदूरी करता है। आत्म हत्या की वजह पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। बुधवार को दिन में 11.45 पर जब घर के सभी लोग बाहर थे, स्नेहा ने अपने कमरे में एक दुपट्टे से फांसी लगा ली। घर की एक लड़की जब वहाँ गयी तो कमरे की खिड़की से वहाँ का नजारा देख उसने शोर मचाना शुरू किया। आस-पास के दर्जनों लोग वहां जमा हो गए।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 181.64 लाख रुपए निवेश का लक्ष्य

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर करें निस्तारण : डीएम प्रवीण

- डीएम के अध्यक्षता में जनपद स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक संपन्न
- विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 775 लाभार्थियों का चयन करने का दिया लक्ष्य

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक कलेक्ट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त राजेश रोमन ने बताया की जनपद में 52 प्रस्ताव जिसमें लगभग 1084 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं वह धरातल पर आ चुके हैं। इसके अलावा 59 नए निवेश प्रस्ताव भी आए है। विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, हस्तशिल्प विपणन योजना एवं मुख्यमंत्री विशिष्ट हस्तशिल्प पेंशन योजना में कोई भी लक्ष्य अभी प्राप्त नहीं है। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत जनपद मऊ को इस वर्ष हेतु 94 भौतिक तथा 181.64 लाख रुपए का वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

775 लाभार्थियों के चयन का लक्ष्य

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 775 लाभार्थियों का लक्ष्य प्राप्त है। लक्ष्य के सापेक्ष 775 लाभार्थियों का चयन कर उनका प्रशिक्षण भी प्रशिक्षण दाई संस्था द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है।औद्योगिक क्षेत्र शहादत पुरा के नाला एवं पानी निकासी के संबंध में अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिलाधिकारी ने सारे कार्य एक महीने में पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अभियंता जल निगम को दिए। कारखाना अधिनियम 1948 के तहत औद्योगिक प्रतिष्ठानों के पंजीकरण की समीक्षा के दौरान डीएम ने सहायक श्रम आयुक्त को तत्काल इसमें कार्रवाई करते हुए पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। पावर लूम, टेक्सटाइल उद्योग के विद्युत लोड एवं खपत की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निर्धारण करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। औद्योगिक क्षेत्र शहादत पुरा में पार्क विकसित किए जाने हेतु उन्होंने कार्यदाई संस्था को यथाशीघ्र डीपीआर तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। बी 9 औद्योगिक क्षेत्र के ऊपर से बिजली विभाग के 33000 वोल्ट के पोल शिफ्ट का कार्य भी डीएम ने शीघ्र कराए जाने की निर्देश दिया।

निवेश मित्र पोर्टल को करें अपडेट

निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदन पत्रों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के द्वारा कुल आठ आवेदन समय सीमा के उपरांत लंबित आवेदनों में 6 आवेदन लोक निर्माण विभाग के पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने इसे तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने समस्त विभागों को निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का समय सीमा के अंदर ही निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उद्योगों से जुड़े विभाग के अधिकारियों को उद्यमियों की शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जनपद में औद्योगिक माहौल बनाने हेतु समस्त अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, जिससे जनपद औद्योगिक क्षेत्र में अग्रसर हो सके। बैठक के दौरान उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, अधिशासी अभियंता विद्युत, अधीक्षण अभियंता विद्युत सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

22 सूत्रीय मांगों को लेकर यूपी मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ ने कलेक्ट्रेट के समक्ष दिया धरना

- संघ ने अपना मांग पत्र डीएम को किया समर्पित
- भूलेख लिपिक का पद पूर्व की भांति सृजित करने की मांग

केटी न्यूज / बलिया

उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर बलिया में कलेक्ट्रेट एवं तहसीलों में कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों ने अपने 22 सूत्रीय मांगपत्र को लेकर धरना दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। धरने का नेतृत्व करते हुए जिलाध्यक्ष कौशल कुमार उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि 22 सूत्रीय मांगो में से प्रमुख मांगे जैसे कलेक्ट्रेट कार्यालय को विशेष प्रतिष्ठा प्रदान करते हुए कार्मिकों का वेतन उच्चीकृत करने, कलेक्ट्रेट लिपिक संवर्ग सेवा नियमावली 2011 पूर्ववत लागू करने, लेखा का कार्य संपादित करने वाले पटल सहायकों को लेखा संवर्ग का वेतनमान दिये जाने, नवसृजित जनपदों में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं नवसृजित तहसीलों में प्रशासनिक अधिकारी का पद सृजित किये जाने, भूलेख लिपिक का पद पूर्व की भांति कलेक्ट्रेट में वापस किये जाने, सामयिक सहायक वासिल वाकी नवीसों को रिक्त पदों के सापेक्ष एकमुश्त शत-प्रतिशत समायोजित किये जाने आदि प्रकरणों में विभागाध्यक्ष की संस्तुति हो जाने के उपरान्त भी अभी तक शासनादेश निर्गत न करने से कर्मचारियों में काफी कुण्ठा व्याप्त है। जिससे उनकी आर्थिक व मानसिक क्षति हो रही है। शासन द्वारा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये बार-बार कार्मिकों को समय से पदोन्नति का शासनादेश निर्गत किया जाता है, किन्तु सेवा नियमावली में प्रदत्त व्यवस्था के तहत प्रशासनिक अधिकारियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर पदोन्नति हेतु पात्रता क्षेत्र के विस्तार का अनुमोदन शासन एवं राजस्व परिषद द्वारा नहीं किया जा रहा है, जिससे पात्र कार्मिक पदोन्नति के लाभ से वंचित होकर सेवानिवृत्त हो जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कलेक्ट्रेट को मिनी सचिवालय घोषित किये जाने, लिपिक संवर्ग कर्मचारियों को नायब तहसीलदार के पदों पर पदोन्नति किये जाने, पुरानी पेंशन लागू किये जाने, सामयिक से की गयी सेवाओं को सेवा अवधि में जोड़े जाने रिक्त पद पर यथाशीघ्र भर्ती किये जाने, पदोन्नतियों में आरक्षित रिक्तियों में की गणना के संबंध में 0.51 के स्थान पर 01 पद स्थापित किये जाने चिकित्सा प्रतिपूर्ति को आयकर आगणन में शामिल न किये जाने, सामूहिक बीमा की धनराशि की 10 लाख रुपए किये जाने आदि अनेकों मांगे शासन एवं राजस्व परिषद में अनावश्यक रूप से लंबित है। शासन का सबका साथ सबका विकास का नारा कर्मचारियों के प्रति खोखला साबित हो रहा है। उपरोक्त मांग यथाशीघ्र पूर्ण न होने पर गंभीर आन्दोलन किये जाने की प्रबल संभावना है।

नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन

गाजीपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित बैंकों से संबंधित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन रायफल क्लब में किया गया। कैंप में मुख्य रूप से डॉ. संगीता बलवंत राज्यसभा सांसद, डीएम आर्यका अखौरी, सरिता अग्रवाल नगरपालिका अध्यक्ष, क्षेत्र प्रमुख संजय कुमार सिन्हा आदि उपस्थित रहे। मेगा क्रेडिट कैंप में 163.94 करोड़ विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को ऋण राशि के चेक वितरित किए गए। अग्रणी जिला प्रबंधक पियूष सिंह परमार ने ग्रामीणों को अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों को ऋण वितरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसएचजी समूह अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी देकर, बैंक में पैसा जमा कराने व समूहों को ऋण वितरण करती है। मेगा क्रेडिट कैंप में आवास ऋण, कार ऋण, पर्सनल ऋण, पेंशन ऋण, केसीसी ऋण स्वीकृत किए गए। सिंह ने बैंक की योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. संगीता बलवंत राज्यसभा सांसद के द्वारा महिलाओं को नए भारत के निर्माण करने एवं आत्मनिर्भर बनने पर उनकी सराहना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने पे महिलाओं को धन्यवाद दी।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय समग्र शिक्षा के आदेश पर निरीक्षण

बीएसए ने 158 शिक्षामित्र व अनुदेशकों पर की कार्रवाई

- कर्तव्य के प्रति उदासीनता का परिचायक है, जो अक्षम्य है

केटी न्यूज / बलिया

बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने 158 शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों के खिलाफ नो वर्क नो पे के तहत कार्रवाई किया है। इसमें 13 प्रधानाध्यापक, 60 सहायक अध्यापक, 66 शिक्षामित्र और 19 अनुदेशक शामिल है। एक साथ इतनी बड़ी कार्रवाई से विभागीय गलियारे में हड़कम्प मच गया है। बीएसए ने सम्बंधित शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों से सात कार्य दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण सुसंगत साक्ष्यों सहित अपने खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। कहा है कि समयांतर्गत व संतोषजनक स्पष्टीकरण न होने की दशा में विचार नहीं किया जायेगा। बीएसए ने बताया कि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं

राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय समग्र शिक्षा विद्याभवन निशातगंज लखनऊ द्वारा विद्यालयों के नियमित निरीक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रगत्ति की अनुश्रवण किए जाने को लेकर निर्गत आदेश के अनुपालन में खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, जनपद एवं ब्लाक स्तरीय टास्क फोर्स के अधिकारियों द्वारा प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बिना किसी सूचना के 158 अध्यापक, शिक्षामित्र तथा अनुदेशक अनुपस्थित मिले। यह कृत्य घोर लापरवाही का द्योतक है। कर्तव्य के प्रति उदासीनता का परिचायक है, जो अक्षम्य है। इन सभी के खिलाफ नो वर्क नो पे के तहत कार्रवाई की गई है। बीएसए मनीष कुमार सिंह ने बताया कि सम्बन्धित प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक भी यह स्पष्ट करेंगे कि विद्यालय में बार-बार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित कार्मिकों के सम्बन्ध में उनके द्वारा पूर्व में क्या कार्यवाही की गयी। सम्बन्धित कार्मिक यदि उक्त दिवस पर मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत अवकाश पर थे तो इस सूचना का अंकन विद्यालय रजिस्टर में अवकाश रिफरेन्स नम्बर के साथ क्यों नहीं किया गया।

खुशखबरी... केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड को मिलेगी सूखे से निजात

- ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को सिंचित बनाने में जुटी सरकार
- महोबा, झांसी और ललितपुर में हजारों हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि होगी सिंचित

केटी न्यूज/ लखनऊ

दशकों तक उपेक्षा का दंश झेल चुके बुंदेलखंड को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और यहां समृद्धि की राह प्रशस्त करने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस क्षेत्र को सूखा मुक्त करने के अपने संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में केन-बेतवा लिंक परियोजना के जरिए अब सरकार बुंदेलखंड में ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचित करने की कवायद में जुट गई है। इस परियोजना को मूर्त रूप देने के बाद जहां महोबा, झांसी और ललितपुर में हजारों हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित की जा सकेगी, वहीं बांदा में करीब दो लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित बनाया जा सकेगा। योगी सरकार इसके अलावा बांदा और पैलानी में केन नदी पर दो नये बैराज भी बना रही है। इतना ही नहीं 100 साल से अधिक पुराने बरियापुर पिकअप वियर और पारीक्षा वियर तथा 300 साल से भी पुराने बरुआ सागर बांध के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण के प्रयास भी तेज हो गए हैं।

2030 तक पूरी हो जाएगी केन बेतवा लिंक परियोजना: केन बेतवा लिंक परियोजना में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से आगे बढ़ रही है। 221 किमी लंबी केन बेतवा लिंक परियोजना में उत्तर प्रदेश में 21 किमी के लिंक चैनल का निर्माण होना है, जिसके लिए 271 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जानी है। इस बहुउद्देशीय परियोजना को 2030 तक पूरा किया जाना है। वर्तमान में केन नहर प्रणाली द्वारा बांदा में 87 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित है। योगी सरकार इसे बढ़ाकर बांदा में ही करीब दो लाख हेक्टेयर करने की तैयारी में है। इसके अलावा महोबा में 37 हजार हेक्टेयर से अधिक, झांसी में 17 हजार हेक्टेयर से अधिक और ललितपुर में 3 हजार हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त भूमि को सिंचित बनाने का लक्ष्य है। वहीं बांदा में 1.66 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य भी योगी सरकार कराने जा रही है, जिसपर 1191.51 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को नवंबर 2024 में शुरू करके मार्च 2028 तक पूरा करना है।

बनेंगे दो नये बैराज, पुराने वियरों और बांध का होगा जीर्णोद्धार: महोबा में 510 करोड़ रुपए की लागत से 15 बांध और बड़े तालाबों के जीर्णोद्धार और केन बेतवा लिंक नहर से इनके भराव का प्रोजेक्ट भी आगे बढ़ रहा है। ये प्रोजेक्ट जून 2025 से शुरू होगा, जिसे मार्च 2028 तक पूरा करना है। वहीं केन नदी पर दो नये बैराज बांदा और पैलानी में बनाये जाएंगे। करीब दो हजार करोड़ की लागत वाला यह प्रोजेक्ट अक्टूबर 2025 से शुरू हो जाएगा, जिसे जून 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य योगी सरकार ने रखा है। इसके साथ ही योगी सरकार बुंदेलखंड के बरियापुर पिकअप वियर, पारीक्षा वियर और बरुआ सागर बांद का भी जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण कराने जा रही है। बरियापुर वियर का निर्माण 1906 में हुआ था, जबकि पारीक्षा वियर को 1910 में बनाया गया था। वहीं झांसी में बरुआ सागर बांध का निर्माण सन 1700 में हुआ था। अब सरकार इन तीनों का जीर्णोद्धार और पुनर्निमाण कराने जा रही है। इसके लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को डीपीआर बनाने के लिए अधिकृत किया गया है। इसके ई-टेंडर का कार्य फरवरी 2025 से शुरू होगा, जबकि अप्रैल 2025 से निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इन तीनों प्रोजेक्ट को मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

एक नजर

मुख्यमंत्री से मिला अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल

चंदौली। जिला न्यायालय सहित विभिन्न मांगों को लेकर राज्यसभा सांसद साधना सिंह के अगुवाई में अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला। और जिले की समस्याओं को उनके समक्ष रखा मुख्यमंत्री ने जल्द ही न्यायालय निर्माण की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। इस दौरान राज्यसभा सांसद साधना सिंह ने कहा कि जनपद न्यायालय का निर्माण कई वर्षों से अधूरा है। जिसके लिए अधिवक्ताओं को तीन सेट के नीचे रहना पड़ता है। और गर्मी बरसात व ठंड के दिनों ने बड़ी कठिनाई झेलनी पड़ती है। अधिवक्ताओं के लिए छत के नीचे कार्य करने की सुविधा मिल जाए तो काफी सहूलियत होगी। डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिले का निर्माण हुए 27 साल हो गए है। लेकिन आज भी जिला मुख्यालय पर आधारभूत सुविधाएं नहीं उपलब्ध है। और ना ही जिला न्यायालय का निर्माण हो सका है। जिससे वादाकरी, अधिवक्ता तथा अधिकारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दियाम कि जल्द ही जिला न्यायालय का कार्य शुरू होगा। क्योंकि भाजपा सरकार जनहित की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। रही बात विकास की तो विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार हमेशा तत्पर है। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, विनय सिंह आदि मौजूद रहे।

वार्ड नंबर 12 में क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण के लिए चेयरमैन सुनील सिंह ने किया शिलान्यास

बलिया। नगर पंचायत बांसडीह के वार्ड नंबर -12 पांडेय के पोखरा में सालों से क्षतिग्रस्त व उधड़ी हुई सड़क के निर्माण का कार्य अब आरंभ होगा। सड़क पिछले 10 सालों से जर्जर एवं पूरी तरह टूट गई थी। इसकी शुद्धि लेने वाला कोई नहीं था। बता दें कि नगर पंचायत का दोबारा अध्यक्ष चुने जाने के बाद सुनील सिंह द्वारा इस सड़क का पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। इसका चेयरमैन द्वारा विधिवत पूजा- अर्चन कर सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया। गौरतलब हो कि यह सड़क वर्ष 2014 में वर्तमान अध्यक्ष सुनील सिंह के कार्यकाल में बनाई गई थी। इसके बाद धीरे-धीरे सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क पर सैकड़ों गड्ढे बन गए थे। जिससे इस पर चलना तक दुभर हो गया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ मार्च

चंदौली। हिन्दू रक्षा समिति के तत्वावधान में विशाल जनमानस बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरोध में यूनियन बैंक आफ इंडिया से चलकर नगर भ्रमण करते हुए पुनः वहीं आकर कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि जिस तरीके से बांग्लादेश में हिन्दू समाज के ऊपर अत्याचार किया जा रहा है उसकी जितनी निन्दा की जाए वह कम है। आज जिस तरीके से हिन्दू समाज के समर्थन लोग सड़कों पर उतरे हैं उससे यह साबित होता है कि भारत का हिन्दू समाज आक्रोशित है। जिला कार्यवाह जयप्रकाश ने कहा कि बांग्लादेश के हिन्दू समाज के उपर अत्याचार वहां की सरकार बंद करें और उनका सम्मान करें नहीं तो नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद दर्शना सिंह जी विधायक, रमेश जायसवाल, आशुतोष, गुलाब, पूर्व जिला अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह व अन्य शामिल थे।

खबरें फटाफट

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव निवासी युवक की सिंघीताली में ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात शव को पहचान के लिए चंदौली मर्चरी में रखवा दिया। जिसकी पहचान परिजनों ने विकास चौहान के रूप में की। अलीनगर थाना अंतर्गत भूपौली चौकी क्षेत्र के जामुनीपुर गांव निवासी विकास चौहान 32 वर्ष सिंघीताली में एक मूर्ति बनाने वाले कारखाने में पिछले महीनों से कम कर रहा था। 20 अगस्त को भी विगत दिनों की भांति घर से काम के लिए निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। दूसरे दिन बुधवार को सिंघीताली के पास रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव पुलिस ने बरामद कर आसपास के लोगों से पहचान करने का प्रयास किया नहीं होने पर पहचान के लिए चंदौली मर्चरी में रखवा दिया। उसकी पहचान विकास चौहान के रूप में हुई। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पास पत्नी निर्मला के साथ दो बच्चे का सहारा खो जाने का गम साफ झलक रहा था।

रोजगार मेले में 56 को मिली नौकरी

जौनपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वावधान में मिशन रोजगार अभियान के तहत निजी नियोजकों के सहयोग से 22 अगस्त गुरुवार को ह्यरोजगार मेलाह्य का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस जौनपुर में किया गया। जिसमें विभिन्न कंपनियों के द्वारा कुल 56 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों पर किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को जिला सेवायोजन अधिकारी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया, इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने बताया कि यूपी सरकार द्वारा संचालित ह्यमिशन रोजगार अभियानह्य के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने अपनी योग्यता व क्षमता के अनुरूप प्रतिभाग किया तथा रोजगार भी प्राप्त किया।

जाति, आय सहित सभी प्रमाणपत्र बनाने का अधिकारियों को दिया गया निर्देश

जीरो पावर्टी: घुमंतू समुदाय को सरकारी सुविधाओं से जोड़ने में जुटी योगी सरकार

- सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्धारित किया है प्रदेश को जीरो पावर्टी वाला राज्य बनाने का लक्ष्य
- मूलभूत नागरिक सुविधाओं का हर किसी को मिलेगा लाभ, हर पात्र को जोड़ा जाएगा योजनाओं से

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को देश का जीरो पावर्टी वाला राज्य बनाने की दिशा में जुटी योगी सरकार प्रदेश के सभी वंचित एवं गरीब तबके को तेजी के साथ सरकारी सुविधाओं से जोड़ रही है। इसमें घुमंतू समुदाय भी शामिल है, जो उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में घूम-घूमकर जीवन यापन करते हैं। इसी क्रम में सरकार ने लखनऊ के कलांदरखेड़ा में झुग्गी बनाकर निवास करने वाले घुमंतू समुदाय के परिवारों को जल्द ही बिजली, पानी, आवास आदि मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम से घुमंतू समुदाय को प्रधानमंत्री आवास, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। सरकार की इस मुहिम के तहत, प्रदेश के गरीब एवं वंचित तबके को सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी मिलकर उन्हें सभी आवश्यक प्रमाणपत्र उपलब्ध करवा रहे हैं। सरकार के निर्णय से घुमंतू समुदाय के नागरिक काफी खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि सभी सरकारी सुविधाएं प्राप्त होने से उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

मुख्यधारा से जोड़ रही योगी सरकार: दो सप्ताह पूर्व निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने असीम अरुण को बताया था कि यहां 200 परिवार करीब 90 वर्षों से झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे हैं। इन परिवारों के पास न तो पीने का साफ पानी उपलब्ध है और न ही बिजली। नगर निगम नागरिकों को टैंकर से साफ पेयजल उपलब्ध करवा रहा है। साथ ही, बिजली की पहुंच के लिए भी कार्यवाही की जा रही है। मालूम हो कि रेनके आयोग (2008) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 1,500 घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां और 198 विमुक्त जनजातियां हैं, जिनमें तकरीबन 15 करोड़ लोग शामिल हैं। देश के कई हिस्सों में ये जनजातियां अब भी सामाजिक एवं आर्थिक रूप से चुनौतियों का सामना कर रही हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से ही ऐसे समुदाय को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं।

देश के 78वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में प्रदेश को जीरो पावर्टी वाला राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'अंत्योदय से सर्वोदय' की नीति को सीएम योगी ने अपना आधार बताया था। सीएम योगी के 'जीरो पॉवर्टी स्टेट' के संकल्प की पूर्ति के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसमें वन फैमिली वन आईडी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, जिसके माध्यम से हर गरीब और वंचित को सरकारी योजना का शत प्रतिशत लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य एक वर्ष में 15 से 25 लाख निर्धनतम परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर लाकर उप्र को पूरी तरह गरीबी से मुक्त राज्य बनाना है।

कैंप लगाकर दिया जा रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने अधिकारियों के साथ कलंदरखेड़ा बस्ती का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को आश्वस्त किया कि सरकार सभी को प्रधानमंत्री आवास का लाभ जल्द प्रदान करेगी, ताकि सभी परिवार बेहतर जीवन यापन कर सकें। साथ ही प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। असीम अरुण ने कुछ दिनों पहले इस बस्ती का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को कैंप लगाकर यहां रहने वाले परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिए जाने का निर्देश दिया था। इस अवसर पर कलंदरखेडा में देश के कई राज्यों से आए घुमंतू जाति के नागरिकों ने मंत्री असीम अरुण से मुलाकात भी की थी और समुदाय की बेहतरी के लिए घुमंतू आयोग बनाने की मांग की थी। इस मौके पर असीम अरुण ने बताया कि यहां समाज कल्याण सहित दूसरे कई विभाग के अधिकारी कैंप लगाकर पिछले कई दिनों से सर्वेक्षण का कार्य कर रहे हैं। सर्वेक्षण के दौरान वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए नागरिकों को चिन्हित किया जा रहा है।

बदमाशों ने ड्यूटी से लौट रहे स्टेशन मास्टर को मारी गोली

केटी न्यूज / चंदौली

मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत औद्योगिक नगर के हमीदपुर के पास बुधवार की रात साढ़े बारह बजे बाइक सवार बदमाशों ने जीवनाथपुर में तैनात स्टेशन मास्टर को ड्यूटी से आवास पर लौटते समय गोली मार दी। गोली स्टेशन मास्टर के कमर में लगी। इससे वे गंभीर रूप से जख़्मी हो गए। घटना के बाद हमलावर बदमाश फरार हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भेजवाया। स्टेशन मास्टर के बयान पर नरायनपुर निवासी दो भाईयों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पूरा मामला ट्रेनों में अवैध वेंडिंग से जुड़ा बताया जा रहा है।

गाजीपुर जिले के कासिमाबाद थाना अंतर्गत बहादुरगंज के मूल निवासी विरेंद्र वर्मा (58) जीवनाथपुर में स्टेशन मास्टर के पद पर तैनात हैं। वह नरायनपुर बाजार में गंगा नगर कॉलोनी में मकान में रहते हैं। बुधवार की देर रात ड्यूटी समाप्त होने के बाद बाइक से अपने आवास पर जा रहे थे। औद्योगिक नगर क्षेत्र के हमीदपुर के पास पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार तीन बदमाशों ने स्टेशन मास्टर को गोली मार दी। रेलकर्मी जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। गोली की आवाज सुनकर जुटे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस स्टेशन मास्टर को निजी अस्पताल ले गई। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर दिया। स्टेशन मास्टर ने बताया कि ट्रेनों में अवैध रूप से वेंडिंग करने वाले जीवनाथपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को रोकने के लिए दबाव बना रहे थे। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

बंद पड़े रेलवे क्वार्टर से 12 लाख के गहने ले उड़े चोर

केटी न्यूज / चंदौली

अलीनगर थाना क्षेत्र के लोको रेलवे कॉलोनी में बंद पड़े रेलवे क्वार्टर के पीछे से चोरों ने सेंधमार कर आठ हजार नगदी सहित लगभग 12 लाख के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। गुरुवार को रेलकर्मी छुट्टी के बाद रेलवे क्वार्टर पहुंचा तो क्वार्टर का सारा सामान बिखरा देख इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

जौनपुर जनपद निवासी कन्हैया लाल मुगलसराय में लोको पायलट के पद पर तैनात हैं। काफी समय से लोको के रेलवे क्वार्टर में निवास कर रहे हैं। रक्षाबंधन के पर्व पर 16 अगस्त को क्वार्टर बंद कर अपने घर चले गए। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने क्वार्टर के पीछे से पांच इंच के ईट से बनी जाली को तोड़कर क्वार्टर के अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद दो आलमारी तोड़कर दो हार,दो झुमक, एक मंगलसूत्र, आठ अंगूठी, एक रिंग, दो चैन,पायल, करधनी,मांगटीका सहित लगभग 12 लाख रुपए मूल्य के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। इसकी जानकारी भुक्तभोगी को उस समय हुई जब गुरुवार को छुट्टी के बाद गांव से वापस क्वार्टर पहुंचा तो क्वार्टर के भीतर बिखरा पड़ा सामान खिड़की से जब देखा तो सन्न रह गया। अंदर प्रवेश किया तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। वहीं कीमती जेवरात व नगदी गायब था।

मानसिक बीमारियों के लक्षण व उपचार को लेकर कार्यशाला आयोजित

चंदौली। पंडित कमलापति जिला संयुक्त चिकित्सालय के सभागार में गुरुवार को मानसिक बीमारियों के लक्षण व उपचार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन अधीक्षक डा सत्य प्रकाश ने किया। कहा कि मानसिक बीमारियों की उत्पत्ति डर, शक, चिंता व तनाव है। समस्या के निदान के लिए जिला चिकित्सालय कक्ष संख्या 40 मन कक्ष व टेलीमानस टोल फ्री नंबर 14416 या 1800- 81891- 4416 व 7565 802028 पर संपर्क किया जा सकता है।

शव आते ही गमगीन हुआ भूड़कुड़ा के एमाबंशी गांव का माहौल, ओवर ड्यूटी का विरोध करना महंगा पड़ा

घर की हालत सुधारने गया था सऊदी अरब, लौटा ताबूत में...

केटी न्यूज / चंदौली

भूड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत एमाबंशी गांव में गुरुवार की सुबह अचानक माहौल गमगीन हो गया, जब गांव के होनहार युवक का शव ताबूत में सील बंद होकर घर आया। मृतक ज्ञानेंद्र पाल 32 वर्ष की पत्नी तेतरा देवी और उसके दो मासूम बेटे आर्यन-02 वर्ष, आयुष्मान -03 वर्ष तथा पिता सेचन पाल सहित पूरा परिवार रोने- बिलखने लगा। मृतक की पत्नी तेतरा देवी और भाई नंदलाल पाल ने सऊदी अरब में जिला आभा सलदहा खमीश के खमीश मुसयत में 25 अप्रैल की शाम पत्नी सहित अपने मां-बाप से मोबाइल पर फोन करके यह बता रहा था कि यहां पर मैं ड्राइवरी का वीजा लगाकर आया था, जहां पानी का टैंकर चलाने का काम तो मिला, लेकिन जो मालिक है थानबा मोहम्मद अली अलग और उसके बेटा मोहम्मद शाह अलग रुबानी मुझे ओवर कार्य भी करते हैं। न करने पर मारते पिटते हैं और गाली देते हैं।

उन्होंने फोन पर यह भी बताया कि जो मालिक और उसके बेटे सऊदी अरब के हुकूमत के खिलाफ कार्य करते हैं। उसके बाद मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया। तभी बगल के मालिक ने फोन पर बताया कि ज्ञानेंद्र की मालिक ने हत्या कर दी। वह हतानी जेल में बंद है तथा उसका लड़का मोहम्मद से अलग रुबानी फरार है। उसके बाद पूरा परिवार खून के आंसू रोने लगा। इसी दरमियान जम्मू एंड कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का क्षेत्र में भ्रमण के दौरान आवेदन देकर मृतक की पत्नी तेतरा पाल ने शव मंगाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। मृतक की पत्नी ने डीएम, एसपी सहित अधिकारियों को भी आवेदन दिया था। बावजूद तीन माह 25 दिन बाद लखनऊ एयरपोर्ट पर ताबूत में ज्ञानेंद्र का शव आया। लखनऊ से आज सुबह प्रधान चंदन सिंह और परिजनों द्वारा शव को पैतृक गांव लाया गया। वहां हजारों की संख्या में भीड़ लगी थी। परिजन दहाड़े मारकर रोने बिलखने लगे।

विशाल सिंह सहित ग्रामीणों ने कहा कि ज्ञानेंद्र पाल गांव में मिलनसार युवक था। उसकी 2020 में आजमगढ़ के डागरा गांव में तेतरा देवी से शादी हुई। जिससे दो मासूम बेटे आर्यन और आसमान हुए। माली हालत को और बेहतर बनाने के सपनों को सजाकर खाड़ी देश गया था। लेकिन खाड़ी देश के सनकी मलिक के चलते मिलनसार व्यक्ति ज्ञानेंद्र की निर्मम हत्या कर दी गई। जिसमें सऊदी अरब के हुकूमत नें मलिक थानबा मोहम्मद अली अलग को गिरफ्तार कर बंद कर दिया गया। जबकि उसका बेटा मोहम्मद साह अलग रुपानी आज भी पुलिस के कैद से बाहर है। ऐसे दोषियों पर कड़ी कार्रवाई किया जाए और ज्ञानेंद्र के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

सुभाषितम्

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।

-वाल्टेयर

सेबी प्रमुख माधवी बुच के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास चचाओं में

हिडेनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति और उनके एक औद्योगिक परिवार से रिश्तों को लेकर देश की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। विपक्ष जेपीसी से जांच की मांग पर अड़ा हुआ है। सरकार अभी तक इस मामले में मौन है। राजनीतिक हल्कों में अब रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी चचाओं में आ गए हैं। 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रुपए के नोट तत्काल प्रभाव से प्रचलन से बाहर किए थे। नोटबंदी के समय कहा गया था, कि देश में जो कालाधन है, वह नोटबंदी के बाद समाप्त होगा। कालाधन 500 और 1000 रुपए के नोटों में एकत्रित करके रखा गया है। कालाधन समाप्त होने से आतंकवादी एवं नक्सलवादी गतिविधियों पर विराम लगेगा। जाली नोटों से छुटकारा मिलेगा। कालाधन पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। नोटबंदी लागू होने के 6 माह पहले से ही इसकी कार्ययोजना गुप्त रूप से तैयार की जा रही थी। इसकी जानकारी मंत्रिमंडल को भी नहीं थी। नोटबंदी के निर्णय में जिनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, उनमें प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव नृपेंद्र मिश्रा, वित्त सचिव अशोक लवासा और आर्थिक मामलों के सचिव शक्तिकांत दास प्रमुख थे। 8 नवंबर को जब नोटबंदी की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था, देश का कालाधन पूरी तरह से समाप्त होगा। आतंकवादी और नक्सली वारदात खत्म होंगी। जाली नोट शत-प्रतिशत समाप्त हो जाएंगे। देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। भ्रष्टाचार खत्म होगा। नोटबंदी के कुछ माह पश्चात उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव थे। 1000 और 500 रुपए के नोट बंद होने से वहां गैर भाजपा दल ढंग से चुनाव नहीं लड़ पाए। भाजपा ने उत्तर प्रदेश का चुनाव बहुमत के साथ जीता। केंद्र सरकार ने इसे नोटबंदी की जीत बताया। नोटबंदी के समय सरकार ने जो दावे किए थे, उसका कोई भी लक्ष्य सरकार प्राप्त नहीं कर पाई। 99 फीसदी से अधिक 1000 और 500 रुपए के नोट रिजर्व बैंक में वापस आ गये। आतंकवादी और नक्सली घटनाओं की गतिविधियों में कोई विशेष कमी नहीं आई। कालाधन भी सरकार खत्म नहीं कर पाई। रिजर्व बैंक अभी तक इसका आंकड़ा जारी नहीं कर पाया है। रिजर्व बैंक ने 1000 और 500 के जो नोट जारी किए थे, उसमें कितने नोट वापस आए। उल्टे नोटबंदी के बाद देश में जो कालाधन था, वह बैंकों के माध्यम से व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित हो गया। सारा कालाधन व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित होकर शेयर बाजार के माध्यम से कमाई करने का नया जरिया बन गया। नोटबंदी के बाद से शेयर बाजार दिन-दूनी, रात चौगुनी गति से बढ़ता चला गया। नोटबंदी के समय उर्जित पटेल रिजर्व बैंक के गवर्नर थे। वह नोटबंदी के निर्णय से इतना घबराये, उन्होंने समय पूर्व इस्तीफा दे दिया। 2019 तक उर्जित पटेल का कार्यकाल था, लेकिन उन्होंने 10 दिसंबर 2018 को इस्तीफा दे दिया। भारत सरकार ने उनके स्थान पर शक्तिकांत दास को भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बना दिया। शक्तिकांत दास भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इतिहास विषय से उन्होंने ग्रेजुएट किया था। 1980 में वह भारतीय प्रशासनिक सेवा तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के रूप में उनकी पद स्थापना अधिकांश समय वित्त विभाग से संबंधित विभागों में होती रही है। रिजर्व बैंक का गवर्नर 3 साल के लिए बनाया जाता है। संतुष्ट होने पर सरकार पुनः तीन साल के लिए कार्यकाल बढाती है। 11 दिसंबर 2018 से शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं। 10 दिसंबर 2024 तक उनका कार्यकाल रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में रहेगा। रिजर्व बैंक गवर्नर के पद पर बैंकिंग सेवाओं से जुड़े हुए अधिकारियों की ही नियुक्ति होती रही है। सरकार बाहर से अर्थशास्त्रियों को लाकर रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाती रही है।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते। इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

स्त्री आज भी क्यों कमाई का सबसे बड़ा जरिया है?

- राकेश अचल

`दुनिया में जो देश नारी की पूजा का दावा करता है उसी देश में नारी की सुरक्षा आज राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा है। ये मुद्दा लालकिले की प्राचीर से भी गूंजता है। उत्तर से दक्षिण तक,पूरब से पश्चिम तक ये एक समान मुद्दा है। ये मुद्दा राजनीति का भी है ,कानून और व्यवस्था का भी है ,समाज का भी है और अदालत का भी। फिर भी स्थिति ये है कि आज हम दुनिया के उन दुर्भाग्यशाली देशों में शुमार किये जा रहे हैं जहां नारी सबसे ज्यादा असुरक्षित,सबसे ज्यादा अपमानित,शोषित और पीड़ित है। कोई माने या न माने लेकिन ये सच है कि नारी यानि स्त्री यानि अबला सबके लिए आज भी वस्तु है,फिर चाहे वो सिनेमा हो,बाजार हो या सियासत हो। हम और हमारा समाज मनुवादी है, बिलकुल नहीं बदला, मनुस्मृति कहती है - यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः। मनुस्मृति ३/५६ । लेकिन मुझे लगता है कि मनुस्मृति झूठ कहती है। मनुस्मृति के आधार पर चलने वाले लोग झूठे है। वे नारी की पूजा केवल स्मृतियों में करते हैं ,वास्तविकता में नहीं।। मनुस्मृति से ज्यादा सच तो हमारे दद्दा मैथलीशरण गुप्त बोलते रहे ,वे लिख गए कि -

अबला जीवन है तुम्हारी यही कहानी आँचल में है दूध और आँखों में पानी हम सदियों से स्त्रियों के बारे में अपनी सोच नहीं बदल पाए । आजादी के बाद भी हमारी सोच स्त्रियों को लेकर पाशविक ही बनी हुई है ,अब इसके लिए न नेहरू जिम्मेवार हैं ,न इंदिरा गांधी और आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी। इसके लिए हमारी सोच जिम्मेदार है। इसे बदलने के लिए कोई कुछ नहीं करना चाहता। सब स्त्री सुरक्षा के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं। स्त्री बंगाल में लुटे-पिटे या मार दी जाये तो मुद्दा स्त्री सुरक्षा का बना दिया जाएगा लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में स्त्री को जिंदा जला दिया जाये, सामुहिक बलात्कार किया जाये,उसे सामान की तरह बेच दिया जाये ,उससे जिस्म फरोशी कराई जाए तो राजनीति के लिए कोई समस्या नहीं है । अदालत के लिए कोई समस्या नहीं है ।स्त्री सुरक्षा के मुद्दे पर हमारा या किसी का सर शर्म से नहीं झुकता ,झुक भी नहीं सकता ,क्योंकि हम सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। हमारे लिए स्त्री केवल वस्तु है। राजनीति में स्त्री की अस्मिता का मुद्दा आपको सत्ता तक ले जाता है, यानि राजनीति में स्त्री सत्ता के लिए एक सीढ़ी से ज्यादा कुछ नहीं है। हम जैसे बाजार में स्त्री को एक सामान की तरह बिकने के लिए बैठने पर मजबूर करते हैं वैसे ही राजनीति में भी स्त्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे स्त्रियां अपवाद हैं जो पुरुष प्रधान और मनुवादी समाज में भी राजनीति में शीर्ष पर पहुंची और उन्होंने पुरुषों को उनकी औकात दिखाई ,बाकी तो केवल दही शक़्कर खिलाने के काम आने वाली स्त्रियां होतीं हैं। राजनीति में इंदिरा गाँधी और समाज में मदर टेरेसा कम ही जन्म लेती हैं। हमारे समाज में स्त्री आज भी एक गाली है और सबसे पहले इस्तेमाल की जाती है। हाल ही में मै श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के बारे में पढ़ रहा था। ये फिल्म अपनी रिलीज के पहले दिन से ही रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन कर रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कब्जा किए हुए हैं और हर रोज करोड़ों की कमाई कर रही है। स्त्री 2 महज हफ्ते भर के कलेक्शन के साथ अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब में एंट्री लेने के करीब आ गई है। कहते हैं की स्त्री 2 ने प्रीव्यू और रिलीज के साथ पहले दिन 76.5 करोड़ रुपए कमाए थे। दूसरे दिन फिल्म ने 41.5 करोड़, तीसरे दिन 54 करोड़, चौथे दिन के 58.2 करोड़ और पांचवें दिन 38.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। छठे दिन भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 25.8 करोड़ रुपए बटोरे। वहीं अब सातवें दिन के शुरूआती आंकड़े सामने आ गए हैं जिसके मुताबिक फिल्म ने अब तक 20 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है। भारत में स्त्री 2 ने हफ्ते भर में अब तक कुल 287.4 करोड़ रुपए कमा लिए है। इसी के साथ स्त्री 2 साल की सबसे बड़ी फिल्म फाइटर के लाइफटाइम कलेक्शन से आग निकल गई है. बता दें कि फाइटर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 254.83 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया था. स्त्री 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में भी फाइटर को शिकस्त दे दी है.आपको याद होगा की 15 अगस्त को रिलीज हुई स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कई हिंदी और साउथ फिल्मों से टकराई थी। मैंने स्त्री-२ का उदाहरण जानबूझकर आपके सामने रखा है। मेरे कहने का आशय ये है कि स्त्री धरती की तरह उर्वरा भी है सहनशील भी ,लेकिन उसके इन गुणों का दुरूपयोग किया जा रहा है। पुरुष प्रधान समाज की राजनीति,और सत्ता मिलजुलकर स्त्री समाज को मूर्ख बना रही है । यदि आप भूले न हों तो हमारे देश की सरकार ने पिछले साल संसद में एक नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित कराया था। क्या हुआ उस कानून का ? कितनी वंदना कर दिखाई सरकार ने नारियों की । ले-देकर सत्ता में एक सूबे की मुख्यमंत्री के पीछे पूरी सत्ता हाथ धोकर पड़ी है ,जैसे उसी ने कोलकाता में एक महिला चिकित्स्क के साथ ज्यादती की व्यवस्था की हो? हमारी न्याय व्यवस्था को भी वही सब दिखाई दे रहा है जो सत्ता को दिखाई देता है। हमारी अदालतें भी तो आखिर पुरुषवादी और मनुवादी है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां माननीय न्यायधीशों ने बाकायदा मनु स्मृति के प्रावधानों का उल्लेख अपंने फैसलों में किया है। मैंने दुनिया के दर्जनों देशों का भ्रमण किया है। उन देशों का भी जहाँ की पूरी अर्थ व्यवस्था नारियों की जिस्म फरोशी पर टिकी है लेकिन वहां भी नारियों के साथ वैसी ज्यादती नहीं होती ,जैसी भारत में होती है। भारत में नारी स्वातंत्र्य केवल एक नारा है ,जुमला है। हकीकत में भारतीय नारी सबसे ज्यादा असुरक्षित, शोषित ,पीड़िता है। मौजूदा स्थित में बदलाव कोई कानून नहीं कर सकता,कोई सरकार नहीं कर सकती । इसके लिए हमें देश की उस आधी आबादी का दिमाग बदलना होगा जो स्त्री के प्रति दुर्भाव रखती है। मानसिकता का बदलाव करने के लिए हमें हमारी शिक्षा प्रणाली ,बदलना होगा । महिलाओं को देखने का नजरिया बदलना होगा। जब तक ये सब नहीं होगा ,तब तक मणिपुर में स्त्रियां अलग जलेंगी और बंगाल में अलग। कश्मीर में अलग और उत्तर प्रदेश में अलग। इस दुरावस्था को बदलने के लिए स्त्रियों को पुरुष समाज से खुद ही लोहा लेना होगा। उनकी वंदना कानून से तो होने से रही। कानून तो हमारे यहां बहुत से हैं लेकिन स्त्रियों की सुरक्षा इनसे नहीं हो पा रही ,बिलकुल नहीं हो पा रही। हमारे यहां स्त्रियों से सालों बलात्कार के 25 हजार मामले दर्ज होते हैं और सजा होती है केलव 27 -28 फीसदी लोगों को। दुर्भाग्य तो ये है कि सजायाफ्ता अपराधी भी फरलो जैसे घृणित कानूनों का इस्तेमाल कर मौज कर रहे होते हैं।

शर्मनाक: देह व्यापार का पदार्फाश, देवभूमि शर्मसार?

-नरेन्द्र भारती

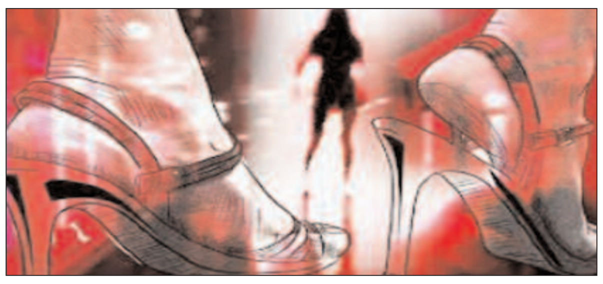

महानगरों की गंदी संस्कृति का हिमाचल में आगाज अशुभ सकेंत है। यह प्रलय की आहट है। 8अगस्त को मशहूर पर्यटन स्थल कुल्लू के भुंतर में मनीकरण चौक पर एक होटल में रहे सेक्स रैकेट का पदार्फाश हुआ है पुलिस ने 10 युवतीयों को गिरफ्तार किया है' नेपाल की युवतियाँ यह रैकेट चला रही थी ' यह कोई पहला मामला नहीं है कुछ साल पहले मनाली में सैक्स रैकेट का मामला प्रकाश में आया था सैक्सरेकेट के पकड़े जाने से हर हिमाचली शर्मसार हुआ है।यह मामला हर समाचार पत्र की सुर्खियां बना हुआ है।देह व्यापार के संदेह में पुलिस ने जिस्मफरोशी से जुडी 9 महिलाओं और 2 पुरुषों को हिरासत में लिया था ।जिस्मफरोशी में पकडी. गई महिलाएं पंजाब ,हरियाण व उतर प्रदेश की थी ।कैसी विडबवा है कि पड़ोसी राज्यों की इन महिलाओं की वजह से देवभूमि की साख पर बटटा लगा है।दो दलाल भी पकड़े गए है। समाचार पत्रों में खबरों के अनुसार गत वर्ष ऐसा ही एक पदार्फाश राजधानी शिमला में हुआ था जहां मालरोड़ पर एक मसाज सैंटर में जिस्मफरोशी का कारोबार चलता था जिसका शिमला पुलिस से पदार्फाश करके छह युवतियों समेत 8 को गिरफतार किया था।सैक्स रेकेट में पकड़ी गई युवतियों में एक थाईलैंड,तीन मणिपुर व तीन दिल्ली के रहने वाली थी।मसाज सैंटर के प्रबंधक को भी गिरफतार कर लिया था।प्रदेश सरकार को इस पर संज्ञान लेना होगा ताकि हिमाचल की अस्मिता पर दाग न लगे।दलालों को जेल के सीखचों में डालना चाहिए जो हिमाचल में ऐसे अडडे चला रहे है।मगरमच्छों को पकड़ना होगा ताकि यह कारोबार बंद हो सके।विदेशियों की पूरी छानबीन करनी होगी तथा अन्य राज्यों से आने वालों पर भी नजर रखनी होगी। गत वर्ष भी शिमला के एक होटल में पांच युवतियों सहित दस लोगों का पकड़े जाने से देवभूमि से विख्यात हिमाचल शर्मसार हुआ था। समझ नहीं आता कि बाहरी राज्यों से घूमने आने वाले लोग हिमाचल में भी गंदी संस्कृति की शरणस्थली बनाना चाहते हैं। इन घटनाओं से प्रदेश की छवि धूमिल होती जा रही हैं। समय-समय पर ऐसे मामले सुर्खियां बनती रहती है।हिमाचल में ऐसे मामलों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। दिल्ली ,मुम्बई ,कलकता व मद्रास जैसे महानगरों की इस संस्कृति को हिमाचली समाज कभी मान्यता नहीं दे सकता क्योकि देवभूमि में लक्ष्मण रेखा को लाघने वालों को हिमाचल समाज कभी नहीं बख्सेगा। मगर प्रदेश में घटित इन प्रकरणों से यह साबित हो रहा है कि इसकी जड़े गहरी होती जा रही हैं। देह व्यापार की इस विष बेल को काटना समय की मांग है तथा प्रदेश में देह व्यापार का विष फैलाने वाली इन विषकन्याओं का फन कुचलना होगा ताकि आने वाले समय में कोई इनका शिकार न हो सके। कंड़ाघाट में भी एक होटल में छापामारी के दौरान चार युवक व चार युवतियों को पकड़ा गया था।पकड़े गए युवकों में दो बग्लादेशी तथा अन्य युवक हरियाणा के रहने वाले थे। शिमला के एक होटल से जिस्मफरोशी करने वाली युवतियों को पकड़ा था। गत वर्ष चंबा में भी एक सैक्स रैकेट का पदार्फाश हुआ था। कुछ वर्ष पहले कुल्लू में भी सैक्स रैकेट चलाने वाली युवतियों को पकड़ा था।इन घटनाओं से प्रदेश पर एक प्रशनचिन्ह लग गया है।विडंवना देखिए कि चंद चांदी के सिक्कों की खनक के कारण शिक्षित व गरीबी की मार झेल रही व अभावग्रस्त नौजवान युवतियां दलालों के हाथों नीलाम हो रही है। और अपना जीवन बरबाद कर रही है। इस दलदल मे एक बार फंस गई तो इससे से बाहर निकलना बहुत ही मुशिकल है क्योकि ऐशो आराम की जिन्दगी जीने के लिए ऐसे अनैतिक व अवैध कारोबार में सलिप्त युबतियां को समाज में जलालत व जेलों में कैद होती है तो इनकी जिन्दगी नरक बन जाती है तब इन्हे होश आता है। आधुनिक दुनिया की चकाचैध में बढ़ती महत्वकांक्षाएं ही ऐसे गलत कार्य करवाती है तथा समाज में रुतबा बनाना तथा रातों-रात अमीर बनने के चक्कर में युवतियां ऐसे गलत काम को अंजाम दे रही है। आजिविका के लिए और भी कई सम्माजनक काम है।प्रदेश में ऐसे मामलो से समाज में चिंता पैदा कर दी है कि हिमाचल में यह सब घटित हो रहा है और हिमाचल पर बदनामी के दाग चस्पां हो रहे हैं। हिमाचल में घूमने के नाम पर पर्यटक होटलों में जिस्म फरोशी कर रहे है।ऐसे होटल प्रबंधकों के होटलों के लाईसैंस रदद करने चाहिए तथा मालिकों व प्रबंधकों के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए जो चंद पैसों की खातिर हिमाचल में देह व्यापार करवा रहे हैं।इन पैसे के लालची व नीच हरकतें करवाने वाले होटल चलाने वालों के कारण हिमाचल की साख को बटटा लगा है। हिमाचली समाज ऐसे कारनामों की कभी इजाजत नहीं देगा यहां के लोग की विश्व में अलग पहचान है।गनीमत रही की इन जिस्म फरोशी करने वालों मे हिमाचली की कोई युवती नहीं है यह युवतियां बाहरी देशों व अन्य राज्यों की है मगर यह बहुत ही दुर्भाग्य है कि हिमाचल में यह लोग गैर-कानुनी कार्य करके हिमाचल को बदनाम कर रहे हैं।पुलिस को चाहिए कि राज्य में हर होटल वालों की समय-समय पर निगरानी रखी जाए तथा होटल वालों को चाहिए कि हर आने-जाने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही होटलों में रहने दिया जाए।पहचान-पत्र,आधार कार्ड और अन्य दस्वावेजों को देखकर ही कमरा दिया जाए।हिमाचली समाज को आगे आना होगा तथा ऐसे गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लामबंद होना होगा ताकि आने वाले समय में ऐसे प्रकरणों पर रोक लगाई जा सके।पुलिस को भी बाहरी राज्यों से आने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही हिमाचल की सीमा में प्रवेश करने दिया जाए ताकि ऐसे सदिग्ध लोगों की पहचान हो सके।पुलिस को इस रैकेट को चलाने वालों को बेनकाब करना चाहिए।ऐसे नीच कारोबार करने वालों को सजा देनी चाहिए जो समाज में गंदगी का प्रसार कर रहे है।इस गिरोह को नेस्तनाबूद करना होगा ताकि भविष्य में प्रदेश में ऐसे मामलों पर रोक लग सके।

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों?

- एल.एस. हरदेनिया

कोलकता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार कानून बनाए। यहाँ यह बताना आवश्यक होगा कि पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी श्री एम. एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ पाई। लॉ एंड आर्डर अथोरिटी अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आए दिन यह खबरे मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया। जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने का अपराध कायम किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं। अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आए दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित हैं। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं। अभी हाल में एक भाजपा के विधायक ने सांसदों को गाली (चूतिया कहा) दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकट्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है। कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा।

आज का राशिफल

मेष आज आपकी कोई डील फाइनल होगी, जिससे कि आपको खुशी का अनुभव होगा।

तुला सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नये प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।

वृषभ आज नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

वृश्चिक दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं।

मिथुन आज किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट के साथ दिन बिताने से करियर को नई दिशा मिलेगी।

धनु आज बिजनेस के मामले में थोड़ा-सा जोखिम उठाएंगे, तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

कर्क दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे, आज उसका फल उसी समय मिल सकता है।

मकर हो सकता है आपको पुत्र-पुत्री के करियर के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े।

सिंह धर्म अध्यात्म के मामले पढ़ाई- लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कुंभ आज नौकरी के प्रति सावधानी बरतने का है। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा।

कन्या कार्यस्थल में व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए।

मीन जोखिम उठाने का परिणाम हितकर रहेगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं।

विशेष

हर महीने एनडीए की समन्वय बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 साल से एनडीए सरकार के मुखिया बने हुए हैं। इन 10 सालों में कभी भी एनडीए के सहयोगी दलों की समन्वय बैठक नहीं बुलाई गई थी। पिछले ढाई महीना में जिस तरह की स्थितियां अब देखने को मिल रही हैं। उसके बाद सरकार को एनडीए के सहयोगी दलों की याद आई है। 16 अगस्त को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर एनडीए के सहयोगी दलों की एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में फैसला हुआ है, हर माह समन्वय समिति की बैठक बुलाई जाएगी। उसमें जो निर्णय होंगे, सरकार उसके अनुसार काम करेगी। अभी तक प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर कोई अंकुश नहीं था। अब सहयोगी दलों का अंकुश लग गया है।

भारत सरकार को चौंकाया

इटली की दक्षिणपंथी सरकार के प्रधानमंत्री जियोजिर्या की सरकार ने विदेशों में कमाए गए धन पर लगने वाले टैक्स को 2 गुना कर दिया है। इटली सबसे कम टैक्स वाला देश है। इटली में धनी लोग नागरिकता पाने की होड़ में रहते हैं। पहली बार सरकार ने विदेश से कमाए धन पर टैक्स को दोगुना कर दिया है। इटली की सरकार सुपर रिच टैक्स लगाने की भी वकालत कर रही है। जिस तरह से विकासशील और विकसित देशों का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। उसको देखते हुए,अब टेक्स बदलाव समय की मांग बन गया है। दक्षिणपंथी सरकारें भी अब अपनी नीति बदलने को विवश हैं। भारत सरकार की चिंता भी अब बढ़ने लगी है। उसे भी नीतियों पर बदलाव करना होगा। अभी तक भारत सरकार कॉरपोरेट टैक्स को कम कर रही थी। ग

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1514: तुर्की के सुल्तान सलीम प्रथम ने फारंस के शाह इस्माइल को शिकस्त दी. 1839: चीन के साथ युद्ध में ब्रिटेन ने हांगकांग पर कब्जा किया. 1908: नए सुल्तान एम.हाफिज ने मराकेश में मोरक्कों के अब्दुल अजीज को शिकस्त दी 1944: रोमानिया ने हिटलर से अपना गठबंधन समाप्त कर जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1947: वल्लभ भाई पटेल उपप्रधानमंत्री नियुक्त किए गए. 1952: अरब लीग सुरक्षा समझौता प्रभावी हुआ. 1962: अमरीकी टेलस्टार उपग्रह ने अमरीका और यूरोप के बीच टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण किया. 1975: कम्युनिस्टों ने लाओस पर पूरी तरह अधिकार कर लिया. 1987: इराकी विमानों ने ईरानी पेट्रो रसायन परिसर पर जबरदस्त बमबारी की. 1997: सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी को के.जी.बी. से प्रतिबंधित कर दिया गया.

दैनिक पंचांग

23 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.27 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	09.38 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	11.53 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.09 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	16.14 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	18.00 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.33 बजे से
राहु	मीन में	मेष	21.04 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	22.44 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.42 बजे से
10.30 से		कर्क	02.55 बजे स
12.00 बजे तक		सिंह	05.11 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 236 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 10.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.54 बजे को समाप्त।
योग शूल 09.31 बजे को समाप्त।
करण बालव 10.39 बजे तदनन्तर कौलव 21.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 21'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872080
जूलियन दिन 2460545.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शुगर कंट्रोल करने के साथ फैट भी कम करता है यह ड्रिंक

आजकल कम उम्र में भी लोग डायबिटीज के शिकार हो रहे हैं। ज्यादातर यह समस्या उन लोगों में देखने को मिलती है जो सेडेंटरी लाइफ जीते हैं। मोटापा के कारण डायबिटीज हो जाती है। ऐसे में हम आपको एक खास ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जिससे फैट भी लॉस होगा और ब्लड शुगर को कम करने में भी मदद मिलेगी।

शुगर कंट्रोल करने में कैसे मददगार है दालचीनी वाटर

- दालचीनी का पानी पीने से इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। शरीर इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है तो बेहतर तरीके से शुगर को कोशिकाओं में पहुंचा सकता है ।
- दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो ग्लूकोज के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं,इससे अचानक से शुगर बढ़ने की समस्या नहीं होती है।
- दालचीनी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। डायबिटीज के मरीजों में सूजन बढ़ने से शुगर नियंत्रण प्रभावित होता है।
- दालचीनी ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है,जिससे शरीर में शुगर का इस्तेमाल सही तरीके से होता है जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है।

फैट घटाने में भी मददगार है दालचीनी वाटर

- दालचीनी का पानी पीने से शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद मिलती है जब मेटाबॉलिज्म तेज होता है तो शरीर अधिक ऊर्जा खर्च करता है और कैलोरी बर्न होती है। यह फैट लूज करने की प्रक्रिया को गति देता है। वहीं यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मदद करती है जिससे शुगर का अवशोषण बेहतर होता है और शुगर फैट में बदलने की संभावना कम हो जाती है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं इससे भी फैट लॉस करने की प्रक्रिया में सुधार होता है।

ऐसे तैयार करें दालचीनी का पानी

- इसके लिए एक गिलास पानी गैस पर उबालने के लिए चढ़ाएं।
- अब इसमें एक चुटकी दालचीनी पाउडर डालें।
- जब यह अच्छी तरह से बॉयल हो जाए तो इसे छानकर सिप-सिप कर पिएं।

जानलेवा साबित हो सकता है मंकीपॉक्स वायरस

WHO ने घोषित की हेल्थ इमरजेंसी

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने मंकीपॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है. अमेरिका, पकिस्तान, अफ्रीका, स्वीडन और सऊदी अरब सहित अब तक 13 अफ्रीकी देशों में मंकीपॉक्स के मामले देखे जा चुके हैं।

मंकीपॉक्स वायरस मुख्य रूप से इंसानों और जानवरों को प्रभावित करता है। यह चेचक के वायरस परिवार से ही संबंधित है, लेकिन इसके लक्षण हल्के होते हैं जैसे बुखार, ठंड लगना और बदन दर्द। हालांकि, कुछ मामलों में यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। यह वायरस केवल दो से चार हफ्ते तक रहने वाले लक्षण पैदा करता है। यह एक जानलेवा बीमारी है। यह वायरस टूटी हुई त्वचा या श्वसन मार्ग से शरीर में प्रवेश करता है। फिर यह रक्त के माध्यम से फैलता है जिससे व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षणों का अनुभव होता है और त्वचा पर घाव हो जाते हैं। चलिए जानते हैं कि मंकीपॉक्स क्या है, यह कितना खतरनाक है, कैसे फैलता है और इससे बचने के क्या उपाय हैं।

जानवरों से इंसानों में फैल सकता है

इसके फैलने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका त्वचा से त्वचा का संपर्क है क्योंकि वायरस त्वचा के घावों पर लगभग तीन सप्ताह तक पता लगाने योग्य रहता है, न कि श्वसन तंत्र के माध्यम से क्योंकि अधिकांश लोगों में वायरस सात से दस दिनों तक गले से साफ़ हो जाता है। इंसानों से जानवरों में संचरण के लिए, वायरस आमतौर पर काटने, खरोंचने या संक्रमित जानवर के घावों के संपर्क से शरीर में प्रवेश करता है।

मंकीपॉक्स कितना घातक?

इस बीमारी के कारण फ्लू जैसे लक्षण और मवाद से भरे घाव हो जाते हैं। यह आमतौर पर हल्का होता है लेकिन जानलेवा भी हो सकता है। ज्यादातर लोगों को अपेक्षाकृत हल्की बीमारी होती है, जहाँ उन्हें बुखार, मांसपेशियों में दर्द और पाँच से 25 घावों के साथ दाने हो सकते हैं। कुछ लोग बहुत ज़्यादा बीमार हो जाते हैं और वे पूरे शरीर में सैकड़ों घावों के साथ और भी गंभीर बीमारी विकसित कर सकते हैं।

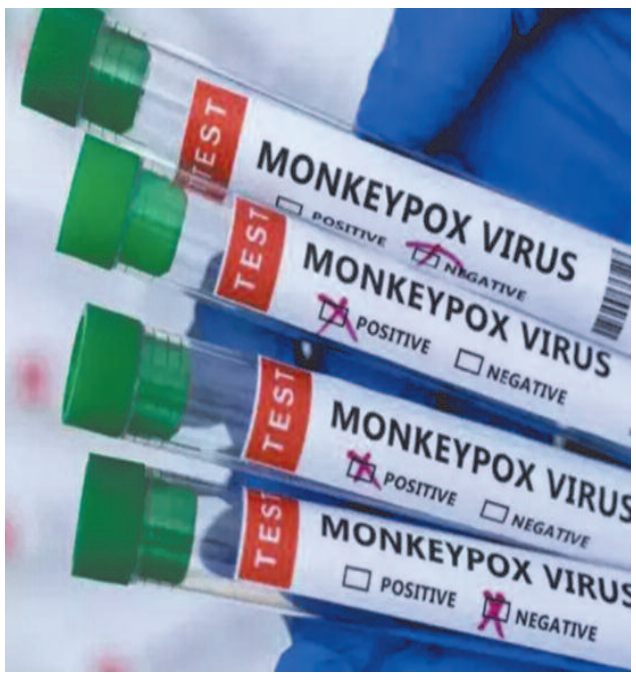

मंकीपॉक्स क्या है और कैसे फैलता है?

यह वायरस संक्रमित व्यक्ति या जानवर के निकट संपर्क से फैलता है। इंसानों में यह त्वचा के घावों के संपर्क, त्वचा से त्वचा के संपर्क और संक्रमित व्यक्ति के बहुत करीब बात करने या सांस लेने से फैल सकता है। यह दूषित वस्तुओं जैसे सतहों, बिस्तर, कपड़ों और तौलिये के माध्यम से भी फैल सकता है, क्योंकि वायरस शरीर में टूटी हुई त्वचा, श्वसन तंत्र या आंख, नाक और मुंह के माध्यम से प्रवेश करता है।

किन लोगों को है ज्यादा खतरा?

यह बीमारी ज़्यादातर लोगों में हल्के लक्षण प्रस्तुत करती है, लेकिन कुछ लोगों में गंभीर लक्षणों का अनुभव होने का ख़तरा ज़्यादा होता है। उदाहरण के लिए, अनुपचारित HIV (एक यौन संचारित बीमारी) या कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में गंभीर बीमारी का ख़तरा अभी भी ज़्यादा होता है। बच्चों में भी गंभीर बीमारी का ख़तरा ज़्यादा होता है।

मंकीपॉक्स का इलाज

मार्क्स ने कहा कि वर्तमान में मंकीपॉक्स का कोई इलाज नहीं है लेकिन कुछ एंटीवायरल दवाओं का परीक्षण किया जा रहा है। हालांकि, टीकाकरण है, जो जोखिम को कम करने में प्रभावी है।

मंकीपॉक्स से कैसे बचें

इससे बचने के लिए स्वच्छता अपनाना जैसे हाथ धोना, बीमार लोगों के संपर्क से बचने और लक्षण दिखाई देने पर लोगों को अस्पताल जाना जरूरी है। यदि आप ऐसे देश में हैं जहाँ मंकीपॉक्स के टीके उपलब्ध हैं, तो वे सुरक्षा के लिए भी प्रभावी हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से कैसे होता है दिल पर असर? इन फूड्स से होगा कम

सेहतमंद रहने के लिए दिल का हेल्दी होना जरूरी है और हार्ट हेल्थ के लिए कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज किया जाना चाहिए। शरीर में जहां गुड कोलेस्ट्रॉल जरूरी है, वहीं, बैड कोलेस्ट्रॉल, दिल पर बुरा असर डालता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल, खान-पान की गलत आदतें वगरैह कोलेस्ट्रॉल लेवल पर असर डालती हैं। डाइट में कुछ बदलाव कर, आप इसे मैनेज कर सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से दिल पर क्या असर होता है और किन फूड्स को डाइट में शामिल करने से इसे मैनेज किया जा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का लिपिड (वसा) होता है जो वैक्सी (मोम जैसा) होता है। लिपिड में वसा, मोम, स्टेरॉल, वसा में घुलनशील विटामिन (जैसे विटामिन ए, डी, ई एवं के) मोनोग्लिसराइड शामिल होते हैं। हमारे शरीर में मौजूद, ज्यादातर कोलेस्ट्रॉल, हमारे लिवर से आते हैं और बाकी हम जो भी डाइट लेते हैं, उससे हमारे शरीर में पहुंचते हैं। हमारे शरीर में कई तरह के फंक्शन्स के लिए कोलेस्ट्रॉल जरूरी होता है। लेकिन जब ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ जाता है, तो उससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से धमनियों की दीवारों के भीतर प्लाक जमता है, धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसकी वजह से ब्लड फ्लो में रुकावट आती है। यदि प्लाक बनना जारी रहता है, तो यह धमनियों में दबाव बना सकता है, जिससे रक्त का थक्का जम सकता है। प्लाक और रक्त के थक्के, धमनियों को सख्त करते हैं, जिससे हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

क्या होता है गुड और बैड कोलेस्ट्रॉल?

लिपोप्रोटीन्स प्रोटीन और लिपिड्स (फैट्स) से मिलकर बने होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को ब्लड के जरिए हमारी बॉडी की सी सेल्स में भेजता है। लिपोप्रोटीन्स मुख्य तौर पर दो तरह के होते हैं। लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन्स, जिसे बैड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है और हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन ,जिसे गुड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है। एलडीएल, कोलेस्ट्रॉल को पूरे शरीर में लेकर जाता है। यह धमनियों की दीवारों पर जमा हो जाता है और उन्हें संकीर्ण बनाता है। वहीं, एचडीएल, धमनियों से एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है और इसे वापस लिवर को भेजता है। इसलिए, एलडीएल के लेवल को कम रखना और एचडीएल के लेवल को सही रखना जरूरी है।

बैड कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने वाले फूड्स

- हेल्दी अनसैचुरेडेट फैट्स, बैड कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस करते हैं।
- कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज करने के लिए अखरोट, बादाम, सूरजमुखी और तरबूज के बीज, चिया और फ्लैक्स सीड्स, फैटी फिश, एवाकाडो और ऑलिव ऑयल को डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए।
- इसके अलावा, डाइट में फाइबर की मात्रा पर भी ध्यान देना चाहिए।
- रोज कम से कम 30 ग्राम फाइबर को डाइट में शामिल करें।
- इसके लिए मिलेट्स, दालें, फल,सब्जियां, नट्स (ये होते हैं हेल्दी नट्स) और सीड्स को खाना चाहिए।
- फाइबर, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के अब्जॉर्बशन को कम करता है, जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल सही रहता है।
- सुबह लहसुन की 1-2 कली गुनगुने पानी के साथ खाली पेट लें। लहसुन में एलिसिन पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है।
- मौसमी फल और सब्जियों को भी खाएं। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करती हैं।
- बेरीज और खट्टे फल जैसे किवी, संतरा, अनानास और नींबू खाएं।
- सही फैट को खाएं और सैचुरेटेड व ट्रांस फैट्स को अवॉइड करें क्योंकि ये खून में बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं।

शहद के साथ भूल से भी ना मिलाकर खाएं ये चीजें, सेहत को होगा नुकसान

शहद को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन आपको कुछ फूड्स को इसके साथ नहीं खाना चाहिए। इससे आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

शहद एक बेहतरीन नेचुरल स्वीटनर है, जिसमें एंटी-बैक्टीरियल व एंटी-ऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। शहद के एंटी-ऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल लेवल को इंप्रूव करके हार्ट को भी हेल्दी रखते हैं। इसे अधिकतर लोग अपनी वेट लॉस जर्नी का हिस्सा भी बनाते हैं। यह आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने से लेकर डाइजेस्टिव हेल्थ तक का ख्याल रखता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि शहद के सिर्फ लाभ ही लाभ हैं, लेकिन आपको इसके फायदे तभी मिलते हैं, जब इसका सेवन सही तरह से किया जाए। आपको शायद पता ना हो, लेकिन शहद को हर चीज़ के साथ नहीं खाया जा सकता। कुछ ऐसे फूड आइटम्स होते हैं, जिनके साथ अगर शहद का सेवन किया जाता है, तो वे एक तरह से ज़हर का काम करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद के साथ लिए जाने वाले कुछ ऐसे ही बैड फूड कॉम्बिनेशन के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

गर्म पानी के साथ

अधिकतर लोग अपनी वेट लॉस जर्नी में शहद को गर्म या उबलते पानी में मिक्स करके पीते हैं। हालांकि, ऐसा करने से शहद टॉक्सिक हो जाता है और आपको समय के साथ पाचन संबंधी समस्याएं, मेटाबॉलिज्म असंतुलन और यहां तक कि कई अन्य तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आप गुनगुने पानी में शहद ले सकते हैं, लेकिन तेज गर्म या उबलते पानी में कभी भी शहद मिक्स ना करें। गर्म पानी के अलावा गरमा-गरम दूध, चाय या कॉफी में भी शहद मिलाने से बचना चाहिए। इनके तापमान के कारण शहद से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

नॉन-वेज फूड के साथ

शहद को कभी नॉन-वेज आइटम्स खासतौर से फिश और मीट के साथ बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। दरअसल, शहद और मीट की पाचन संबंधी ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं और जब इन्हें एक साथ खाया जाता है, तो ये पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं। जिससे आपको पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपच, ब्लोटिंग और बेचैनी हो सकती है। हमेशा नॉन-वेज फूड आइटम्सऔर शहद के सेवन के बीच आप कम से कम एक घंटे का गैप जरूर रखें।

फरमेंटेड फूड के साथ

शहद को फरमेंटेड फूड के साथ लेने से भी बचना चाहिए। अगर आप शहद को अचार, दही या किमची जैसे फरमेंटेड फूड आइटम्स के साथ लेते हैं तो इससे आपको पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। फरमेंटेड फूड आइटम्स प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं और शहद की तुलना में इनका पीएच लेवल अलग होता है। इसलिए जब इन्हें एक साथ लिया जाता है तो इससे आपको पाचन संबंधी परेशानी, गैस या ब्लोटिंग आदि की शिकायत हो सकती है।

टोफू के साथ

शहद और सोया का फूड कॉम्बिनेशन भी सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। आपको शहद को कभी भी टोफू या सोया मिल्क के साथ नहीं लेना चाहिए। सोया में ऐसे कंपाउंड होते हैं जो कैल्शियम जैसे मिनरल्स के अवशोषण को बाधित कर सकते हैं और जब आप इसे शहद के साथ मिक्स करके लेते हैं तो इससे आपको पाचन संबंधी गड़बड़ी, जैसे गैस या ब्लोटिंग की शिकायत हो सकती है। साथ ही साथ, शरीर के लिए पोषक तत्वों के अवशोषण में भी समस्या पैदा हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेनिंग सेशन के अभाव में पिछड़ जाते हैं छोटे शहरों के विद्यार्थी

रांची, एजेंसी। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) रांची शाखा ने मई 2024 में उत्तीर्ण सीए के लिए आगामी कैंपस प्लेसमेंट को देखते हुए रांची शाखा भवन में ग्रुप डिस्कशन ऑफ मॉक इंटरव्यू का आयोजन किया. रांची शाखा की चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बाग्ला ने कहा कि सीए संस्थान हर साल नये उत्तीर्ण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए रांची सहित देश भर के प्रमुख शहरों में कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम का आयोजन करता है. इस कैंपस प्लेसमेंट में विभिन्न देशी, मल्टीनेशनल कंपनी, विभिन्न पीएसयू और फर्म अपने संस्थान के लिए ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू के माध्यम से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स नियुक्त करते हैं. छोटे शहरों के विद्यार्थी इस तरह के ट्रेनिंग सेशन के अभाव में बड़े शहरों के विद्यार्थियों से पिछड़ जाते हैं. इस दौरान सीए शिवम ने नये सीए को महत्वपूर्ण टिप्स दिये. सेशन में सीए अभिनव शाह, आरके अग्रवाल, सीए साकेत मोदी, सीए शुभम मोदी, सीए सुमित अग्रवाल, सीए हरेंद्र भारती, सीए पंकज मक्कड़, सीए निशांत मोदी आदि उपस्थित थे. आयोजन में संयोजक सीए तनुज जालान और सह संयोजक सीए अंकित अग्रवाल की अहम भूमिका रही.

आधा दर्जन दवा दुकानों का लाइसेंस निलंबित, एक का रद्द

रांची, एजेंसी। सहायक निदेशक औषधि प्रणव प्रभात ने राजधानी के करीब आधा दर्जन दवा दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया है. वहीं, एक दवा दुकान का लाइसेंस रद्द किया गया है. इन दुकानों में दवा की बिक्री पर रोक लगा दी गयी है. साथ ही नजदीकी थाना को इस पर नजर रखने को कहा गया है. कुछ दुकानों का लाइसेंस पांच से 20 दिनों के लिए और एक दुकान का लाइसेंस अगले आदेश तक निलंबित किया गया है. दुकानों पर फार्मासिस्ट नहीं मिलने और शेड्यूल दवाओं की बिक्री और उपलब्धता का रजिस्टर नहीं मिलने पर उक्त कार्रवाई की गयी है. ज्ञात हो कि पूर्व में औषधि निरीक्षक ने उक्त दवा दुकानों की जांच की थी. इस दौरान औषधि नियमावली के नियम के तहत कई अनियमितताएं मिली थीं. तब सभी को नोटिस थमाते हुए जवाब मांगा गया था. लेकिन, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उक्त कार्रवाई की गयी. आपको बता दें कि शहर में लगातार नशीली दवाओं की बिक्री की सूचना के बाद लगातार छापामारी की जा रही है. मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वह बिना फार्मासिस्ट के दवा की बिक्री नहीं कर सकते हैं. नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जायेगी. छोटानागपुर कॉन्वेंट स्कूल हेहल स्थित आरके एजेंसी, लालजी हिरजी रोड के हरे कृष्णा इंटरप्राइजेज, सिविल कोर्ट स्थित राहुल एजेंसी, कचहरी रोड स्थित मेसर्स राहुल एजेंसी, कचहरी रोड स्थित मेसर्स सत्यम फार्मा, शांति नगर मेन रोड स्थित मेसर्स अशोक फार्मा और एचसीजी हॉस्पिटल इरबा ओरमांझी के मेसर्स मेडलाइफ का लाइसेंस निलंबित किया गया है.

अवैध कारोबार का रिकॉर्ड बना रही हेमंत सरकार : सुनील

धनबाद, एजेंसी। भाजपा धनबाद जिला महानगर के तत्वावधान में बुधवार को अग्रसेन भवन हीरापुर में युवा आक्रोश रैली योजना सह नव नियुक्त पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष सम्मान समारोह आयोजित किया गया. अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय व संचालन महानगर जिला महामंत्री मानस प्रसून ने किया. इस दौरान 23 अगस्त को रांची में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में आहूत युवा आक्रोश रैली की तैयारियों की समीक्षा की गयी. वहीं धनबाद जिला महानगर के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों व सभी सातों मंडल अध्यक्ष को सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि भाजपा धनबाद विधानसभा के प्रभारी सह गिरिडीह के पूर्व मेयर सुनील पासवान ने रैली की तैयारी की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पूरे राज्य में कोयला, लोहा व बालू चोरी समेत सभी अवैध कारोबार का रिकॉर्ड बना रही है. पांच लाख युवाओं को नौकरी व बेरोजगारी भत्ता का झूठा वादा कर सत्ता में आयी हेमंत सरकार से युवा निराश हैं. संचालन जिला महामंत्री मानस प्रसून व धन्यवाद ज्ञापन भाजयुमो जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने किया. मौके पर रमेश राही, वीरेंद्र हांसदा, फूल जोशी, विभा रानी सिंह, रीता प्रसाद, पंकज सिन्हा, अभिमन्यु कुमार, नरेंद्र त्रिवेदी, किशोर मंडल, सूरज पासवान, राजाराम दत्ता, संजय कुशवाहा, मनोज सिंह, सन्नी रवानी, कृष्णा राउत, मुकेश पांडे, जवाहर पांडे, मुकेश सिंह, तमाल राय व रवि मिश्रा आदि थे. विधायक राज सिन्हा ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार प्रदेश के विकास के बजाय अपने परिवार के विकास में लगी है. इस सरकार के भाषण और शासन में अंतर है.

शर्त पूरी करो, मुफ्त बालू ले जाओ, 20 ट्रैक्टर फ्री रेत के लिए धड़ाधड़ हो रहे आवेदन

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की घोषणा के बाद मुफ्त के बालू के लिए सैकड़ों की संख्या में लोगों ने आवेदन करना शुरू कर दिया है। आनलाइन आवेदनों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसमें सर्वाधिक आवेदन देवघर एवं सरायकेला जिलों से प्राप्त हुआ है।

खान विभाग के अधीन कार्यरत झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को बालू के स्टाक और वितरण के लिए एजेंसी के तौर पर मान्यता दी गई है। जेएसएमडीसी के अनुसार पिछले एक सप्ताह में आवेदनों की रफ्तार बढ़ी है। निगम ने अपने अधिकृत साइट पर लाभुकों के लिए आधार को परिभाषित किया है और बताया है कि कैसे लोगों को मुफ्त बालू मिल सकेगा।

निगम के अनुसार मुफ्त बालू के लिए लाभुक का गैर आयकर दाता होना जरूरी है। उसे इसके लिए किसी प्रकार का प्रमाण दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी बल्कि अपने पैन कार्ड की छायाप्रति जमा करानी होगी। आवेदक आयकर दाता नहीं है एवं जिस किसी कार्य के लिए बालू ले रहा है, उसकी जानकारी देते हुए स्वघोषणा पत्र दाखिल करना होगा। विभाग ने तमाम बातों की जानकारी जेएसएमडीसी के पोर्टल पर दी है।

निगम से लाभुकों को बालू के एवज में एक भी पैसा नहीं लिया जाएगा लेकिन इसकी ढुलाई के लिए खुद इंतजाम करना होगा। एक लाभुक को अधिकतम 2000 सीएफटी बालू मिलेगा यानि कि लगभग 20 ट्रैक्टर बालू मुफ्त मिलेगा। वर्तमान में एक ट्रैक्टर बालू की कीमत बाजार में तीन से चार हजार रुपये तक वसूली जा रही है। इस प्रकार अधिकतम 80 हजार रुपये तक का बालू मुफ्त मिलेगा।

क्रेता को अपने व्यक्तिगत मोबाइल नंबर का प्रयोग करते हुए बालू की आनलाइन बुकिंग करनी है। अपना व्यक्तिगत आधार और पैन (वैकल्पिक) को स्व अभिप्रमाणित करके साइट पर अपलोड करना होगा इसके साथ ही बालू उपयोग करने का पूरा पता और उद्देश्य की भी जानकारी देनी होगी। इस संदर्भ में क्रेता की ओर से दायर स्वघोषणा को स्वीकार किया जाएगा। इसके बाद क्रेता संबंधित स्टाकयार्ड से बालू की बुकिंग कर सकते हैं।मुफ्त बालू प्राप्त करने की यह योजना केवल गैर आयकर दाताओं के लिए है। यह भी अनिवार्य है कि बालू का उठाव करनेवाला क्रेता थोक अथवा खुदरा बालू की बिक्री से जुड़ा अधिकृत डीलर ना हो। यह बालू लाभुकों को केवल अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए दिए जाने का प्रविधान किया गया है। एक अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक मुफ्त बालू देने की योजना है।

जेएसएमडीसी के अनुसार कई लोग बिना वाहन के ही बालू लेने आ जा रहे हैं। उन्हें यह लग रहा है कि मुफ्त में बालू उनके घर पर पहुंचाया जाएगा। जबकि ऐसी बात नहीं है। बालू मुफ्त में जरूर है, परिवहन का इंतजाम लाभुक को स्वयं ही करना होगा। इसी तरह से लगभग 7550 सीएफटी बालू का उठाव हो चुका है।

भाजपा संग मिलकर झारखंड में विस चुनाव लड़ेगा जदयू, सरयू होंगे जमशेदपुर पूर्वी से प्रत्याशी : अशोक चौधरी

जमशेदपुर, एजेंसी। जदयू के झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी ने कहा- आने वाले झारखंड विस चुनाव में जदयू भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगा। विधायक सरयू राय जमशेदपुर पूर्वी विस क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी होंगे। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने बुधवार को माइकल जॉन प्रेक्षागृह में आयोजित जदयू के मिलन समारोह में यह घोषणा की। सरयू के जदयू के शामिल होने के बाद बुधवार को पहली बार शहर में जदयू का सम्मेलन हुआ। इसमें प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो समेत कई नेताओं ने शिरकत की।

अशोक चौधरी ने कहा- जदयू एनडीए का घटक दल है। केंद्र व बिहार में भाजपा-जदयू मिलकर सरकार चला रहे हैं। 2019 में जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय सरयू राय ने बड़े अंतर से चुनाव जीता था। इस बार भी वे (सरयू) चुनाव जीतेंगे। झारखंड में भाजपा के साथ सीटों को लेकर जल्द नीतीश कुमार बातचीत करेंगे। झारखंड में इंडी सरकार का पतन आने वाले दिनों में होगा।

झारखंड में जदयू को फिर से निर्णायक भूमिका में लाएंगे -सरयू

सरयू राय ने कहा- बिहार बंटवारे के बाद जब झारखंड बना तो नीतीश कुमार की अहम भूमिका थी। उसी भूमिका को फिर से झारखंड में नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू को लाने का प्रयास किया जा रहा है। झारखंड में आने वाले दिनों में एनडीए की सरकार बने, इसके लिए अभी से एनडीए के घटक दल एकजुट होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं।

नीतीश कुमार करेंगे सरयू राय के भाग्य का फैसला! बिहार सीएम के खास सिपहसलार ने बताया पूरा प्लान

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में जदयू का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में बिहार सरकार में मंत्री और नीतीश कुमार के खास सिपहसलार डॉ. अशोक चौधरी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

पार्टी में कुछ ही दिनों पूर्व शामिल हुए जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय भी विशिष्ट अतिथि के रूप मे मौजूद रहे। सरयू राय के जदयू में शामिल होने के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर पार्टी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दर्जनों लोगों ने जदयू का दामन भी थामा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अशोक चौधरी ने कहा कि विधायक सरयू राय पार्टी सुप्रीमो नीतीश कुमार के अच्छे मित्र है। बिहार में जब जंगलराज के खिलाफ नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उस वक्त भी सरयू राय ने अपने मित्र का काफी सहयोग किया था।

अशोक चौधरी ने कहा कि बीते झारखंड विधानसभा चुनाव में विधायक सरयू राय ने जितने वोटों से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे जीत दर्ज की थी। इस बार एनडीए के प्रत्याशी के रूप में वे दो गुना से अधिक वोटों से जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार एनडीए का परचम लहरायेगा। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने इस बार किस सीट से चुनाव लड़ने के सवाल चौधरी का कहना था कि इसपर पार्टी आलाकमान यानी नीतीश कुमार फैसला लेंगे।चौधरी ने कहा कि जदयू और भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व इसपर बैठक कर फैसला लेंगे। पार्टी द्वारा जो निर्णय लिया जायेगा, उसी के आधार पर वे आगे कार्य करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद झारखंड सरकार लगायेगी खनिज भूमि पर सेस, रूल तैयार

रांची , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार खदानों की भूमि पर सेस लगाने जा रही है. इससे करीब 2000 करोड़ रुपये सालाना अतिरिक्त राजस्व की वसूली होगी. खान विभाग द्वारा बनाये गये इस विधेयक को विधानसभा के मॉनसून सत्र से पारित किया जा चुका है. झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक-2024 को अब राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जायेगा. इसी बीच विधेयक के पारित होने के बाद खान विभाग द्वारा इसका रूल तैयार किया गया है. रूल का प्रस्ताव अब अगली कैबिनेट की बैठक में रखा जायेगा. कैबिनेट अनुमोदन के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजूरी दे दी है.

सुप्रीम कोर्ट के 25 जुलाई 2024 के फैसले में राज्यों को खनिजों वाली जमीन पर उपकर (सेस) लगाने का अधिकार दिया. इसके बाद ही सरकार ने तुरंत ही विधेयक तैयार करके मॉनसून सत्र में इसे पारित करा लिया. अब इसे कैबिनेट में भेजा जा रहा है. इसमें यह कहा गया कि सेस से मिलनेवाली राशि राज्य के विकास पर खर्च की जायेगी. सेस की राशि स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सेवाएं, कृषि, ग्रामीण आधारभूत संरचना, पेयजल स्वच्छता सहित अन्य प्रकार की सेवाओं पर खर्च की जायेगी. सेस की राशि खान भूतत्व विभाग के माध्यम से वसूली जायेगी.

1.36 लाख करोड़ रुपये की वसूली के लिए केंद्र को भेजा जायेगा पत्र : इसी मामले की सुनवाई की अगली कड़ी में सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त 2024 को राज्यों का एक अप्रैल 2005 के बाद से केंद्र सरकार, खनन कंपनियों से खनिज संपन्न भूमि पर रॉयल्टी का पिछला बकाया वसूलने की अनुमति दे दी. कोर्ट ने कहा था कि केंद्र, खनन कंपनियों द्वारा खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से किया जा सकता है. वहीं, कोर्ट ने खनिज संपन्न राज्यों को रॉयल्टी के बकाये के भुगतान पर कोई जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया था.

राज्य सरकार ने बकाये का आकलन किया है. आकलन के अनुसार, राज्य को एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया मिलेगा. 12 साल में चरणबद्ध तरीके से यह भुगतान होगा. इसमें झारखंड में कार्यरत कोल कंपनियों सीसीएलस, बीसीसीएल और इसीएल पर राज्य सरकार का विभिन्न मदों में एक लाख 36 हजार 42 करोड़ रुपये बकाया है. बताया गया कि माडा, भू-राजस्व विभाग व खान विभाग जल्द ही केंद्र सरकार को पत्र लिखकर बकाये की मांग करेंगे.

झारखंड में आतंकी संगठन से जुड़े 7 संदिग्ध हिरासत में, एटीएस ने कसा शिकंजा, कई हथियार भी बरामद

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने रांची, लोहरदगा व हजारीबाग जिले के 14 ठिकानों पर छापेमारी में सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनपर आतंकी संगठन अलकायदा इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआइएस) से जुड़े होने का आरोप है।

जिन्हें हिरासत में लिया गया है, उनमें हजारीबाग के पेलावल से एक, लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के हेंजला से एक और रांची के चान्हो, इटकी आदि क्षेत्रों से पांच संदिग्ध युवक शामिल हैं। एटीएस सभी सातों संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।इस छापेमारी में एटीएस को कुछ हथियार भी मिले हैं। उनकी योजना क्या थी, कब से और किसके संपर्क में थे, इसपर एटीएस के अधिकारी जानकारी ले रहे हैं। एटीएस को सूचना है कि अलकायदा इंडियन सब कांटिनेंट अंसारूल्लाह बांग्ला टीम के साथ इस्लामिक राज्य बनाने की फिराक में है। इसके लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पूर्व में रांची व लोहरदगा का कुछ क्षेत्र आतंकियों के स्लीपर सेल को पनाह देने के लिए कुख्यात रहा है। पूर्व में चान्हों में आतंकी अब्दुल रहमान कतकी की सभा होने की भी जानकारी सामने आ चुकी है।

गत वर्ष लोहरदगा से आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट आफ इराक एंड सीरिया (आइएसआइएस) के आतंकी फैजान उर्फ फैज की गिरफ्तारी हुई थी। 19 साल के इस फैजान का संपर्क आइएसआइएस के विदेशी संचालकों से था। ये भारत में हिंसक कार्रवाई की योजना बना रहे थे। ये इंटरनेट मीडिया,फेसबुक आदि पर आतंकी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार कर रहे थे और भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के लिए प्रयासरत थे। बाद में इस मामले में देश के अलग-अलग हिस्सों से आधा दर्जन से अधिक आतंकी गिरफ्तार किए गए थे।

2019 में आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़े आतंकी मौलाना मोहम्मद कलीमुद्दीन मुजाहिरी को भी झारखंड एटीएस ने पकड़ा था। वह अलकायदा के पूर्व में गिरफ्तार आतंकियों मोहम्मद अब्दुल रहमान अली खान उर्फ हैदर उर्फ मसूद उर्फ कटकी, जीशान हैदर और अब्दुल समी उर्फ उजैर उर्फ हसन का सहयोगी था।

रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश : 14 जिलों में बारिश का दिखेगा असर, 27 अगस्त तक मध्यम दर्जे की बारिश

रांची, एजेंसी। आज राज्य के 14 जिलों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के दक्षिणी, मध्य और संथाल परगना के जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इस तरह भारी बारिश के दायरे में रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहेबगंज जिले आ रहे हैं।

देर शाम कई जिलों में हुई बारिश : राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में देर शाम बारिश हुई। सिमडेगा जिले के बानो में 79.2 मिमी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त चाईबासा, चतरा, बोकारो, धनबाद और गिरिडीह जिले में बारिश हुई है। अचानक हुई बारिश का असर शहरी इलाकों में देखने को मिला। कई मोहल्लों में बारिश का पानी घुस गया।

ऐसा है मौसम का पूर्वानुमान : वहीं मौसम पूर्वानुमान की बात करें तो 23 अगस्त को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज, पलामू, गढ़वा, चतरा, रांची और बोकारो में बारिश होगी। इस दिन के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इसी तरह 24 अगस्त को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा में भारी से भारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान आकाशीय बिजली भी गिर सकता है। इन्हीं क्षेत्रों में 25 अगस्त को भी बारिश का पूर्वानुमान है।

कहीं मौसम है साफ तो कहीं बादल छाए : आज राज्य के अलग-अलग जिलों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। संथाल परगना के जामताड़ा जिले में मौसम साफ है। वहां धूप निकली हुई है। जबकि जामताड़ा से सटे दुमका-देवघर इलाके में बादल छाए हुए हैं। आज यहां बारिश की संभावना जताई गई है।

राजधानी रांची में ठंडी हवा के बीच आसमान बादलों से ढका हुआ है। जमशेदपुर में भी हल्के बादल छाए हुए हैं। जबकि पश्चिमी सिंहभूम जिले में मौसम साफ है। हल्की-हल्की हवा चल रही है। हर दिन की तरह दोपहर बाद बारिश की संभावना है।

भारत का वर्तमान में जीडीपी 3.8 ट्रिलियन, आर्थिक ताकत से ही दुनिया में बन सकता अलग स्थान : राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश

चतरा, एजेंसी। आर्थिक ताकत से ही दुनियां भर में भारत एक अलग स्थान बना सकता है। सभी समस्याओं का समाधान आर्थिक विकास से हल किया जा हसकता है, चाहे रोजगार की समस्या हो या अन्य। भारत का जीडीपी काफी तेजी बढ़ रहा है। इसी अनुपात से जीडीपी बढ़ता रहा तो वर्ष 2075 में भारत अमेरिका को पछाड़ देगा। उक्त बातें द प्रेस क्लब चतरा की ओर से डीएमएफटी प्रशिक्षण भवन में भावी दुनियां में भारत विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का वर्तमान में जीडीपी 3.8 ट्रिलियन है। जबकि अमेरिका का 27 एवं चीन का 18 है। उन्होंने कहा कि यदि कोरोना महामारी नहीं आता तो भारत का जीडीपी काफी तेजी बढ़ता। भारत में एक दिन 220 करोड़ का वैक्सीन लगाया गया। इस मामले में भारत की क्षमता अन्य देशों की तुलना बेहतर था। उन्होंने कहा कि पीएम का कहना है कि हर साल दो ग्राम पंचायत को विकसित किया जाए तो आने वाले समय में भारत विश्व में विकासशील देशों में अग्रणी होगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर घर से चले। ग्राम से लेकर पंचायत और जिला तक इस अभियान को चला कर नई इतिहास लिख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि देश आर्थिक स्थिति से मजबूत हो रहा है। अब भारत में मेक इन इंडिया के तहत हथियार भी निर्माण किया जा रहा है। पहले भारत दूसरें देशों से हथियार खरीदती थी। अब खुद निर्मित कर दूसरे देशों से सथियार बेच रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए योजना बना कर काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि चिन ने 100 साल की योजना बनाई थी। आज पूरे विश्व में उनका रुतबा है। उन्होंने कहा कि सत्ता में कोई भी रहे,पर हमारा लक्ष्य और मकसद एक होना चाहिए।

टेक्नोलॉजी के युग में सृजित हो रहे हैं रोजगार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि देश काफी तेजी से बदल रहा है। अब टेक्नोलॉजी का युग आ गया है। टेक्नोलॉजी के इस युग में रोजगार के नए-नए साधन बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले लोग काफी कम संसाधन में काम करते थे। अब संसाधन के साथ-साथ विकास की किरणें गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछा है।

लोगों के पास सुख सुविधा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य की दुनिया में भारत की पकड़ भी मजबूत होगी। इससे पहले उन्होंने शहीदों की धरती चतरा आगमन के लिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का स्वागत करते हुए कहा कि पत्रकारिता जगत से जीवन की शुरुआत करने वाले हरिवंश जी ने राजनीति के क्षेत्र में भी एक नया आयाम स्थापित किया है। कार्यक्रम में मंच का संचालन नौशाद आलम ने की।भावी दुनिया में भारत। विषय ही काफी व्यापक है। यू तो कालांतर से ही हमारा देश भारत, पुरे विश्व में अपनी धार्मिक, राजनीतिक, समाजिक व शैक्षणिक उन्नति से दुनियां के लोगों को अचंभित करता रहा है। उक्त बातें सांसद कालीचरण सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। देश दुनिया पर रिसर्च कर रहे कई लोगों का मानना है कि भारत का भविष्य सकारात्मक है। कुछ लोगों का मानना है कि भारत 2020 के अंत में जापान से आगे निकलकर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन सकता है।

वहीं, कुछ का मानना है कि भारत 2030 तक दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन सकता है। जिस तेजी से भारत विकास की राह पर बढ़ चला है, अपना देश 2047 तक विकसित देश की श्रेणी में लाकर खड़ा हो जाएगा। भारत अगले दशक में हर साल 8 प्रतिशत जीडीपी बढ़ोतरी हासिल करना चाहती है और 2047 तक भारत की जीडीपी को 19 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। साल 2047 अपने देश का साक्षरता दर 77.8 प्रतिशत से बढ़कर 89.8 प्रतिशत हो जाएगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी रमेश घोलप ने कहा कि चिराग से तासिर रखिए यह ना सोचिए कि घर किसका रौशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को ऐसा कुछ काम करना चाहिए जिसका लाभ समाज के अन्य लोगों को भी मिल सके। हम सभी के सामूहिक प्रयास से ही समाज व देश में बदलाव लाया जा सकता है।डीसी ने कहा किचतरा में वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक व राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का व्याख्यान कार्यक्रम होना चतरा के लिए गर्व की बात है। समाज का हर तबका इन्हें पढ़ता और देखता है।

संक्षिप्त समाचार

टैक्सपेयर्स से कैसे पेश आना है... वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अधिकारियों को दिया मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स अधिकारियों से कहा कि वे टैक्सपेयर्स को भेजे जाने वाले नोटिस में सरल शब्दों का इस्तेमाल करें और कानून की तरफ से दी गई शक्तियों का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करें। सीतारमण ने 165वें इनकम टैक्स डे के मौके पर बुधवार को आयोजित एक समारोह में कहा कि फेसलेस एसेसमेंट सिस्टम लागू होने के बाद टैक्स अधिकारियों को अब टैक्सपेयर्स के

साथ अधिक निष्पक्ष और मैत्रीपूर्ण व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि टैक्स नोटिस से टैक्सपेयर्स के मन में डर की भावना नहीं पैदा होनी चाहिए। टैक्स नोटिस सरल और साफ होना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि नोटिस में करदाता को यह एकदम स्पष्ट कर देना चाहिए कि उसे किस कारण से नोटिस भेजा जा रहा है। इसके साथ ही सीतारमण ने कहा कि आयकर रिफंड तेजी से जारी करने में सुधार की गुंजाइश है। सीतारमण ने करदाताओं के साथ व्यवहार में अनियमित तरीके अपनाने से बचने का टैक्स अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि उनकी कार्रवाई मुद्दे के अनुपात में ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इनफोर्समेंट उपायों का उपयोग केवल अंतिम माध्यम के रूप में होना चाहिए और विभाग का लक्ष्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने का होना चाहिए।

सरल भाषा में नोटिस

इसके साथ ही सीतारमण ने कहा कि कर विभाग को अधिक मित्रवत और पारदर्शी होने की उनकी बात का मतलब यह नहीं है कि टैक्स अधिकारी का व्यवहार पहले अनुचित था। उन्होंने कहा, 'क्या हम सरल और समझने में आसान नोटिस भेजने के बारे में सोच सकते हैं आप कारण बताएं कि नोटिस में कार्रवाई क्यों की गई और नोटिस क्यों भेजा जा रहा है।' वित्त मंत्री ने टैक्स डिपार्टमेंट के साथ अपना समर्थन जताते हुए कहा कि टैक्स अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन जारी रखना चाहिए।

15 दिन में चार करोड़ आईटीआर की प्रक्रिया पूरी, 31 जुलाई तक भरे गए सात करोड़ से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 15 दिन में चार करोड़ आयकर रिटर्न की प्रक्रिया पूरी की है। राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने बताया कि 31 जुलाई तक कुल सात करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरे गए हैं। सचिव ने बुधवार को बताया, करीब 4.98 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) की प्रक्रिया अब तक पूरी की गई है। इसमें से 3.98 करोड़ की प्रक्रिया 15 दिनों से भी कम समय में पूरी हुई है। एक दशक में प्रत्यक्ष कर राजस्व 5.59 लाख करोड़ से बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। जीडीपी के अनुपात में कर 5.6 फीसदी से बढ़कर 6 फीसदी पहुंच गया है।

ऐमजॉन के तौर-तरीकों पर बिगड़े केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

बाजार बिगाड़ने वाली हरकतें कर रही है यह अमेरिकी कंपनी

इसका असर देश के करोड़ों रिटेल कारोबारियों पर पड़ता है

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर बुधवार को सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में ऐमजॉन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है। यह भारत के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि इसका असर करोड़ों रिटेल कारोबारियों पर पड़ता है।

गोयल ने यहां एक रिपोर्ट जारी करते हुए ई-कॉमर्स कंपनियों के कारोबारी मॉडल को लेकर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, 'जब ऐमजॉन भारत में एक अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा करती है तो हम जश्न मनाते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि ये अरबों डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था की बड़ी सेवा या निवेश के लिए नहीं आ रहे हैं। कंपनी को उस साल अपने बही-खाते में एक अरब डॉलर का घाटा हुआ था और उन्हें उस घाटे की भरपाई करनी थी।'

किसे मिले 1000 करोड़ रुपये

वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'यह घाटा पेशेवरों को 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने की वजह से हुआ था। मुझे नहीं पता कि ये पेशेवर कौन हैं। मुझे यह जानना अच्छा लगेगा कि कौन से चार्टर्ड अकाउंटेंट, पेशेवर या वकील 1,000 करोड़ रुपये पाते हैं, जबतक कि आप उन्हें रोकने के लिए सभी बड़े वकीलों को भुगतान नहीं करते हैं जिससे कोई भी आपके खिलाफ मुकदमा न लड़ सके।' उन्होंने अचरज जताते हुए कहा कि एक साल में 6,000 करोड़ रुपये का घाटा होने से क्या कीमतों को बेहद कम रखने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। यह सिर्फ एक ई-कॉमर्स मंच है और उन कंपनियों को सीधे ग्राहकों को बेचने की अनुमति नहीं होती है। सरकार की नीति के मुताबिक, कोई भी ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म देश में सीधे ग्राहकों के साथ यानी ब्2ष्ट कारोबार नहीं कर सकता है। हालांकि, मंत्री ने आरोप लगाया कि ये कंपनियां केवल खुद को ब्2क्क दिखाने के लिए सभी व्यवसायों को एक इकाई के माध्यम से रीरूट करती हैं। उन्होंने कहा, 'वे ऐसा कैसे कर रही हैं क्या यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।'

छोटे कारोबारियों को लेकर चिंता

गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की इकॉनमी में एक भूमिका है, लेकिन उनकी भूमिका के बारे में बेहद सावधानी और सतर्कता से सोचने की जरूरत है। ई-कॉमर्स कंपनियां छोटे खुदरा विक्रेताओं के अधिक मूल्य और हाई-मार्जिन वाले प्रोडक्ट को खत्म करती जा रही हैं, जबकि छोटी दुकानें इनके दम पर ही जिंदा रहती हैं। मंत्री ने देश में ऑनलाइन खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ने पर परंपरागत दुकानों के साथ बड़ा सामाजिक व्यवधान पैदा होने की आशंका भी जताई। उन्होंने कहा कि हम ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के बाजार में 27 प्रतिशत की सालाना हिस्सेदारी की दौड़ में देश के 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न नहीं करना चाहते हैं।

मरीन इलेक्ट्रिकल्स ने कमिंस से मिलाया हाथ

मुंबई, एजेंसी। जंगी जहाज और पानी में चलने वाले अन्य जहाज के पावर डिस्ट्रीब्यूशन और पैनलिंग से जुड़े काम करने वाली एक कंपनी है मरीन इलेक्ट्रिकल्स इसने मल्टी नेशनल कंपनी कमिंस की भारतीय इकाई कमिंस इंडिया के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत मरीन नेवी के शिप में काम आने वाले पम्प बनाने का काम करेगी। इस करार से मरीन को अच्छा खासा फायदा होने की उम्मीद है।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना

मरीन ने एनएसई को दी गई एक सूचना में यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है यह एमओयू निजी शिप मालिकों के अलावा विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में आपूर्ति, कमीशनिंग और बिक्री के बाद सेवाओं, डीजल जनरेटर सेट या पारंपरिक या डीजल-इलेक्ट्रिक कॉन्फ़िगरेशन के साथ एकीकृत प्रोपल्शन और बिजली उत्पादन सॉल्यूशन की सुविधा प्रदान करेगा।

मरीन इलेक्ट्रिकल की सब्सिडयरी नरहरि इंजीनियरिंग वर्क्स ने एनएसई पर दी गई सूचना में कहा है कि वह इस समय विस्तार की योजना बना रही है। नरहरि इंजीनियरिंग वर्क्स 1रूड्ड की रेंज तक नेवल और मरीन दोनों मोटरों के निर्माण के लिए अपनी विनिर्माण सुविधा का विस्तार करने की प्रक्रिया में है। इसका मुंबई के पास पालघर में नई मैन्यूफैक्चरिंग फेसिलिटी निर्माणाधीन है। उस प्लांट में कंपनी नेवल और मरीन एप्लिकेशन अल्टरनेटर का निर्माण भी शुरू कर रही है। नरहरि इंजीनियरिंग वर्क्स1964 से नौसेना इंजीनियरिंग मानकों को पूरा करने वाले कस्टम मेड शॉक ग्रेडेड मोटर्स के निर्माण में माहिर है। नरहरि इंजीनियरिंग वर्क्स 300 किलोवाट की रेटिंग तक नौसेना के जहाजों पर लगाए जाने के लिए उपयुक्त प्रत्येक एप्लिकेशन के लिए मोटर बनाती है।

हस्तशिल्प का निर्यात बढ़ाने के लिए नए बाजार खोजे जाएंगे, जान लीजिए सरकार का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हस्तशिल्पों का निर्यात बढ़ाने पर नए सिरे से जोर दिया जाए। इससे न सिर्फ शिल्पियों के लिए रोजगार के अवसर खुलते हैं बल्कि देश को विदेशी मुद्रा की भी प्राप्ति होती है। उनका कहना है कि जो देश परंपरागत रूप से भारतीय हस्तशिल्प की खरीदारी करते हैं, वहां तो फोकस हो ही, साथ नए बाजार खोजने पर भी जोर हो। वह बुधवार को हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के 24वें हस्तशिल्प निर्यात पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे।

इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गिरिराज सिंह ने कहा कि हस्तशिल्प के निर्यात में बेहतरीन करने वालों को यहां पुरस्कार मिल रहा है। उन्हें चैंपियन बताते हुए मंत्री ने उनसे असाधारण विरासत की मौजूदा ताकत को और बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने निर्यातकों से नए बाजारों की तलाश करने का भी आग्रह किया। साथ ही उम्मीद जताई कि डाइवर्सिफिकेशन को प्राथमिकता देने के साथ इस क्षेत्र में नए इंटर्न द्वारा विश्व बाजारों में भारत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

ट्रेडिशनल से हट कर मार्केट ओरिएंटेड प्रोडक्ट बनाएं

इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा सचिव रचना शाह ने कहा कि हस्तशिल्प भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के अद्वितीय कला रूपों की विविधता का जश्न मनाने की आवश्यकता पर बल दिया और छोटे शहरों और गांवों को वैश्विक व्यापार से जोड़ने, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और आजीविका प्रदान करने में हस्तशिल्प की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। शाह ने ब्रांडिंग और गुणवत्ता प्रमाणन मानकीकरण की बढ़ती आवश्यकता, प्रत्येक शिल्प को उसकी अनूठी कहानियों और परंपराओं से जोड़ने के महत्व और नए अवसरों की खोज करते हुए पारंपरिक निर्यात बाजारों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बाजार पहुंच के विस्तार में ई-कॉमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी और निर्यात अवसरों का विस्तार करके इस क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए 50 ई-कॉमर्स हब स्थापित करने की सरकार की योजना का उल्लेख किया।

इस अवसर पर वर्ष 2019-20 के 62 विजेताओं और वर्ष 2020-21 के 61 विजेताओं को कुल 123 पुरस्कार प्रदान किए गए। उसमें एक प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी दिया गया। साल 1989 में स्थापित ये पुरस्कार चार व्यापक श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। इनमें शामिल हैं शीर्ष निर्यात पुरस्कार, प्लेटिनम परफ़ॉर्मर प्रमाणपत्र, उत्पाद समूह-वार पुरस्कार, महिला उद्यमी पुरस्कार, क्षेत्रीय पुरस्कार और कुल मिलाकर 34 ट्रॉफियां, 6 प्लेटिनम परफ़ॉर्मर प्रमाणपत्र, 4 हैट्रिक ट्रॉफी, 57 मेरिट प्रमाणपत्र, 12 क्षेत्रीय पुरस्कार, 9 महिला उद्यमी पुरस्कार और 1 लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार।

इस साल 2.43 लाख नौकरियां घटीं, रिपोर्ट में दावा-

अच्छे मुनाफे के बाद भी कम रही भर्ती की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। अच्छे मुनाफे के बाद भी शेयर बाजार में सूचीबद्ध बड़ी और मध्यम कंपनियों ने भर्तियों में कंजूसी दिखाई है। 6,000 सूचीबद्ध कंपनियों में से 1,196 के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में सिर्फ 90,800 लोगों को ही काम मिला।2022-23 में 3.34 लाख लोगों को काम मिला था। इस तरह, एक साल में कुल 2.43 लाख नौकरियां घट गई हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में भर्तियों में 1.5 फीसदी की तेजी देखी गई।2022-23 में यह वृद्धि 5.7 फीसदी थी।ये आंकड़े कंपनियों के पेरोल पर काम करने वालों के हैं। इसमें दिहाड़ी और ठेके वालों की संख्या शामिल नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,196 कंपनियों में से 700 ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि 375 ने छंटनी की।121 कंपनियों ने कोई बदलाव नहीं किया है। दरअसल, 2022-23 कोरोना के बाद का पहला वित्त वर्ष था। इस अवधि में कारोबारी गतिविधियों में तेजी रही, जिससे कंपनियों ने बड़ी संख्या में भर्तियां की थी।हालांकि, 2023-24 में कारोबारी गतिविधियों में उतनी तेजी नहीं रही, जिसका असर भर्तियों पर देखा गया।

सबसे ज्यादा कर्मचारी आईटी में

आंकड़ों के मुताबिक, कुल रोजगार में लगभग 25 फीसदी हिस्सा के साथ आईटी क्षेत्र शीर्ष पर है।22 फीसदी के साथ बैंकिंग दूसरे स्थान पर है। कुल कर्मचारियों का 47 फीसदी हिस्सा इन्हीं दोनों के पास है। इसके बाद वित्त, हेल्थकेयर और वाहन क्षेत्र हैं।

इन क्षेत्रों में स्थिरता

मीडिया एवं मनोरंजन, वाहन, कंज्यूमर ड्यूरेबल, बीमा, हेल्थकेयर, क्रूड व केमिकल क्षेत्र में स्थिरता रही।वहीं, कृषि, आईटी, ऊर्जा, कपड़ा, लॉजिस्टिक और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में छंटनी हुईहै।

ऑनलाइन विक्रेताओं ने दिए1.58 करोड़ रोजगार- ऑनलाइन विक्रेताओं ने देश में 1.58 करोड़ रोजगार दिएहैं।इनमें से 35 लाख रोजगार महिलाओं को मिले हैं। करीब 17.6 लाख खुदरा उद्यम ई-कॉमर्स गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

दिल्ली स्थित नीति अनुसंधान संस्थान पहले इंडिया फाउंडेशन (पीआईएफ) की ओर तैयार 'भारत में रोजगार व उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव का आकलन' रिपोर्ट में कहा गया, ई-कॉमर्स भारत में रोजगार देने वाला प्रमुख क्षेत्र है। ऑफलाइन की तुलना में ऑनलाइन विक्रेता 54 फीसदी अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और महिला कर्मचारियों की करीब दोगुनी है। यह रिपोर्ट वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जारी की।

हर ई-कॉमर्स विक्रेता औसतन करीब 9 लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से दो महिलाएं हैं। वहीं, हर ऑफलाइन विक्रेता छह लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से सिर्फ एक महिला है।

छोटे शहरों के लोग करते हैं अधिक खर्च

बड़े शहरों के उपभोक्ताओं की तुलना में छोटे शहरों के ज्यादा लोग ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।वे हर महीने औसतन 5,000 रुपये से अधिक खर्च करते हैं।

ऑटो इंडस्ट्री में टाटा का तगड़ा पंच, खत्म कर दी मारुति की कई साल की बादशाहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ऑटो मार्केट में मारुति सुजुकी की कई साल से चली आ रही बादशाहत खत्म हो गई है। टाटा मोटर्स की माइक्रो एसयूवी पंच देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई है। उसने देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी

मारुति सुजुकी की वैगनआर को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। इस तरह पंच ने मारुति सुजुकी की कई साल से चली आ रही बादशाहत को खत्म कर दिया है। जनवरी से जुलाई 2024 के बीच टाटा पंच की बिक्री 1,26,000 यूनिट रही। इस दौरान वैगनआर की सेल 1.16 यूनिट रही। हालांकि जुलाई में पंच चौथे स्थान पर खिसक गई। ऑटो मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में हुंडई की क्रेटा टॉप पर पहुंच गई।

पंच की सफलता इस बात का भी संकेत है कि लोग वैकल्पिक ईंधन विकल्पों का रुख कर रहे हैं। टॉप 5 सेल्स में इसकी करीब आधी हिस्सेदारी है। पंच की सेल में इलेक्ट्रिक और सीएनजी की हिस्सेदारी करीब 47 प्रतिशत है। इसी तरह वैगनआर की बिक्री में सीएनजी वर्जन का हिस्सा 45 प्रतिशत, ब्रेजा में 27 प्रतिशत) और एर्टिगा में 58 प्रतिशत है। ऑटो उद्योग के जानकारों का कहना है कि पंच ने अपने लिए एक नई श्रेणी तैयार की है, जिसकी बदौलत वह शीर्ष पर पहुंच गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक और सीएनजी के फ्यूल मिक्स ने इसे बाजार में बढ़त दिलाई है।

क्यों हिट हुई पंच

जाटो डायनेमिक्स के प्रेसिडेंट रवि भाटिया ने कहा कि एक माइक्रो एसयूवी के रूप में पंच सस्ती कीमत पर एसयूवी जैसी सुविधाएं देती है। साथ ही इसकी मल्टी-फ्यूल अप्रोच भी लोगों को काफी पंसद आ रही है। कार डीलर भी इस बात से सहमत हैं कि पंच की लोकप्रियता के पीछे असली वजह इसका फ्यूल मिक्स है। चेन्नई के एक डीलर ने कहा कि पिछले जनवरी-जुलाई में पंच की सेल 79,000 यूनिट थी जो इस साल बढ़कर 1.26 लाख यूनिट हो गई है। इसका श्रेय इसके इलेक्ट्रिक और सीएनजी वेरिएंट को जाता है। बिक्री के मामले में टॉप 5 में शामिल गाड़ियों में चार के पास पेट्रोल के विकल्प के रूप में सीएनजी या डीजल है।

अमूल दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य-डेयरी ब्रांड, कंपनी ने हासिल किया 100 में से 91 का बीएसआई स्कोर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनी अमूल दुनिया की सबसे मजबूत खाद्य एवं डेयरी ब्रांड बन गई है। स्विट्जरलैंड की नेस्ले ने 20.8 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान ब्रांड का खिताब बरकरार रखा है।

ब्रांड फाइनेंस फूड एंड ड्रिंक-2024 रिपोर्ट के मुताबिक, अमूल का प्रभावशाली ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स (बीएसआई) स्कोर 100 में से 91 है। इस कारण इसे एएए+ रेटिंग मिली है। खास बात है कि कंपनी का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 3.3 अरब डॉलर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमूल के व्यापक उत्पादों ने न सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में जाना-पहचाना नाम बना दिया है। भारतीय मक्खन बाजार में 85 फीसदी और पनीर में 66 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ अमूल की ब्रांड इक्विटी हर साल मजबूत होती जा रही है।

शीर्ष-100 में सिर्फ चार भारतीय कंपनियां- ब्रांड मूल्यांकन के लिहाज से दुनिया की शीर्ष-100 कंपनियों में सिर्फ चार भारतीय शामिल हैं। अमूल 3.3 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ सूची में 22वें स्थान पर है। 2023 की तुलना में कंपनी ने चार स्थान की छलांग लगाई है। ब्रिटानिया पांच पायदान खिसककर 68वें स्थान पर आ गई है।

चार साल में 1.20 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी; 59000 फर्जी कंपनियों की चल रही जांच, अब तक 170 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते चार साल में देश में 1.20 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। इस दौरान 59,000 फर्जी कंपनियों का भी पता चला है। इनके खिलाफ जांच चल रही है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी तरीके से इनपुट क्रेडिट टैक्स का लाभ उठाने वाले 170 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा, टैक्स चोरी करने वालों की पहचान और उनके मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर खास अभियान चला रखा है। इस बार यह अभियान 16 अगस्त से 15 अक्तूबर तक चलेगा। इसका मकसद संदिग्ध व फर्जी जीएसटीआईएन की पहचान करना, कंपनियों का सत्यापन और फर्जी बिल देने वालों को जीएसटी इकोसिस्टम से हटाने के उपाय करना शामिल है।

दीप्ति की प्रतिभा और समर्पण का सम्मान किया जाना चाहिए: मिताली राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज ने लंदन स्पिरिट को 2024 विमेंस हंड्रेड का खिताब दिलाने में साहसिक प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह ऑलराउंडर अपनी प्रतिभा खेल में समर्पण के लिए दूर-दूर तक जश्न मनाने तथा सम्मान किये जाने की हकदार है।

घायल ग्रेस हैरिस के बाहर होने के बाद दीप्ति टीम में प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में आईं और अंततः लॉर्ड्स में वेल्श फायर पर जीत के साथ स्पिरिट को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने फाइनल में लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगाकर विजयी रन भी बनाया, जब स्पिरिट को चैंपियनशिप जीतने के लिए आखिरी तीन गेंदों पर चार रन की जरूरत थी। मिताली ने कहा, हम अक्सर कुछ खिलाड़ियों की प्रतिभा को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इस खिलाड़ी की प्रतिभा और समर्पण का दूर-दूर तक जश्न मनाया जाना चाहिए। सितारों से भरी दुनिया में, दीप्ति अपने अनोखे तरीके से चमकती हैं। जब दीप्ति शर्मा ने द हंड्रेड फ़ाइनल में वह मैच जिताऊ छक्का लगाया, तो यह अत्यंत प्रतिभा का क्षण था। वह टूर्नामेंट की धड़कन थीं, उन्होंने 200 से अधिक रन बनाए और केवल एक बार आउट हुईं। मिताली ने एक्स पर लिखा।उनकी वीरता ने लंदन स्पिरिट को उनके पहले खिताब तक पहुंचाया - क्या अभूतपूर्व यात्रा है! इस साल दीप्ति असाधारण से कम नहीं रहीं। द हंड्रेड और डब्ल्यूपीएल में उनका फॉर्म शानदार रहा है - लगातार 100 के करीब औसत के साथ शीर्ष रन बनाने वालों में शामिल है!

द हंड्रेड में खेले गए आठ मैचों में, दीप्ति ने

132.50 की स्ट्राइक-रेट से 212 रन बनाए, जिसमें पांच बार नाबाद रहना और 6.85 की इकॉनमी रेट से आठ विकेट लिए।

मिताली ने कहा, मुझे उसकी शांति पसंद है, और खेल को अंत तक चलाने की उसकी क्षमता उसे अलग करती है। लेकिन बात ये है...दीप्ति की प्रतिभा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता, और यही कारण है कि मुझे लगता है कि इसे सामने लाना जरूरी था। चाहे वह गेंद से जादू कर रही हो या बल्ले से पारी की शुरुआत कर रही हो, वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहती है, चाहे उसे कहीं भी खेलने के लिए कहा जाए। उस तरह का शांत, अटूट समर्पण दुर्लभ और अनमोल है।

दीप्ति की महिला टी20 में तेज गति से बल्लेबाजी नहीं करने के लिए आलोचना की जाती थी, लेकिन इस साल, अपनी ठोस बल्लेबाजी से उन्होंने वास्तव में स्थिति बदल दी है। अपनी आलोचना का सामना करने के बावजूद, दीप्ति ने अविश्वसनीय लचीलापन दिखाया है। उसने चुनौतियों का डटकर सामना किया है, अपने खेल को अपनाया है और हर बार मजबूत होकर वापस आई है।

रोहित शर्मा को मिला क्रिकेटर ऑफ ईयर का अवॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और धाकड़ बल्लेबाज रोहित शर्मा का सिएट क्रिकेटर ऑफ ईयर का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा खेल प्रशासन में शानदार काम के लिए बीसीसीआई के सचिव जय को भी सम्मानित किया गया है। विराट कोहली वनडे बैटर ऑफ द ईयर बने जबकि शमी को बॉलिंग के लिए सम्मान मिला। भारतीय टेस्ट और वनडे के कप्तान रोहित शर्मा ने एक क्रिकेट अवॉर्ड सेरिमनी में कई खुलासे किए। उन्होंने टी20 विश्व कप जीत के 3 पिलर्स पर खुलासा तो किया ही साथ ही इशारे ही इशारे में 5 आईपीएल ट्रॉफी यूं ही नहीं जीत लेने पर बड़ा बयान दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाए जा चुके रोहित शर्मा ने जय शाह, राहुल द्रविड़ और अजीत अगरकर को टी20 विश्व कप खिताब जीतने में भारत की सफलता के पीछे असली कारण बताया। रोहित ने हालांकि विश्व क्रिकेट को चेतावनी देते हुए स्वीकार किया कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी यही परिणाम दोहराने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। रोहित एमएस 29 जून को धोनी के बाद 17 साल में भारत को अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले पहले कप्तान बने।

ससेक्स ने चेतेश्वर पुजारा से खत्म किया करार

लंदन, एजेंसी। भारत के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा अगले साल की काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम में वापसी नहीं करेंगे क्योंकि इंग्लैंड के क्लब ने ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज की सेवाएं बरकरार रखने के लिए उन्हें कार्यमुक्त करने का विकल्प चुना है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने यह भी घोषणा की कि वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सील्स इस काउंटी टीम की तरफ से चैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में खेलेंगे। पुजारा 2024 में लगातार तीसरी बार ससेक्स की तरफ से खेले थे।

जसप्रीत बुमराह इस समय तीनों फॉर्मेट के किंग : टिम साउदी

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पुरुष टेस्ट कप्तान टिम साउदी ने कहा है कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। पीठ की चोट से वापसी के बाद उन्होंने और बेहतर प्रदर्शन किया है।

चोट के कारण भारतीय तेज गेंदबाजी के लीडर करीब 11 महीने तक खेल से दूर थे। साउदी ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग के बाद दूसरे ऐसे क्रिकेट स्टार हैं, जिन्होंने बुमराह को दुनिया का शानदार ऑल-फॉर्मेट गेंदबाज बताया है।

पिछले साल के वनडे विश्व कप में पूरी तरह फिट होकर लौटे बुमराह ने 20 विकेट लिए थे, और इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में 19 विकेट झटके थे।इसके बाद जून में टी20 विश्व कप में उन्होंने 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे और टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई।

रिजवान के साथ साऊद शकील भी चमके, लगाया टेस्ट करियर का दूसरा शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान के मध्यक्रम के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और साऊद शकील ने मिलकर टीम को संभालने का काम किया। पहली पारी में पहले रिजवान ने और उसके कुछ देर के बाद ही साऊद शकील ने भी शतक ठोक दिया। रिजवान ने जहां अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का तीसरा शतक लगाया तो वहीं ये साऊद शकील के भी टेस्ट क्रिकेट करियर का तीसरा शतक रहा। टेस्ट प्रारूप में रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ पहला शतक लगाने का कमाल किया तो वहीं साऊद शकील का ये इस टीम के खिलाफ दूसरा शतक रहा। इससे पहले साऊद शकील ने श्रीलंका के खिलाफ 2023 में नाबाद 208 रन की पारी खेली थी। पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में पाकिस्तान के पहले 4 विकेट 114 रन पर गिर गए थे, लेकिन शकील और रिजवान ने मिलकर पारी को संभालने का काम किया। साऊद शकील ने अपनी टीम के लिए इस टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले की पहली पारी में अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का तीसरा शतक 195 गेंदों पर पूरा किया। इस दौरान शकील ने 5 चौके लगाए और उनकी बल्लेबाजी काफी धैर्यभरी रही। इस मैच में पाकिस्तान के 4 शीर्ष बल्लेबाजों में से तीन बैट्समैन का बुरा हाल रहा और वो दहाई का अंक भी नहीं छू पाए। पहली पारी में अबदुल्लाह शफीक ने दो रन जबकि कप्तान शान मसूद 6 रन बनाकर आउट हो गए।

रोनाल्डो ने बनाया एक और विश्व रिकॉर्ड, यूट्यूब चैनल लॉन्च करते ही 90 मिनट में 10 लाख हुए सब्सक्राइबर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बुधवार को अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया। रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार के फैंस उनके चैनल की सदस्यता लेने और वह किस तरह से अपना जीवन जीते हैं, यह जानने के लिए यूट्यूब पर उमड़ पड़े। फैंस की उत्सुकता इतनी ज्यादा थी कि रोनाल्डो ने सबसे तेज एक मिलियन यानी 10 लाख ग्राहकों के लिए यूट्यूब का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि महज 90 मिनट में हासिल की।

खबर लिखे जाने तक रोनाल्डो के चैनल पर 13 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर्स हो चुके हैं। फुटबॉल स्टार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की घोषणा की थी, जहां उनके बड़े पैमाने पर फॉलोअर्स हैं। रोनाल्डो के एक्स प्लेटफॉर्म पर 112.5 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

रोनाल्डो ने चैनल लॉन्च का एलान करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, इंतजार खत्म हो गया है। मेरा यूट्यूब चैनल आखिरकार जारी हो चुका है! इस नई यात्रा पर मेरे साथ जुड़ें। अपना पहला वीडियो

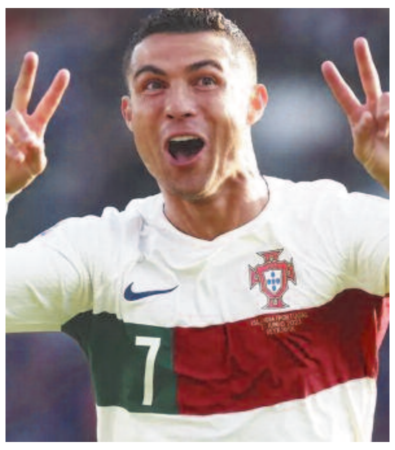

पोस्ट करने के कुछ घंटों बाद, 1.69 मिलियन फैंस चैनल को सब्सक्राइब कर चुके थे। रोनाल्डो के इस वीडियो को 90 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। 24 घंटे में रोनाल्डो को गोल्डन प्ले बटन भी मिल गया। उन्होंने अपने बच्चों को गोल्डन प्ले बटन दिखाया तो सभी झूम उठे। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया है।

मेसी से ज्यादा रोनाल्डो के सब्सक्राइबर्स

रोनाल्डो के प्रतिद्वंद्वी और इंटर मियामी से खेलने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी का भी एक यूट्यूब चैनल है और उनके 2.27 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। मेसी ने इसे 2006 में लॉन्च किया गया था। रोनाल्डो का कहना है कि उनका चैनल न केवल उनके फुटबॉल करियर की कहानियों को लोगों तक पहुंचाएगा, बल्कि उनके फॉलोअर्स को उनके परिवार, स्वास्थ्य, पोषण, तैयारी, रिकवरी, शिक्षा और बिजनेस के बारे में भी जानकारी देगा।

सर्वकालिक महान फुटबॉलरों में से एक रोनाल्डो वर्तमान में सऊदी प्रो लीग में अल नस्र के लिए खेलते हैं। फुटबॉलर ने हाल ही में यूरो 2024 में भाग लिया था, लेकिन अपनी टीम को खिताब नहीं दिला सके। 39 साल का यह फुटबॉलर अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। उनकी शानदार शारीरिक फिटनेस की वजह से वह अब तक बिना किसी परेशानी के खेलते दिख रहे हैं, लेकिन हां उनके गोल करने की क्षमता में कमी आई है। रोनाल्डो का यूरोपीय अभियान इसका सबसे अच्छा उदाहरण था, जहां वह बॉक्स के अंदर से गोल करने में सक्षम नहीं हो सके थे, जबकि उनकी टीम को गोल की सख्त जरूरत थी। उम्मीद की जा रही है कि रोनाल्डो रिटायर होने के बाद धीरे-धीरे कंटेंट क्रिएशन और अन्य व्यवसायों में चले जाएंगे।

नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने से प्रेरणा ले रहे हैं सुमित अंतिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस में आगामी पैरालंपिक में सभी की निगाहें भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल पर होंगी। टोक्यो 2020 चैंपियन का लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा और उन्हें विश्वास है कि वह अच्छे परिणाम के साथ लौटेंगे।अंतिल, जो 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस पैरालंपिक के उद्घाटन समारोह में 84 सदस्यीय भारतीय दल के दो ध्वजवाहकों में से एक होंगे, ने कहा कि वह पेरिस में स्टेड डी फ्रांस में नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने के प्रयास से प्रेरणा ले रहे हैं। टोक्यो के प्रदर्शन को दोहराने के बारे में आश्वस्त अंतिल ने कहा कि चोपड़ा ने पेरिस पैरालंपिक में से पहले एक सरल सलाह साझा की थी।

अंतिल ने एसएआई मीडिया से कहा, नीरज भाई का 89.45 मीटर थ्रो एक बेहतरीन प्रयास था। यह उनके सीज़न का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और यह उनके चोटिल होने के बाद आया। यह उस आदमी के बारे में बहुत कुछ कहता है। नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए और सिर्फ शांत और स्थिर रहकर अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।

हरियाणा का हट्टा-कट्टा भाला फेंकने वाला एथलीट पैरालंपिक में खुद को चुनौती देगा। टोक्यो में, अंतिल ने तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और 68.55 मीटर के अपने अंतिम प्रयास ने उन्हें एफ-64 श्रेणी (निचले अंगों में समस्याओं वाले एथलीट, या कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले या पैर की लंबाई से प्रभावित एथलीट) में स्वर्ण पदक दिलाया।आत्मविश्वास के बावजूद, भाला कभी भी चोट का कारण बन सकता है और अंतिल को पीठ की चोट थी जिसके पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उन्हें उम्मीद थी।उन्होंने कहा, हम इस समय चोटों को लेकर काफी सचेत हैं। यह हमारे थ्रो पर प्रभाव डालता है। अभी मेरी पीठ में हल्की चोट है और मैं नहीं चाहता कि इसका असर पेरिस में मेरे प्रदर्शन पर पड़े। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी रही है और मैं अच्छे परिणाम के साथ वापसी करने की कोशिश करूंगा।

कमाई में हार्दिक पांड्या को पछाड़ देंगे नीरज चोपड़ा!

नईदिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा और मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत का नाम रोशन किया था. नीरज ने जैवलिन थ्रो के इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था, जबकि शूटिंग क्वीन मनु भाकर ने दो ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए थे. मनु तीसरा ब्रॉन्ज मेडल जीतने से सिर्फ एक कदम दूर रह गई थीं. अब सिल्वर मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा कमाई के मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को छोड़ते हुए दिख रहे हैं. वहीं शूटर मनु भाकर की भी कमाई में चार चांद लगने की खबर है. इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट की मानें तो वित्तीय सलाहकार फर्म क्रोल के आंकड़ों के आधार पर नीरज चोपड़ा की वैल्यू में मोटी बढ़ोत्तरी होगी. रिपोर्ट के मुताबिक नीरज

की वैल्यू 29.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 248 करोड़ भारतीय रुपये) से बढ़कर 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 330 करोड़ भारतीय रुपये) हो जाएगी.

आगे बताया गया कि ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा की वैल्यू (पैसों की) हार्दिक पांड्या के बराबर थी, लेकिन उम्मीद है कि नीरज अब हार्दिक पांड्या को पीछे छोड़ देंगे. मौजूदा वक़्त में नीरज भारत के सबसे अधिक मूल्यवान एथलीट्स में से एक हैं. नीरज चोपड़ा के अलावा मनु भाकर की वैल्यू में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली. रिपोर्ट्स के मुताबिक मनु ने हाल ही में एक सॉफ्ट ड्रिंक के साथ 1.5 करोड़ रुपये की डील साइन की. पेरिस ओलंपिक के बाद शूटिंग क्वीन की फीस में बड़ा बदलाव देखने को मिला है.

पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली 24 साल की इस भारतीय एथलीट ने छोड़ा टेबल टेनिस, अब यूएस में करेंगी पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्चना के ओलंपिक के लिए चयन को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, लेकिन उन्होंने विवाद पर ध्यान देने की बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। अर्चना को टीओपी, ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू) और अन्य प्रायोजकों का समर्थन प्राप्त है।

भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। अब वह इस खेल को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने यूएस जाने का फैसला लिया है। यह घटना हैरान करने वाली है, क्योंकि अर्चना ने पेरिस ओलंपिक में महिला टीम के साथ इतिहास रचा था। भारत की महिला टेबल टेनिस टीम पहली बार ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही थी। क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया को जर्मनी के हाथों हार मिली थी, जहां अर्चना कामथ एकमात्र पैडलर थीं जिन्होंने एक गेम जीता था। भारत यह मैच 1-3 से हार गया था और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। अब 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों में पदक की

कोई गारंटी नहीं होने के कारण युवा पैडलर अर्चना ने पेशेवर रूप से टेबल टेनिस छोड़ने का फैसला किया है।

पेरिस खेलों से स्वदेश लौटने के बाद अर्चना कामथ ने अपने कोच अंशुल गर्ग से अगले खेलों में पदक हासिल करने की संभावनाओं के बारे में ईमानदार बातचीत की थी। अर्चना के रुख से स्तब्ध कोच ने ईमानदारी से जवाब देने का फैसला किया। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया- मैंने उनसे कहा कि यह मुश्किल है। इसमें बहुत मेहनत लगेगी। वह दुनिया में शीर्ष 100 से बाहर हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों में उन्होंने बहुत सुधार किया है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने जाने का मन पहले ही बना लिया था। और एक बार जब वह अपना मन बना लेती है, तो इसे बदलना मुश्किल होता है।

अर्चना के ओलंपिक के लिए चयन को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, लेकिन उन्होंने विवाद पर ध्यान देने की बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। अर्चना को टीओपी, ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू) और अन्य प्रायोजकों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं रहा। ओलंपिक में एक जीत के बावजूद उन्होंने पढ़ाई को ही अपना करियर बनाने का सोचा है। अर्चना ने बताया- मेरा भाई नासा में काम करता है। वह मेरे आदर्श हैं और वह भी मुझे अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इसलिए मैं पढ़ाई पूरी करने के लिए समय निकाल रही हूं और मैं इसका आनंद ले रही हूं। मैं भी पढ़ाई में अच्छी हूं।

अर्चना को उनके पिता ने एक शानदार छात्र बताया और कहा कि उन्हें अपने करियर विकल्पों के बारे में कोई पछतावा नहीं है। अर्चना के पिता गिरीश ने कहा- वह हमेशा अकादमिक रूप से उन्मुख रही हैं और अपने टीटी करियर के साथ उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक स्तर की पढ़ाई की है और हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, रणनीतियों और प्रतिभूतियों में मास्टर डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया है। 15 से अधिक वर्षों तक इतने समर्पण और जुनून के साथ टेबल टेनिस खेलने के बाद उन्होंने महसूस किया कि यह उनके लिए अपने अन्य जुनून-पूर्णकालिक अध्ययनों को आगे बढ़ाने का समय है। उन्होंने खेल और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बाद बिना किसी पछतावे के यह कठिन कदम उठाया है।

पेरिस खेलों के बाद अर्चना द्वारा उठाए गए कठोर कदम को देखते हुए टेबल टेनिस जैसे खेलों की वित्तीय स्थिरता चिंता का विषय है। आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के मौजूदा सचिव कमलेश मेहता का मानना है कि बदलाव तेजी से हो रहा है।

नॉनवेज खाने वालों पर भड़कीं अदा शर्मा

अदा बचपन से ही शाकाहारी रही हैं। वह अक्सर अपने प्रशंसकों से नॉन वेज से बचने का आग्रह करती रही हैं। हाल ही ,में उनसे मांसाहारियों के फूड चेन के बारे में दिए जाने वाले तर्क के बारे में पूछा गया। द केरल स्टोरी में अपने अभिनय से लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अदा शर्मा अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर जानी जाती हैं। अभिनेत्री हर विषय पर अपनी राय रखने के लिए चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने पेटा इंडिया के नए विज्ञापन अभियान में शाकाहारियों और मांसाहारियों के बीच चल रही बहस को लेकर खुलकर बात की है।

नॉनवेज को लेकर क्या बोलीं अदा

अदा बचपन से ही शाकाहारी रही हैं। वह अक्सर अपने प्रशंसकों से नॉन वेज से बचने का आग्रह करती रही हैं। हाल ही ,में उनसे मांसाहारियों के फूड चेन के बारे में दिए जाने वाले तर्क के बारे में पूछा गया कि होमो सेपियंस के समय से लोग शिकार कर रहे हैं, तो नॉनवेज भोजन की प्राकृतिक प्रक्रिया और नॉनवेज खाने के बारे में उनका क्या कहना है।

नॉनवेज खाने वालों को गुफा में रहने की दी सलाह

इस पर अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। लेकिन जैसा कि गुफा में रहने वाले लोग करते थे। मैं कहूंगी कि आप अपनी गाड़ी में मत बैठो, आप गुफा में रहो और खुद अपना जानवर मार के खा लो। अगर आप शिकार कर रहे हैं, तो पेड़ के नीचे अपने खुद के पाषाण युग के हथियार बनाओ। अगर आपको कोई शेर या भालू मिलता है, जो भी जानवर आप उस समय पाषाण युग में खाते हैं, तो आप उसे कच्चा या भूनकर खा सकते हैं।

अदा ने किया तंज

अदा ने आगे कहा कि यदि मांसाहारी लोग गुफा कल्चर को फॉलो करना चाहते हैं, तो वे पूरी प्रक्रिया शुरू से शुरू कर सकते हैं, न कि अपनी एसी की कारों में बैठकर अपने भोजन का आनंद ले सकते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, ये अलग बात है, अब अगर मैं नॉनवेज खाना चाहूं तो कोई पका रहा है, कोई पकड़ रहा है, कोई मार रहा है, कोई खून साफ कर रहा है, कोई प्लेट में सजाकर परोस रहा है। इसलिए अगर आप पाषाण युग की तरह जीना चाहते हैं, तो आपको गुफा में रहना चाहिए, आप चाकू-कांटे लेकर एसी रेस्तरां में नहीं बैठ सकते।

● शो कॉल मी बे में नजर आने वाले वरुण सूद ने कहा

मैं मजाकिया किस्म का इंसान हूं...

अभिनेता वरुण सूद अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज कॉल मी बे की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें लगता है कि इस सीरीज ने उन्हें एहसास दिलाया कि उनमें हास्य की अच्छी समझ है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि उन्हें इस चीज का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि वह हास्य की अच्छी समझ रखते हैं। मेरी मां को लगता था कि मैं मजाकिया हूं, लेकिन मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मां हमेशा अपने बच्चों की सराहना ही करती रहती हैं। सीरीज में वरुण एक जिम ट्रेनर की भूमिका में दिखाई देंगे। इसमें अनन्या पांडे दिल्ली की लड़की का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज में अनन्या का मुख्य किरदार दिल्ली के एक संपन्न परिवार से ताल्लुक रखता है। वह बहुत ही सुरक्षित माहौल में पली-बढ़ी है, लेकिन उसे बॉम्बे जाना पड़ता है। शो के ट्रेलर से पता चलता है कि सीरीज मजेदार होने वाली है। सीरीज में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

दिल्ली के रहने वाले वरुण सूद ने शुरू में अपने पिता और दादा के नक्शेकदम पर चलते हुए सेना में शामिल होने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में उन्होंने शोबिज की ओर रुख कर लिया। उन्होंने एक फिटनेस ट्रेनर के रूप में अपना करियर शुरू किया और 'एमटीवी रोडीज', 'एमटीवी स्प्लिट्सविला', 'ऐस ऑफ स्पेस' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शो में भाग लिया। उन्होंने 'रागिनी एमएमएस-रिटर्न्स' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

कॉल मी बे' से पहले वरुण ड्रामा थ्रिलर स्ट्रीमिंग सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने रवीना टंडन, नम्रता शेठ और विक्रमजीत विर्क के साथ स्क्रीन शेयर की थी। यह सीरीज माइक केली द्वारा बनाई गई 'रिवेंज' की भारतीय रीमेक है और इसका कथानक एलेक्जेंडर डुमास के 1844 के उपन्यास 'द काउंट ऑफ मोंटे क्रिस्टो' से प्रेरित है। 'कॉल मी बे' 6 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

अब शनिवार होगा फनीवार द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 पर आया बड़ा अपडेट

कपिल शर्मा ने हाल ही में एलान किया कि वह द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2 के साथ जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगे।

इसी कड़ी में शो के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करके प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। वीडियो से पता चला कि द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 के नवीनतम एपिसोड आपके शनिवार-मजेदार बनाने के लिए हर शनिवार को रिलीज होंगे।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 के निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स इंडिया के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो साझा किया और इसे कैप्शन दिया, अब शनिवार होगा फनीवार क्योंकि कपिल और गैंग डबल मस्ती और हंसी के साथ आ रहे हैं। सीजन 2 जल्द ही आ रहा है। बने रहें। वीडियो मैसेज की शुरुआत अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के यह कहते हुए होती है कि सभी दर्शकों के लिए अच्छी खबर है कि सभी का पसंदीदा शो, द ग्रेट इंडियन कपिल शो एक और सीजन के साथ नेटफ्लिक्स पर लौट रहा है। वीडियो के अंत में कॉमेडियन कीकू शारदा कहते हैं, तो अब हर शनिवार बनेगा फनीवार अपने पसंदीदा परिवार के साथ।

हालांकि, घोषणा में दूसरे सीजन की रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2 का वर्ल्ड प्रीमियर 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा, जिसमें हर शनिवार को नए एपिसोड रिलीज होंगे।

निया शर्मा को दिल्ली कोर्ट ने भेजा समन

निया शर्मा की भाभी ने उनके, उनकी मां और भाई पर घरेलू हिंसा, मारपीट और टॉर्चर के गंभीर आरोप लगाए हैं। केस दर्ज करवाया है और तीनों को दिल्ली कोर्ट ने समन जारी किया है। निया शर्मा के भाई विनय की 2022 में शादी हुई थी।

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा को घरेलू हिंसा मामले में दिल्ली की कोर्ट ने समन जारी किया है। निया शर्मा, उनके भाई और मां के खिलाफ उनकी भाभी ने घरेलू हिंसा को लेकर शिकायत दर्ज करवाई है, और उसमें बेहद गंभीर आरोप हैं। भाभी ने शिकायत में निया शर्मा के साथ-साथ अपनी सास और पति पर उनके साथ मारपीट का आरोप लगाया।

गई शिकायत के मुताबिक, निया ने भाई और मां के साथ मिलकर उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया था। वहीं, कोर्ट का कहना है कि प्रथम दृष्टया प्रतिवादी नंबर 2 और नंबर 3 के खिलाफ आरोप हैं। मुंबई पुलिस के जरिए निया शर्मा और उनकी मां को नोटिस जारी कर दिया गया है। इस मामले में और अधिक जानकारी सामने आना बाकी है। निया के भाई की 2022 में हुई थी शादी, दिल्ली में था फंक्शन निया शर्मा के भाई विनय शर्मा ने फरवरी 2022 में शादी की थी। शादी दिल्ली में हुई थी और तब एक्ट्रेस ने भाई और भाभी की शादी की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। निया शर्मा जब 14 साल की थीं, तो उनके पापा गुजर गए थे। इस बारे में उन्होंने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा में बताया था।

एक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती को मिली रेप की धमकी

बंगाली फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस और पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को रेप की धमकी मिल रही है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर इसका खुलासा किया है। उन्होंने मिल रही धमकियों और अश्लील मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए हैं। मिमी ने बताया कि कोलकाता डॉक्टर केस के बारे पोस्ट करने के बाद से उन्होंने लगातार ऐसे मैसेज आ रहे हैं। कोलकाता डॉक्टर रेप और मर्डर केस ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। मामले में न्याय की मांग सड़क से संसद तक हो रही है। पूरे देश में दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने के लिए विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले को संज्ञान में लिया है। सीबीआई भी इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। लेकिन इसी बीच बंगाली फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस और तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सदस्य मिमी चक्रवर्ती ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्होंने न्याय की मांग करते हुए कोलाकात केस का विरोध किया था। लेकिन इसके बाद से ही उन्हें रेप की धमकियां मिल रही हैं। मिमी ने इस बाबत एक ट्वीट कर साइबर सेल को भी टैग किया है। मिमी चक्रवर्ती ने कोलकाता में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा भी भाग लिया था। उनके साथ ऋद्धि सेन, अरिंदम सिल और मधुमिता सरकार जैसे फिल्मी सितारों ने भी 14 अगस्त की रात को आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में सहभागिता की थी। मिमी चक्रवर्ती पूर्व सांसद भी हैं। वह 2019 लोकसभा चुनाव में जादवपुर सीट से जीतकर संसद पहुंची थीं।

श्रद्धा कपूर ने बताया क्यों नहीं किया सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ काम

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर अपनी हॉरर-कॉमेडी पेशकश स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अभी तक हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार्स सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ क्यों काम नहीं किया, इस बारे में बताया है। शुभंकर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट के दौरान आशिकी 2 एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें अभी तक बॉलीवुड के 3 खानों के साथ काम करने का मौका नहीं मिला है।

उन्होंने कहा, कई बार आपको एक फिल्म ऑफर की जाती है, लेकिन अगर आपको लगता है कि किरदार उतना रोमांचक नहीं है या वह किरदार आपके अंदर के कलाकार को चुनौती नहीं देता है तो आप उस किरदार को छोड़ देते हैं। मैं काम के बारे में बहुत स्पष्ट हूं जिसे मैं चुनती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, अच्छी कहानियों वाली दिलचस्प फिल्में बनाना चाहती हूं, अच्छे निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं और अच्छा काम करना चाहती हूं। अगर इन सबका मतलब अच्छे अभिनेताओं या बड़े सितारों के साथ काम करने का अवसर है, तो मुझे इसके लिए हां कहने में खुशी होगी।

इस बीच, लगभग 16 महीने बाद बॉक्स-ऑफिस पर वापसी करने वाली श्रद्धा ने स्त्री 2 के साथ अपनी लगातार दूसरी 200 करोड़ रुपये की फिल्म दी है। पहली फिल्म तू झूठी मैं मक्कार है जिसमें उन्होंने सुपरस्टार रणबीर कपूर के साथ अभिनय किया था।

इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, स्त्री 2 ने भारतीय बॉक्स-ऑफिस पर 255 करोड़ रुपये की कमाई की है, साथ ही विदेशी कलेक्शन में 55 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है, जिससे दुनिया भर में इसका कलेक्शन 361.15 करोड़ रुपये हो गया है।

क्या भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे अक्षय कुमार?

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिष्ठित हॉरर कॉमेडी फिल्मों में भूल भुलैया का नाम जरूर शामिल किया जाता है। साल 2007 में प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म दर्शकों के दिलों पर राज करने में कामयाब रही थी। आज भी इस फिल्म लोग छोटे पर्दे या फिर ओटीटी पर देखना पसंद करते हैं। वहीं, इसके कई वर्ष बाद जब निर्मताओं ने भूल भुलैया 2 को अक्षय के बिना बनाने का एलान किया तो फैंस काफी ज्यादा नाराज हो गए। लोगों के मन में यह संदेह था कि इस फिल्म के साथ वह न्याय कर सकेंगे या नहीं। हालांकि, अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी भूल भुलैया ने बड़े पर्दे पर खूब कमाल दिखाया। फिल्म साल 2022 में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म के बाद कार्तिक की भी लॉटरी लग गई और उनकी गिनती उभरते हुए सुपरस्टार्स में होने लगी। अब कार्तिक जल्द ही भूल भुलैया 3 में नजर आने वाले हैं। इस फ्रेंचाइजी फिल्म में विद्या बालन की वापसी होने जा रही है।

अदिति शर्मा ने केकेके 14 के सफर पर कहा – हर स्टंट से पहले डर लगता था

अभिनेत्री अदिति शर्मा को खतरों के खिलाड़ी 14 (केकेके 14) से बुधवार को निकाल दिया गया। स्टंट आधारित रियलिटी शो के बारे में उन्होंने बताया कि इस शो में डर का सामना करना रोमांचक था। इंस्टाग्राम पर अदिति ने कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में रब से है दुआ की अभिनेत्री अपनी चोटों के निशान दिखा रही हैं, जो उन्हें स्टंट के दौरान लगी थीं। उन्होंने अपनी टीम, क्रू और अन्य प्रतियोगियों निमृत कौर अहलूवालिया और करण वीर मेहरा के साथ तस्वीरें साझा की हैं।

तस्वीरों के साथ, अदिति ने अपने केकेके 14 के सफर को समेटते हुए एक दिल को छू लेने वाला नोट लिखा। नोट में उन्होंने लिखा, मैं कुछ समय से चुप थी, अपने केकेके 14 के सफर को खत्म करने के साथ आई भावनाओं को समझने की कोशिश कर रही थी। मैं आखिरकार साझा करने के लिए तैयार हूं... हालांकि वह अध्याय बंद हो गया है, लेकिन मैंने जो यादें बनाई हैं, वे जीवन भर रहेंगी। मैं हर स्टंट से पहले डरी हुई थी, लेकिन उन डर का सामना करना रोमांचक था! उन्होंने कहा, यह यात्रा भले ही समाप्त हो गई हो, लेकिन मेरी निजी यात्रा अभी शुरू हुई है।

मैं खुद को मातृत्व के लिए तैयार कर रही हूं: देवोलीना भट्टाचार्जी

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी 22 अगस्त को 38 साल की हो गई। उन्होंने अपने जन्मदिन की योजना साझा की है और खुद को मातृत्व के लिए तैयार करने के बारे में बात की। वह अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। इस साल अपने जन्मदिन की योजना के बारे में बात करते हुए, देवोलीना ने कहा, मैं इस साल अपने जन्मदिन पर शूटिंग करूंगी। आमतौर पर, मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताती हूं, लेकिन इस साल, मैं इसे अपनी छठी मैया की के साथ समय बिताने के लिए उत्साहित हूं।

देवोलीना के लिए टीम दूसरे परिवार की तरह है। उन्होंने कहा, वे मेरे लिए दूसरे परिवार की तरह बन गए हैं, और मैं उनके साथ इस विशेष दिन को साझा करने के लिए उत्सुक हूं। देवोलीना ने साझा किया कि उन्हें अपना जन्मदिन बेहद पसंद है। कहा, यह मेरे लिए हमेशा एक विशेष दिन रहा है। हर साल की अपनी अनूठी यादें होती हैं, लेकिन यह विशेष रूप से असाधारण लगता है।

साभार-एजेंसी